THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com
Vaartha Hindi
@Vaartha_Hindi
Vaartha official
www.hindi.vaartha.com

वर्ष-31 अंक : 55 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) ज्येष्ठ शु.11 2083 मंगलवार, 26 मई-2026

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद ❊ पृष्ठ : 14 मूल्य : 8 रुपये

देश के बॉर्डर क्षेत्रों में प्रवास करेंगे गृह मंत्री अमित शाह, सुरक्षा संबंधी बैठकों में लेंगे हिस्सा

जयपुर, 25 मई (एजेंसियां)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह अगले कुछ दिनों में देश के बॉर्डर क्षेत्रों में प्रवास करेंगे और सुरक्षा संबंधी बैठकों में हिस्सा लेंगे। इसके तहत केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह 25 मई की रात को दो दिवसीय दौरे पर राजस्थान के बीकानेर पहुचेंगे और 26 मई सुबह 10 बजे सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) की सीमा चौकी सांचू का दौरा करेंगे। वहां वह सुरक्षा बलों के जवानों के साथ संवाद करेंगे और सुरक्षा बलों के लिए कल्याणकारी योजनाओं का उद्घाटन करेंगे। अमित शाह दोपहर 2 बजे बीकानेर में बॉर्डर क्षेत्र की सुरक्षा की समीक्षा करेंगे।

सुप्रीम कोर्ट ने एनटीए से पूछा

पिछली गलती से क्या सीखा?

> कोई सबक नहीं लिया, ये दुखद > नीट पेपर लीक पर केंद्र-सीबीआई से भी जवाब मांगा

नई दिल्ली, 25 मई (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने नीट पेपर लीक मामले में सोमवार को नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) को फटकार लगाई। कोर्ट ने कहा- यह दुखद है कि एनटीए ने पहले हुए पेपर लीक मामले से कोई सबक नहीं लिया।

जस्टिस पीएस नरसिम्हा और जस्टिस आलोक अराधे की बेंच सोमवार को फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया मेडिकल एसोसिएशन (एफएआईएमए), यूनाइटेड डॉक्टर्स फ्रंट (यूडीएफ) औरअन्य याचिकाओं पर सुनवाई कर रही थी। इस दौरान उन्होंने कहा, यह मामला 2024 में भी सुप्रीम कोर्ट तक पहुंचा था। तब एक कमेटी बनाई गई थी, जिसने कई सिफारिशें दीं, जिन्हें स्वीकार भी किया गया था। कोर्ट ने निर्देश दिया कि एनटीए गुरुवार तक हलफनामा दाखिल करे और बताए कि 2024 में दिए गए निर्देशों और मॉनिटरिंग कमेटी की सिफारिशों पर क्या कदम उठाए गए। साथ ही केंद्र सरकार और सीबीआई से भी जवाब मांगा है।

एफएआईएमए की याचिका में मांगें :

नीट-यूजी कराने के लिए एनटीए की जगह एक मजबूत और स्वायत्त व्यवस्था बनाई जाए या फिर इसकी पूरी संरचना बदली जाए। क्योंकि बार-बार पेपर लीक होने से

22.7 लाख से ज्यादा छात्रों के मौलिक अधिकारों पर सीधा असर पड़ा है।

नई संस्था बनने तक एक हाई-पावर मॉनिटरिंग कमेटी बनाई जाए, जो दोबारा परीक्षा की निगरानी करे। इसमें रिटायर्ड सुप्रीम कोर्ट जज को चेयरमैन बनाया जाए, साथ ही साइबर सिक्योरिटी एक्सपर्ट और फोरेंसिक साइंटिस्ट को शामिल किया जाए, ताकि पेपर लीक से रोका जाए।

यूनाइटेड डॉक्टर्स फ्रंट (यूडीएफ) की मांग :

> एनटीए को मौजूदा व्यवस्था को भंग किया जाए।
> नई राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी बनाई जाए।
> अब जानिए नीट पेपर लीक केस क्या है

नीट-यूजी परीक्षा 3 मई को देश के 551 शहरों और विदेश के 14 केंद्रों पर आयोजित हुई थी। इसमें करीब 23 लाख उम्मीदवार शामिल हुए थे। एनटीए के अनुसार 7 मई की शाम परीक्षा में गड़बड़ी की सूचना मिली थी। इसके बाद मामला केंद्रीय एजेंसियों को सौंपा गया। 12 मई को परीक्षा रद्द की गई और री-एग्जाम का फैसला लिया गया। 15 मई को शिक्षा मंत्रालय और एनटीए ने नीट री-एग्जाम की तारीख 21 मई को होने का ऐलान किया।

नेशनल एलिजिबिलिटी कम एंट्रेंस टेस्ट (नीट) भारत में मेडिकल और डेंटल कोर्सेज में दाखिले के लिए होने वाली राष्ट्रीय प्रवेश परीक्षा है। इसकी शुरूआत 2013 में हुई थी। इस परीक्षा के माध्यम से देश के सभी सरकारी और निजी मेडिकल कॉलेजों में एमबीबीएस, बीडीएस, आयुष (बीएएमएस, बीएचएमएस) और नर्सिंग जैसे कोर्सेज में दाखिला मिलता है, जिसमें एम्स और जेआईपीएमईआर जैसे प्रतिष्ठित संस्थान भी शामिल हैं।

पेट्रोल-डीजल फिर महंगा

दो सप्ताह में चौथी बार बढ़े दाम

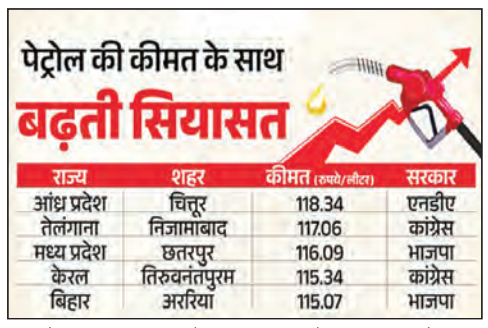

राज्य	शहर	कीमत (रुपये/लीटर)	सरकार
आंध्र प्रदेश	चित्तूर	118.34	एनडीए
तेलंगाना	निजामाबाद	117.06	कांग्रेस
मध्य प्रदेश	छतरपुर	116.09	भाजपा
केरल	तिरुवनंतपुरम	115.34	कांग्रेस
बिहार	अररिया	115.07	भाजपा

नई दिल्ली, 25 मई (स्वतंत्र वार्ता)। सरकारी तेल कंपनियों ने सोमवार को पेट्रोल और डीजल की कीमतों में फिर बढ़ोतरी कर दी। पेट्रोल 2.61 रुपये प्रति लीटर और डीजल 2.71 रुपये प्रति लीटर महंगा हुआ है। पिछले दो सप्ताह से भी कम समय में यह चौथी बढ़ोतरी है। नई बढ़ोतरी के बाद 15 मई से अब तक पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कुल करीब 7.5 रुपये प्रति लीटर की वृद्धि हो चुकी है।

लगातार बढ़ती कीमतों से आम लोगों पर महंगाई और परिवहन खर्च का दबाव बढ़ने लगा है। दिल्ली में पेट्रोल की कीमत 99.51 रुपये से बढ़कर 102.12 रुपये प्रति लीटर हो गई है, जबकि डीजल 92.49 रुपये से बढ़कर 95.20 रुपये प्रति लीटर पहुंच गया है। मुंबई में पेट्रोल 111.21 रुपये और डीजल 97.83 रुपये प्रति लीटर बिक रहा है। वहीं कोलकाता में पेट्रोल 113.51 रुपये और डीजल 99.82 रुपये प्रति लीटर हो गया है। चेन्नई में पेट्रोल 107.77 रुपये और डीजल 99.55 रुपये प्रति लीटर पहुंच गया है। तेल कंपनियों का कहना है कि अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में तेजी, रुपये की कमजोरी और आयात लागत बढ़ने के कारण कीमतों में इजाफा करना पड़ा है।

फरवरी के अंत से वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में 50 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि हुई है। ईरान पर अमेरिकी-इजरायली हमलों और होर्मुज जलडमरूमध्य में तेल आपूर्ति प्रभावित होने से हालात और गंभीर हो गए हैं। इससे पहले 15 मई को पेट्रोल-डीजल के दामों में 3 रुपये प्रति लीटर की बढ़ोतरी की गई थी। इसके बाद 19 मई को 90 पैसे और 23 मई को भी कीमतों में वृद्धि हुई थी। सरकारी कंपनियां इंडियन ऑयल, भारत पेट्रोलियम और हिंदुस्तान पेट्रोलियम देश के लगभग 90 प्रतिशत ईंधन बाजार को नियंत्रित करती हैं।

गुलमर्ग रोप-वे हादसा, भारतीय सेना की मदद से 148 पर्यटकों को सुरक्षित निकाला

गुलमर्ग, 25 मई (एजेंसियां)। भारतीय सेना ने जम्मू-कश्मीर के गुलमर्ग में बड़े स्तर पर बचाव अभियान शुरू किया। यहां गोंडोला सेवा ठप होने के कारण पर्यटक हवा में लटकी केबल कारों में फंस गए। इस स्थिति में सेना ने मोर्चा संभाला और खराब मौसम व दुर्गम पहाड़ी परिस्थितियों के बीच तेजी से राहत दलों को प्रभावित इलाके में भेजा।

सेना के अनुसार, शाम 5.40 बजे तक कुल 148 पर्यटकों को सुरक्षित निकाला जा चुका है। सेना की टीमों ने यहां फंसे पर्यटकों को सुरक्षित निकालने के लिए विशेष अभियान चलाया। सेना ने अपने ऑल-टेरेन व्हीकल यानी एटीवी भी तैनात किए, जिससे कठिन रास्तों में राहत कार्यों को गति मिली। दरअसल, सोमवार को गुलमर्ग गोंडोला की बेस स्टेशन से फेज-1 कोंगडोरी के बीच सेवा तकनीकी खराबी के कारण अचानक रुक गई थी। इससे कई पर्यटक हवा में लटकी केबल कारों में फंस गए। जम्मू-कश्मीर पुलिस और गोंडोला प्रबंधन प्राधिकरण से सहायता मांगे जाने का संदेश मिलते ही भारतीय सेना तुरंत सक्रिय हो गई। बुटापथरी बटालियन क्षेत्र से विशेष बचाव दल रवाना किए गए, जिन्होंने खराब मौसम के बावजूद तेजी से रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया। सेना के साथ-साथ एसडीआरएफ और अन्य नागरिक एजेंसियों ने भी संयुक्त अभियान चलाया। राहत कार्य को और तेज करने के लिए गुलमर्ग एटीवी एसोसिएशन की अतिरिक्त गाड़ियों को भी लगाया गया।

धर्मेंद्र को मरणोपरांत पद्म विभूषण

> कला, खेल और चिकित्सा जगत की 66 हस्तियों को मिले पद्म सम्मान

नई दिल्ली, 25 मई (एजेंसियां)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने सोमवार को राष्ट्रपति भवन के गणतंत्र मंडप में 2026 के पहले पद्म अवॉर्ड्स दिए। दरअसल, सरकार ने गणतंत्र दिवस से एक दिन पहले यानी 25 जनवरी को 131 पद्म पुरस्कार विजेताओं के नामों की घोषणा की थी। इस क्रम में पहले फेज में देश की 66 हस्तियों को सम्मानित किया गया। जबकि, शेष विजेताओं को दूसरे चरण में अवॉर्ड दिए जाएंगे। राष्ट्रपति मुर्मु ने सोमवार के पहले फेज में 2 पद्म विभूषण, 6 पद्म भूषण और 58 पद्म श्री पुरस्कार प्रदान किए। जिन हस्तियों को पद्म

भूषण से सम्मानित किया गया है, उनमें अभिनेता आर माधवन, क्रिकेटर रोहित शर्मा, महिला क्रिकेट टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर और हॉकी प्लेयर सविता पूनिया के अलावा पैरा एथलीट प्रवीण कुमार शामिल हैं। खास बात यह है कि पद्म पुरस्कार विजेताओं में 19 महिलाएं भी शामिल हैं। इसके साथ ही 16 ऐसी हस्तियां हैं, जिन्हें मरणोपरांत पुरस्कार दिए गए हैं।

दिवंगत अभिनेता धर्मेंद्र, केरल के पूर्व मुख्यमंत्री वीएस अच्युतानंदन और सुप्रीम कोर्ट के पूर्व जज केटी थॉमस समेत 5 हस्तियों को पद्म विभूषण पुरस्कार दिए गए हैं। जबकि मशहूर गायक अल्का याग्निक और झारखंड के पूर्व सीएम शिबू सोरेन समेत 13 हस्तियों को पद्म भूषण से सम्मानित किया गया। इसके अलावा अभिनेता आर माधवन, इंडिया क्रिकेट टीम में खिलाड़ी रोहित शर्मा, हॉकी प्लेयर सविता पूनिया समेत 113 हस्तियों को पद्मश्री पुरस्कार प्रदान किया गया। >14

यूएई की अदालत के 500 करोड़ के आदेश पर जुलाई में सुनवाई करेगा कोर्ट, मामले में मध्यस्थता विफल

नई दिल्ली, 25 मई (स्वतंत्र वार्ता)। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को कहा कि वह जुलाई में उस मामले की सुनवाई करेगा, जिसमें संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) की एक अदालत ने हैदराबाद के उद्योगपति निम्मगड्डा प्रसाद को करीब 500 करोड़ रुपये चुकाने का आदेश दिया था। यह मामला इसलिए फिर से अदालत में आया, क्योंकि दोनों पक्षों के बीच समझौता कराने की कोशिश सफल नहीं हो सकी।

यह समझौता प्रक्रिया भारत के पूर्व मुख्य न्यायाधीश यूयू ललित की निगरानी में चल रही थी। लेकिन समझौता नहीं हो पाया, इसलिए अब सुप्रीम कोर्ट खुद इस मामले की सुनवाई करेगा। रास अल खैमाह इन्वेस्टमेंट अथॉरिटी (आरएकेआईए) नाम की विदेशी संस्था का कहना है कि यूएई की अदालत ने उसके पक्ष में फैसला दिया है और निम्मगड्डा प्रसाद को बड़ी रकम लौटानी चाहिए। यह रकम करीब 543 करोड़ रुपये है, जो ब्याज के साथ लगभग 643 करोड़ रुपये हो जाती है। यह विवाद 2008 के 'वानपिक परियोजना' से जुड़ा है। इस परियोजना में आंध्र प्रदेश में बंदरगाह और हवाई अड्डा बनाने की योजना थी, लेकिन यह परियोजना सफल नहीं हो सकी। आरएकेआईए का आरोप है कि इस परियोजना के लिए दिए गए 12 करोड़ अमेरिकी डॉलर का गलत इस्तेमाल किया गया। संस्था का कहना है कि निम्मगड्डा प्रसाद और आरएकेआईए के पूर्व सीईओ खातेर मसाद ने मिलकर यह पैसा गलत तरीके से इस्तेमाल किया। >14

'पद्मश्री से पहले पीएम मोदी को दंडवत प्रणाम'

सम्मान-संस्कार ने जीता देश का दिल, कौन हैं मार्शल आर्ट गुरु?

नई दिल्ली, 25 मई (एजेंसियां)। पुडुचेरी के प्रसिद्ध सिलंबम गुरु के. पजानिवेल को पारंपरिक खेल और मार्शल आर्ट (सिलंबम) में उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने पद्मश्री पुरस्कार से सम्मानित किया। अवार्ड लेने से पहले उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को दंडवत प्रणाम किया। उनका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल है। आइए जानते हैं कौन हैं के. पजानिवेल। 30 जनवरी 1973 को पुडुचेरी के पूरनंकुप्पम में जन्मे पजानिवेल ने मास्टर राजाराम के मार्गदर्शन में सिलंबम में अपना सफर शुरू किया। कई दशकों के अपने करियर में, उन्होंने भारत और विदेशों में इस प्राचीन तमिल मार्शल आर्ट के संरक्षण, प्रचार और लोकप्रियता में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

कौन हैं पजानिवेल?

पजानिवेल एक कुशल कलाकार और समर्पित शिक्षक हैं, जिन्होंने कई छात्रों को निशुल्क प्रशिक्षण दिया है, जिससे यह सुनिश्चित हो सके कि यह पारंपरिक कला आने वाली पीढ़ियों तक पहुंचती रहे। उन्होंने राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर प्रदर्शनों, प्रस्तुतियों और प्रतियोगिताओं के माध्यम से सिलंबम का प्रतिनिधित्व भी किया है।

पहले भी मिल चुके हैं कई बड़े अवॉर्ड

इससे पहले, के. पजानिवेल को 2023 में मार्शल आर्ट्स के लिए संगीत नाटक अकादमी पुरस्कार से सम्मानित किया गया था। उनके अन्य सम्मानों में 2012 में पुडुचेरी सरकार की ओर से दिया गया कलाइमामणि पुरस्कार, 2004 में नेहरू युवा केंद्र द्वारा दिया गया सर्वश्रेष्ठ युवा पुरस्कार और 2002 में दिया गया सिलंबम अंतर्राष्ट्रीय पुरस्कार शामिल हैं। पद्म श्री सम्मान मिलने पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए के. पजानिवेल ने आकाशवाणी को दिए इंटरव्यू में कहा कि वे इस सम्मान को चार दशकों से अधिक समय से तमिल विरासत को दुनिया के सामने लाने के लिए प्रोत्साहन मानते हैं।

किश्तों में बढ़ाते हैं ताकि चुपके-चुपके आपकी जेब कटती रहे : राहुल गांधी

नई दिल्ली, 25 मई (एजेंसियां)। देश में पेट्रोल-डीजल के दाम बढ़ने के बाद से अब इसपर सियासत भी तेज हो गई है। कांग्रेस सांसद और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने मोदी सरकार को जमकर सुनाया है।

राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को महंगाई मानव मोदी बताया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी चुनाव के समय वादा कुछ और करते हैं और चुनाव खत्म होते ही जनता की जेब काटने लगते हैं। राहुल गांधी ने कहा कि मैं कई महीने पहले इस आर्थिक तूफान को लेकर आगाह किया था लेकिन मोदी जी चुनाव में व्यस्त थे। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने अपने एक्स हैंडल पर पोस्ट करते हुए लिखा कि महंगाई मानव मोदी का फिर से हमला। पेट्रोल-डीजल के दाम किश्तों में बढ़ाते हैं- ताकि चुपके-चुपके आपकी जेब कटती रहे। मैं महीनों से आर्थिक तूफान आने की बात कह रहा था।

पर मोदी जी तब हमेशा की तरह चुनाव में व्यस्त थे- और चुनाव खत्म होते ही पेट्रोल-डीजल 8 महंगा कर दिया और, ये बढ़त होती ही जाएगी। महंगाई मानव मोदी का एक ही काम है- चुनाव में वादे, और बाकी समय जनता की जेब पर वार। पश्चिम एशिया संकट के बीच पिछले 11 दिनों में पेट्रोल और डीजल की कीमतों में चौथी बार बढ़ोतरी की गई है। आज 2.61 रुपये की बढ़ोतरी के साथ, दिल्ली में पेट्रोल की कीमत 102.12 रुपये प्रति लीटर से ऊपर पहुंच गई है। वहीं, डीजल की कीमतों में 2.71 रुपये की वृद्धि हुई।

भारत की अर्थव्यवस्था मजबूत, डर नहीं विश्वास जरूरी : वित्त मंत्री सीतारमण

नई दिल्ली, 25 मई (एजेंसियां)। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने सोमवार को कहा कि वैश्विक अस्थिरता के बीच भारत की अर्थव्यवस्था लगातार मजबूत बनी हुई है और कुछ लोग भारत में डर फैलाने की कोशिश कर रहे हैं और इससे जनता का विश्वास कम होता है। उन्हें ऐसा करने के बजाय लोगों में विश्वास पैदा करना चाहिए।

सिडबी के फाउंडेशन डे कार्यक्रम में लोगों को संबोधित करते हुए वित्त मंत्री सीतारमण ने भारत की आर्थिक प्रगति के बारे में "निराशावादी और संशयवादी दृष्टिकोण" फैलाने वालों पर निशाना साधते हुए कहा कि यह आम नागरिकों की उपलब्धियों और योगदानों को अनुचित रूप से नजरअंदाज करता है। उन्होंने आगे कहा कि सभी हाई-फ्रीक्वेंसी इंटीकेटर्स दिखाते हैं कि घरेलू मांग मजबूत बनी हुई है। सितंबर 2025 में दरों में कटौती

के बावजूद जीएसटी संग्रह मजबूत बना हुई है, जबकि खुदरा, कृषि और एमएसएमई क्षेत्रों में वाहन बिक्री और ऋण वृद्धि स्वस्थ बनी हुई है।

सीतारमण ने सीआईआई के आंकड़ों का हवाला देते हुए कहा कि सितंबर 2025 में निजी क्षेत्र के व्यय में सालाना आधार पर 67 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जबकि मार्च तिमाही में कंपनियों का लाभ मार्जिन अपने उच्चतम स्तर पर पहुंच गया। हालांकि, उन्होंने कहा कि मध्य पूर्व में जारी संघर्ष से ईंधन की ऊंची कीमतों, शिपिंग लागत में वृद्धि और निर्यात में व्यवधान के माध्यम से भारत की अर्थव्यवस्था पर दबाव पड़ सकता है, हालांकि, उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि भारत की व्यापक आर्थिक बुनियाद मजबूत बनी हुई है। सीतारमण ने कहा कि भू-राजनीतिक तनाव व्यवसायों के कार्यशील पूंजी चक्र को प्रभावित कर सकता है और निर्यात ऑर्डर को लेकर अनिश्चितता पैदा कर सकता है। उन्होंने स्मॉल इंडस्ट्रीज डेवलपमेंट बैंक (सिडबी) और क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों के बीच एक को-लेंडिंग प्लेटफॉर्म सहित कई एमएसएमई-केंद्रित उपायों की घोषणा की, जिसका उद्देश्य ऋण पहुंच का विस्तार करना है। उन्होंने बताया कि सरकार ने सीजीटीएमएसई योजना के तहत एक विशेष माइक्रो क्रेडिट कार्ड शुरू किया है, जिससे उद्यम पोर्टल में पंजीकृत एमएसएमई 5 लाख रुपये तक के बिना गारंटी वाले ऋण प्राप्त कर सकते हैं।

कोलकाता में अभिषेक बनर्जी के घर पहुंची पुलिस

नगरपालिका के अवैध निर्माण नोटिस के बाद कार्रवाई; अभिषेक ने 14 दिन का समय मांगा

कोलकाता, 25 मई (एजेंसियां)। अवैध निर्माण मामले में सोमवार को कोलकाता पुलिस की एक विशेष टीम टीएमसी महासचिव अभिषेक बनर्जी के हरीश मुखर्जी रोड पर मौजूद घर 'शांतिनिकेतन' पहुंची।

कोलकाता नगर निगम (केएमसी) के नोटिस के बाद पुलिस ने यह कार्रवाई की। सूत्रों के मुताबिक, अवैध हिस्से को गिराने का आदेश भी जारी किया गया है। नोटिस के मद्देनजर कोलकाता पुलिस ने वहां जाकर स्थिति का जायजा लिया। कोलकाता नगरपालिका के नोटिस के जवाब में अभिषेक बनर्जी ने रविवार को नगरपालिका अधिकारियों को लेटर लिखकर 14 दिन का समय मांगा था। हालांकि, प्रशासन ने अभी तक कोई वजह नहीं बताई है। पूरे मामले पर कोलकाता के मेयर और टीएमसी विधायक फिरहाद हकीम ने कहा कि उन्हें नोटिस के बारे में कोई जानकारी नहीं है। कोलकाता नगर निगम (केएमसी) के मुताबिक, अभिषेक बनर्जी, उनकी कंपनी और परिवार से जुड़ी 17 संपत्तियां जांच के दायरे में हैं। केएमसी का आरोप है कि इन संपत्तियों के निर्माण में नियमों का उल्लंघन हुआ है। केएमसी एक्ट, 1980 की धारा 400(1) के तहत सभी 17 पतों पर नोटिस चिपका दिए गए हैं। केएमसी के असेसमेंट विभाग ने शुरुआत में बनर्जी से जुड़ी ऐसी 42 संपत्तियों की सूची तैयार की थी, जिसे बाद में छांटकर 17 कर दिया गया है। 4 मई को बंगाल चुनाव के नतीजों के दो दिन बाद सरकार ने अभिषेक बनर्जी की सुरक्षा में कटौती की थी। हरीश मुखर्जी रोड के आवास के बाहर से पुलिस फोर्स को कम कर दिया। साथ ही, बाहर लगी बैरिकेडिंग और सुरक्षा जांच वाली मशीनों को भी हटा दिया गया।

'बेहतरीन समझौता या फिर दूसरा तरीका'

> ईरान से बातचीत को लेकर डोनाल्ड ट्रंप की दो टूक

नई दिल्ली, 25 मई (एजेंसियां)। पश्चिम एशिया संकट और ईरान से बातचीत को लेकर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि ईरान के साथ समझौता या तो एक बेहतरीन समझौते जैसा सार्थक होगा, या फिर किसी भी तरह का कोई समझौता नहीं होगा। बता दें कि ईरान और संयुक्त राज्य अमेरिका ने सोमवार को अपने तीन साल पुराने युद्ध को समाप्त करने के प्रयासों में तत्काल सफलता की उम्मीदों को कम करके आंका है। इसमें शीर्ष अमेरिकी राजनयिक ने कहा है कि वाशिंगटन या तो एक अच्छा समझौता करेगा या देश के साथ 'किसी अन्य तरीके से निपटेगा।

विपक्षी सांसदों को दिया मैसेज

दरअसल, ट्रूथ सोशल पर एक पोस्ट में अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने एक बार फिर उन अमेरिकी सांसदों पर निशाना साधा है, जिन्होंने उन रिपोर्टों पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की थी जिनमें कहा गया था कि ईरान के साथ प्रस्तावित समझौते में वाशिंगटन की ओर से बड़ी रियायतें शामिल हैं।

'अमेरिका बार-बार बदल रहा अपना रुख', ईरान ने समझौते में देरी होने पर की आलोचना

विपक्षियों पर बरसते हुए ट्रंप ने आक्रामकता के साथ कहा, मैं उन सभी डेमोक्रेट्स, आरआईएनओ और मूर्खों पर हंसता हूं जिन्हें ईरान के साथ मेरे संभावित समझौते के बारे में कुछ भी पता नहीं है, ऐसी चीजें जिन पर अभी तक बातचीत भी नहीं हुई है।' डोनाल्ड ट्रंप ने कहा, ईरान के साथ समझौता या तो बहुत अच्छा और सार्थक होगा, या फिर कोई समझौता नहीं होगा। यह ओबामा प्रशासन की विफलताओं के कारण हुए जेसीपीओए की आपदा के बिल्कुल विपरीत होगा, जो ईरान के लिए परमाणु हथियार बनाने का सीधा और खुला रास्ता था।' ट्रंप ने पूर्व राष्ट्रपति ओबामा पर निशाना साधते 2015 के उस समझौते का जिक्र किया जिसे संयुक्त व्यापक कार्य योजना के रूप में जाना जाता है, जिसके तहत ईरान के परमाणु संवर्धन को सीमित करने के बदले प्रतिबंधों में राहत दी गई थी।

ईरान का दावा : अमेरिका के साथ कई मुद्दों पर बनी सहमति, समझौते की जल्दबाजी नहीं

तेहरान, 25 मई (एजेंसियां)। ईरान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बाघेई ने सोमवार को कहा कि अमेरिका के साथ बातचीत के तहत ज्यादातर मुद्दों पर नतीजा निकल चुका है। हालांकि, किसी भी समझौते को फाइनल करने के लिए कोई खास टाइमफ्रेम तय नहीं किया गया है। ईरान की अर्ध-सरकारी तस्नीम न्यूज एजेंसी ने बताया कि सोमवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में बाघेई ने कहा कि कोई भी यह दावा नहीं कर सकता कि समझौते पर हस्ताक्षर होने वाला है। उन्होंने यह भी कहा कि अमेरिका में राजनीतिक व्यवहार कुछ हद तक एक जैसा नहीं था। बाघेई ने कहा कि कुछ ही घंटों में अमेरिका का बदला रवैया किसी भी बातचीत की प्रक्रिया को मुश्किल बना देता है। वाशिंगटन में फैसले लेने की प्रक्रिया अव्यवस्थित है। उन्होंने कई इस्तीफों, कांग्रेस के विरोध, पब्लिक ओपिनियन और अमेरिका में अंदरूनी उलझनों के बारे में बात की।

एआईएडीएमके के तीन विधायकों ने दिया इस्तीफा

सीएम विजय की पार्टी टीवीके में हो सकते हैं शामिल

नई दिल्ली, 25 मई (एजेंसियां)। तमिलनाडु की राजनीति में सोमवार को हुए एक अहम घटनाक्रम में ऑल इंडिया अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कषगम (एआईएडीएमके) के तीन विधायकों एम. कुमारवेल, सत्यबामा, जयकुमार ने विधानसभा से इस्तीफा दे दिया। तीनों ने तमिलनाडु विधानसभा अध्यक्ष से मुलाकात कर उन्हें अपना इस्तीफा सौंपा। इन तीनों विधायकों के मुख्यमंत्री विजय की पार्टी टीवीके में शामिल होने की बात कही जा रही है। विधानसभा अध्यक्ष ने तीनों विधायकों का इस्तीफा स्वीकार कर लिया है।

तीन विधायकों के इस्तीफे के बाद तमिलनाडु की विधानसभा में एआईएडीएमके के विधायकों की संख्या घटकर 44 रह गई है। इन तीन सीटों के अलावा तिरुचिरापल्ली (पूर्वी) में भी अगले छह महीनों के भीतर उपचुनाव हो सकते हैं। विधानसभा चुनाव के नतीजों के बाद एआईएडीएमके में कलह सामने आई थी। एआईएडीएमके के महासचिव एडप्पाडी के. पलानीस्वामी ने पार्टी पर अपनी पकड़ बनाए रखने की कोशिश की है। पलानीस्वामी को पूर्व राज्य मंत्रियों सी.वे. षणमुगम और एस. पी. वेलुमणि के खुले विद्रोह का सामना करना पड़ रहा है। षणमुगम और वेलुमणि के नेतृत्व वाले गुट ने पार्टी के 23 विधायकों के साथ 13 मई को सदन में शक्ति परीक्षण के दौरान टीवीके सरकार के पक्ष में मतदान किया था। इन विधायकों ने पलानीस्वामी के तमिलगा वेत्री कषगम (टीवीके) के खिलाफ मतदान करने के निर्देश का उल्लंघन किया था। >14

त्विषा शर्मा मामला : एसजी बोले-ऐसी घटना से अच्छा, हो जाए तलाक

सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी-निष्पक्ष जांच जरूरी

नई दिल्ली, 25 मई (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने त्विषा शर्मा मामले का स्वतः संज्ञान लेते सोमवार को इस पर सुनवाई की। इस दौरान मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत ने कहा कि यह घटना दुर्भाग्यपूर्ण है और इसकी निष्पक्ष जांच जरूरी है। उन्होंने इस मामले को सनसनीखेज बनाने से बचने की भी सलाह दी। सुप्रीम कोर्ट ने त्विषा शर्मा की मौत को अप्राकृतिक मृत्यु माना है। सीजेआई सूर्यकांत ने सुनवाई के दौरान कहा कि इस मामले में दो या तीन पहलू थे।

पहला दूसरे पोस्टमार्टम से जुड़ा है, जो पूरा हो चुका है। उन्होंने मीडिया से अपील करते हुए कहा कि कुछ कार्रवाइयों से हमें पीड़ा हुई है। हम अपने मीडिया मित्रों से अनुरोध करेंगे कि वे पीड़ित परिवार या दूसरे परिवार के बयान न लें। मामले को कानून और प्रक्रिया के अनुसार आगे बढ़ने दें।

उम्मीद है, जांच में सच्चाई का पता लगाएंगे :सीजेआई

सीजेआई ने कहा कि सास पूर्व जिला न्यायाधीश हैं और यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि यह कहा जा रहा है कि न्यायपालिका निष्पक्ष सुनवाई नहीं होने दे रही है। उन्होंने कहा कि हमें पूरा विश्वास है कि पीड़ित और आरोपी जांच में सहयोग करेंगे। हमें अपनी सरकारी एजेंसियों और सीबीआई पर भी पूरा भरोसा है। जो भी जांच करेगा, वह निश्चित रूप से जांच को तार्किक निष्कर्ष तक पहुंचाएगा और सच्चाई का पता लगाएगा।

गवाहों और आरोपियों के मीडिया में बयान देने पर रोक

सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि पूर्व न्यायाधीश और मृतका की सास गिरिबाला सिंह एक चैनल से दूसरे चैनल पर जाकर त्विषा को बदनाम कर रही हैं। इससे जांच में बाधा हो रही है। सुप्रीम कोर्ट ने आदेश देते हुए संभावित गवाहों और आरोपियों के मीडिया को बयान देने पर रोक लगा दी है। सुप्रीम कोर्ट ने सॉलिसिटर जनरल के इस आश्वासन पर ध्यान दिया है कि सीबीआई जांच के संबंध में जल्द ही फैसला लिया जाएगा। सुनवाई के दौरान सॉलिसिटर जनरल ने कहा कि ऐसी दुर्भाग्यपूर्ण घटना का सामना करने से बेहतर है कि बेटी का तलाक हो जाए।

घटना की हो निष्पक्ष जांच : सुप्रीम कोर्ट

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि हम यह सुनिश्चित करेंगे कि घटना की निष्पक्ष जांच हो। सुप्रीम कोर्ट ने मीडिया से अनुरोध किया है कि वह पीड़िता के परिवार के बयान रिकॉर्ड न करे और उनके दर्द को सनसनीखेज बयानों तक सीमित न करे। सुप्रीम कोर्ट ने त्विषा शर्मा के शव का तुरंत दूसरा पोस्टमार्टम कराने के लिए मध्य प्रदेश हाई कोर्ट की सराहना की। आरोपी के वकील ने सुप्रीम कोर्ट को आश्वासन दिया है कि पूर्व न्यायाधीश और त्विषा की सास गिरिबाला सिंह जांच के संबंध में मीडिया से कोई बयान नहीं देंगी।

दिलजीत दोसांझ के घर को उड़ाने की धमकी

> अधिकारियों को आया ईमेल, मेयर दफ्तर में बम ब्लास्ट की धमकी-सर्च शुरू

लुधियाना, 25 मई (एजेंसियां)। विदेशों में बैठे अलगाववादी संगठनों की ओर से पंजाब का माहौल खराब करने की कोशिशों के बीच सोमवार को लुधियाना में धमकी भरे ईमेल ने प्रशासन और सुरक्षा एजेंसियों की चिंता बढ़ा दी। नगर निगम के वरिष्ठ अधिकारियों को भेजे गए एक ईमेल में मेयर हाउस, कार्यालय और पंजाबी गायक दिलजीत दोसांझ के लुधियाना स्थित घर को बम से उड़ाने की धमकी दी गई। सूचना मिलते ही पुलिस, सुरक्षा एजेंसियां और साइबर सेल तुरंत सक्रिय हो गईं और पूरे शहर में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई।

जानकारी के अनुसार सोमवार सुबह नगर निगम कमिश्नर समेत अन्य सरकारी ईमेल आईडी पर यह संदेश प्राप्त हुआ। ईमेल का विषय ₹बंब ब्लास्ट मेयर ऑफिस लुधियाना₹ लिखा गया था। इसमें कथित तौर पर धमाके का समय भी निर्धारित किया गया था। संदेश में दोपहर 1:11 बजे लुधियाना मेयर पर हमला करने और रात 9:11 बजे पंजाबी गायक दिलजीत दोसांझ के घर पर विस्फोट करने की चेतावनी दी गई।

84 दंगों का भी जिक्र

ईमेल में धमकी देने वालों ने यह भी लिखा कि जो व्यक्ति दिलजीत दोसांझ की सहायता करेगा, उसे भी निशाना बनाया जाएगा। इसके साथ ही संदेश में वर्ष 1984 के सिख दंगों का जिक्र करते हुए भड़काऊ और हिंसक भाषा का इस्तेमाल किया गया। संदेश में दावा किया गया कि 6 जून तक सिलसिलेवार बम धमाकों के जरिए कई जगहों को निशाना बनाया जाएगा। ईमेल के अंत में इसे कथित तौर पर एक अलगाववादी संगठन के नाम से जोड़ा गया है। हालांकि सुरक्षा एजेंसियां अभी इसकी सत्यता की जांच कर रही हैं और किसी निष्कर्ष पर पहुंचने से बच रही हैं। धमकी मिलने के बाद पुलिस ने एहतियातन नगर निगम दफ्तरों को खाली कराया और पूरे परिसर में सर्च अभियान चलाया। जांच के दौरान बम निरोधक दस्ते और सुरक्षा कर्मियों ने कार्यालय परिसर और आसपास के क्षेत्रों की तलाशी ली। प्रारंभिक जांच में कोई संदिग्ध वस्तु बरामद नहीं हुई, जिसके बाद कर्मचारियों को दोबारा कार्यालय के अंदर जाने की अनुमति दी गई। वहीं मेयर कार्यालय सहित अन्य संवेदनशील स्थानों की सुरक्षा बढ़ा दी गई है। साइबर सेल ईमेल भेजने वाले की पहचान और आईपी एड्रेस ट्रेस करने में जुटी हुई है।

आवारा कुत्तों का मामला : पंजाब सीएम के बयान पर याचिका

> सुप्रीम कोर्ट का सुनवाई से साफ इनकार

नई दिल्ली, 25 मई (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को उस याचिका पर सुनवाई करने से साफ इनकार कर दिया, जिसमें आरोप लगाया गया था कि पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने बयान दिया है कि शीर्ष अदालत ने आवारा कुत्तों को मारने की खुली छूट दे दी है।

मामले का उल्लेख करने वाले वकील से जस्टिस विक्रम नाथ और जस्टिस संदीप मेहता की पीठ ने बेहद कड़े शब्दों में कहा,'सिर्फ इसलिए कि किसी मुख्यमंत्री ने कोई बयान दिया है, क्या इसका मतलब यह है कि हमें अपना आदेश बदलना होगा?' वकील ने अदालत को बताया कि 19 मई को आए सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद पंजाब के मुख्यमंत्री ने कथित तौर पर एक एक्स पोस्ट किया था। इस पोस्ट में कहा गया था कि सुप्रीम कोर्ट ने आवारा कुत्तों को मारने की खुली छूट दे दी है। इस दलील पर पीठ ने कड़ी टिप्पणी करते हुए कहा, 'आप पंजाब हाई कोर्ट जाइए।' इसके साथ ही पीठ ने स्पष्ट किया, 'हम आपकी इस बात पर विचार नहीं कर रहे हैं।' हालांकि, वकील का यह दावा जारी रहा कि शीर्ष अदालत के फैसले के बाद आवारा कुत्तों को मारा जा रहा है।

मानवीय गरिमा और सुरक्षा

सर्वोपरि-सुप्रीम कोर्ट

सुप्रीम कोर्ट ने 19 मई को दिए अपने एक बेहद महत्वपूर्ण फैसले में इंसानी जिंदगी के खतरे को कम करने के लिए रैबीज से पीड़ित, लाइलाज, खतरनाक और आक्रामक कुत्तों को इच्छामृत्यु देने की अनुमति दी थी। कोर्ट ने कहा था कि सम्मान के साथ जीने के अधिकार में बिना किसी डर के स्वतंत्र रूप से घूमने का अधिकार भी शामिल है। अपने इस ऐतिहासिक आदेश में सर्वोच्च अदालत ने साफ किया था कि जब इंसानों की सुरक्षा और जिंदगी की तुलना जानवरों के कल्याण से होगी, तो संवैधानिक संतुलन निश्चित तौर पर मानव जीवन की सुरक्षा के पक्ष में झुकेगा।

बच्ची की हत्या का मामला : पुलिस की संवेदनहीनता से लोगों में नाराजगी, ठहाके लगाते दिखे पुलिस अधिकारी

कोयंबटूर, 25 मई (एजेंसियां)। तमिलनाडु के कोयंबटूर में 10 साल की बच्ची का शव मिलने के बाद से तनाव का माहौल है। इस मामले में पुलिस ने दो लोगों को गिरफ्तार किया है।

जांच में पता चला है कि आरोपियों ने बच्ची का अपहरण कर उसके साथ दुष्कर्म किया और फिर बच्ची की हत्या कर दी। जहां इस मामले को लेकर पहले ही स्थानीय लोगों में गुस्सा है, वहीं पुलिस की संवेदनहीनता ने इस गुस्से को और बढ़ा दिया है। दरअसल इस मामले को लेकर पुलिस ने प्रेस कॉन्फ्रेंस की। इस प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान पुलिस अधिकारी ठहाके लगाते नजर आए।

वीडियो में क्या आया सामने?

तमिलनाडु पुलिस के कुछ वरिष्ठ अधिकारियों का एक कथित वीडियो और तस्वीरें सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही हैं, जिनमें वे मुस्कुराते और हंसते नजर आ रहे हैं। यह मामला ऐसे वक्त सामने आया है जब एक बच्ची की निर्मम हत्या को लेकर देशभर में गुस्सा और दुख का माहौल है। वायरल तस्वीरों और वीडियो को लेकर सोशल मीडिया पर लोगों ने तीखी प्रतिक्रिया दी है।

लोगों ने की आलोचना

कई यूजर्स ने सवाल उठाया कि इतने संवेदनशील और गंभीर मामले के दौरान अधिकारियों का यह रवैया आखिर कैसे हो सकता है। एक यूजर ने लिखा कि आईपीएस अधिकारी बेहद शिक्षित और जिम्मेदार पदों पर होते हैं, ऐसे में उनसे संवेदनशील व्यवहार की उम्मीद की जाती है। वहीं दूसरे यूजर ने इसे शर्मनाक बताते हुए कहा कि अधिकारियों के चेहरे के हावभाव से ऐसा लग रहा है मानो यह उनके लिए सिर्फ एक सामान्य केस हो। कुछ लोगों ने नाराजगी जताते हुए कहा कि इस तरह का व्यवहार पीड़ित परिवार की भावनाओं को आहत करता है।

17 वर्षीय किशोर की हत्या का मामला आया सामने

इस बीच तमिलनाडु के मदुरै में सोमवार को प्रसिद्ध श्री मीनाक्षी अम्मन मंदिर के कार पार्किंग क्षेत्र में 17 वर्षीय किशोर की कथित तौर पर पांच लोगों के एक समूह ने हत्या कर दी। पुलिस के अनुसार हमलावरों ने धारदार हथियारों से उस समय हमला किया, जब किशोर पार्किंग इलाके में अकेला था। हमले में उसकी मौके पर ही मौत हो गई।

पुलिस का कहना है कि शुरुआती जांच में हत्या के पीछे पुरानी दुश्मनी की आशंका जताई जा रही है। घटना के बाद शहर में सनसनी फैल गई। तमिलनाडु की विलक्कुथून थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर कुछ ही घंटों में सभी पांच आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार किए गए आरोपियों में दो नाबालिग भी शामिल हैं। पुलिस मामले की आगे जांच कर रही है।

सीबीआई ने आरोपी मनीषा को राउज एवेन्यू कोर्ट में किया पेश छह दिन की हिरासत में भेजा गया

नई दिल्ली, 25 मई (एजेंसियां)। नीट-यूजी 2026 पेपर लीक मामले में सेंट्रल ब्यूरो ऑफ इन्वेस्टिगेशन (सीबीआई) ने सोमवार को आरोपी मनीषा संजय हवलदार को दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट में पेश किया और आगे की जांच के लिए छह दिन की हिरासत मांगी। कोर्ट ने मनीषा को 6 दिनों की सीबीआई हिरासत में भेज दिया है।

सीबीआई ने मनीषा को पुणे से 24 मई को गिरफ्तार किया था। सीबीआई ने कहा कि वह एनटीए द्वारा पैनल में शामिल एक फिजिक्स ट्रांसलेटर है। उसके वकील ने रिमांड अर्जी का विरोध किया। जानकारी के मुताबिक, नीट पेपर लीक मामले में पुणे से गिरफ्तार मनीषा संजय हवलदार को सीबीआई ने राउज एवेन्यू कोर्ट में पेश किया। जहां एजेंसी ने आरोप लगाया कि वह भौतिकी का पेपर तैयार करने और लीक हुए पेपर को प्रसारित करने में शामिल थी।

असम विधानसभा में समान नागरिक संहिता विधेयक पेश

> सीएम सरमा बोले-जरूरत पर होगी ऑन-रिकॉर्ड चर्चा

गुवाहाटी, 25 मई (एजेंसियां)। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने सोमवार को कहा कि राज्य विधानसभा में समान नागरिक संहिता (यूसीसी) पर विधेयक पेश करने से ऐसे कानून की आवश्यकता पर ऑन-रिकॉर्ड चर्चा का मार्ग प्रशस्त होगा।

उन्होंने यह भी कहा कि यह देश के संस्थापकों द्वारा दिखाए गए रास्ते को साकार करने में मदद करेगा।

मुख्यमंत्री सरमा ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, असम विधानसभा में समान नागरिक संहिता 2026 विधेयक को पेश किया गया। यूसीसी की असम को आज आवश्यकता क्यों है और यह हमारे देश के संस्थापकों द्वारा परिकल्पित मार्ग को साकार करने में कैसे मदद करेगा, इस पर ऑन-रिकॉर्ड चर्चा का मार्ग प्रशस्त करता है।

राज्य की अनुसूचित जनजातियों को विधेयक में मिली छूट

असम विधानसभा के कार्य मंत्री अतुल बोरा ने मुख्यमंत्री की ओर से विधानसभा में राज्य के लिए समान नागरिक संहिता, 2026 बिल पेश किया।

16वीं असम विधानसभा के पहले सत्र का सोमवार को तीसरा दिन था। विधेयक में बहुविवाह पर प्रतिबंध लगाने और लिव-इन रिलेशनशिप के पंजीकरण को अनिवार्य बनाने का प्रस्ताव है। हालांकि, ये प्रावधान में असम में रहने वाली किसी भी अनुसूचित जनजाति पर लागू नहीं होंगे। कांग्रेस, राइजर दल और तृणमूल कांग्रेस सहित विपक्षी दलों ने इस कदम का विरोध किया। विपक्ष ने विधेयक पेश करने से पहले सभी हितधारकों के साथ व्यापक परामर्श की मांग की। माना जा रहा है कि इस विधेयक पर 27 मई को विधानसभा में चर्चा होगी और इसे पारित कराया जाएगा।

सीएम सरमा ने बताया क्यों लाए यूसीसी?

यह विधेयक असम की सामाजिक संरचना और विशिष्ट जनसांख्यिकीय विविधता को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है। मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने बताया कि इस विधेयक का मुख्य उद्देश्य विवाह की न्यूनतम आयु, बहुविवाह पर प्रतिबंध, माता-पिता की संपत्ति में बेटियों के समान अधिकार और लिव-इन संबंधों से संबंधित मामलों को सम्मिलित करना है। यह विधेयक पारित होने पर असम देश का तीसरा राज्य बन जाएगा, जिसने समान नागरिक संहिता विधेयक पारित किया है। इससे पहले उत्तराखंड ने 2024 में और गुजरात ने इसी वर्ष मार्च में इस कानून को अपनाया था।

साइबर ठगों का जाल तीन माह में 5400 से ज्यादा शिकायतें

शिमला, 25 मई (एजेंसियां)। हिमाचल प्रदेश में डिजिटल सेवाओं और ऑनलाइन बैंकिंग के बढ़ते इस्तेमाल के साथ साइबर अपराधों का दायरा भी तेजी से बढ़ रहा है। क्रिमिनल इंटेलिजेंस गैजेट (सीआईजी) और साइबर क्राइम विभाग के आंकड़ों ने प्रदेश में सक्रिय ऑनलाइन ठगी नेटवर्क की गंभीर तस्वीर सामने रखी है। पुलिस के साइबर क्राइम सेल और राष्ट्रीय हेल्पलाइन नंबर 1930 पर अब प्रतिदिन औसतन 200 से 250 शिकायतें दर्ज हो रही हैं, जबकि पहले यह संख्या 80 से 100 कॉल प्रतिदिन तक सीमित थी। इस साल के शुरुआती तीन महीनों में ही प्रदेशभर में 5,400 से अधिक शिकायतें दर्ज होना साइबर अपराधों के तेजी से बढ़ते खतरे को दर्शाता है।

17 वर्षीय लड़के की हत्या पर भाजपा का टीवीके पर हमला, कानून व्यवस्था पर सवाल

मदुरई, 25 मई (एजेंसियां)। तमिलनाडु भाजपा ने आज मदुरई में मीनाक्षी अम्मन मंदिर के पास एक 17 वर्षीय लड़के की हत्या के बाद राज्य सरकार पर तीखा हमला किया। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष नैनार नागेंद्रन ने कानून व्यवस्था की स्थिति बिगड़ने का आरोप लगाया। उन्होंने सरकार के अपराध से निपटने के तरीके पर सवाल उठाए। नागेंद्रन ने इस घटना को चौंकाने वाला बताया और इसमें शामिल सभी लोगों के लिए कड़ी सजा की मांग की।

भाजपा ने जोसफ विजय सरकार को घेरा

नागेंद्रन ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट लिखा। उन्होंने इस घटना का इस्तेमाल मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय और सत्तारूढ़ प्रशासन की सार्वजनिक सुरक्षा को लेकर आलोचना करने के लिए किया। नागेंद्रन ने कहा, क्या लोगों को हर दिन इस चिंता में जागना चाहिए कि कहां हत्या हुई है या कौन सी महिला यौन उत्पीड़न का शिकार हुई है? मुख्यमंत्री जोसेफ विजय को शासन की मूल बातें सीखने से पहले और कितनी जानें जानी चाहिए?

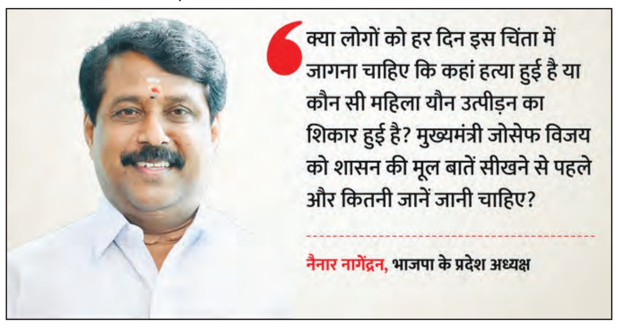

उन्होंने आरोप लगाया कि विजय ने चुनाव अभियान के दौरान पिछली सरकार की कानून-व्यवस्था के मुद्दों पर कड़ी आलोचना की थी। उन्हें पदभार संभालने के तुरंत बाद इस समस्या से निपटने को प्राथमिकता देनी चाहिए थी। यह घटना मीनाक्षी अम्मन मंदिर के पास मदुरई नगर निगम के गाड़ी पार्किंग क्षेत्र के पास हुई।

पुलिस ने बताया कि पीड़ित पार्किंग क्षत्र में सो रहा था। तभी पांच सदस्यीय गिरोह धारदार हथियारों के साथ परिसर में घुस आया। उन्होंने किशोर पर बार-बार हमला किया और फिर फरार हो गए। जांच के बाद पुलिस ने सभी पांच आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है।

मेकेदातु बांध विवाद पर सीएम विजय सख्त : अधिकारियों संग की समीक्षा बैठक; कानूनी कार्रवाई तेज करने के दिए निर्देश

चेन्नई 25 मई (एजेंसियां)। कावेरी नदी को लेकर लंबे समय से जारी विवाद एक बार फिर तेज हो गया है। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय ने सोमवार को कर्नाटक की प्रस्तावित मेकेदातु बांध परियोजना को लेकर उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक की। इस दौरान उन्होंने अधिकारियों को कानूनी प्रक्रिया में तेजी लाने के निर्देश दिए। सरकारी बयान के मुताबिक, यह बैठक उस समय आयोजित की गई जब कर्नाटक में मेकेदातु परियोजना के लिए भूमि पूजन किए जाने की खबर सामने आई। तमिलनाडु सरकार पहले से ही इस परियोजना का विरोध करती रही है और उसका कहना है कि इससे राज्य के किसानों और सिंचाई व्यवस्था पर गंभीर असर पड़ सकता है।

बैठक में कावेरी जल विवाद से जुड़े सभी कानूनी पहलुओं की विस्तार से समीक्षा की गई। अधिकारियों ने मुख्यमंत्री को सुप्रीम कोर्ट में चल रहे मामलों और हालिया फैसलों की जानकारी दी। बताया गया कि शीर्ष अदालत पहले तमिलनाडु की पुनर्विचार याचिका खारिज कर चुकी है, जिसमें यह कहा गया था कि इस मामले में तकनीकी और कानूनी निर्णय लेने का अधिकार केवल केंद्र सरकार के विशेषज्ञों के पास है। मुख्यमंत्री विजय ने अधिकारियों से कहा कि अदालत के हालिया फैसलों को ध्यान में रखते हुए तमिलनाडु के अधिकारों की रक्षा और किसानों के हितों को सुरक्षित रखने के लिए कानूनी कदमों को तेजी से आगे बढ़ाया जाए। दरअसल, कर्नाटक सरकार कावेरी नदी पर मेकेदातु में एक बैलेंसिंग रिजर्वायर बनाने की योजना पर काम कर रही है।

राज्य सरकार का दावा है कि इस परियोजना से बेंगलुरु समेत कई इलाकों की पेयजल जरूरतें पूरी होंगी और बिजली उत्पादन में भी मदद मिलेगी। हालांकि, निचले तटीय राज्य तमिलनाडु का कहना है कि यदि यह परियोजना लागू होती है तो राज्य को मिलने वाले पानी की मात्रा प्रभावित हो सकती है। इससे कृषि क्षेत्र और लाखों किसानों पर असर पड़ने की आशंका है। इस महत्वपूर्ण बैठक में राज्य के कई मंत्री और वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। बैठक में कानूनी रणनीति और आगे की कार्रवाई को लेकर विस्तृत चर्चा की गई।

सरकारी काम में बाधा पहुंचाने के मामले में अलका लांबा दोषी करार

नई दिल्ली, 25 मई (एजेंसियां)। दिल्ली की राऊज एवेन्यू कोर्ट से ऑल इंडिया महिला कांग्रेस की राष्ट्रीय अध्यक्ष अलका लांबा को बड़ा झटका लगा है। जंतर-मंतर पर महिला आरक्षण लागू करने की मांग को लेकर हुए प्रदर्शन से जुड़े मामले में कोर्ट ने अलका लांबा को दोषी ठहराया है।

अब 5 जून को अलका लांबा की सजा पर कोर्ट में बहस होगी। कांग्रेस नेता अलका लांबा पर सरकारी कर्मचारियों के साथ धक्का-मुक्की, काम में बाधा, कानूनी आदेश की अवहेलना और सार्वजनिक रास्ता रोकने का आरोप है। अलका लांबा पर बीएनएस की धारा 132, 221, 223 (ए) और 285 के तहत केस चल रहा था, जिसमें कोर्ट ने आज दोषी करार दिया। पिछली सुनवाई में कोर्ट ने कहा था कि अलका लांबा के खिलाफ प्रथम दृष्टया मामला बनता है।

'यह राजनीति नहीं, युवाओं की नाराजगी की आवाज'

कॉकरोच जनता पार्टी पर बीजेपी की सहयोगी टीडीपी ने क्यों कहा ऐसा?

अमरावती, 25 मई (एजेंसियां)। एनडीए सहयोगी टीडीपी ने सोमवार को 'कॉकरोच जनता पार्टी' (सीजेपी) विवाद को लेकर बड़ा बयान दिया। पार्टी के आंध्र प्रदेश अध्यक्ष पल्ला श्रीनिवास राव ने कहा कि सीजेपी को केवल राजनीतिक नजरिए से नहीं देखा जाना चाहिए, बल्कि इसे देश के युवाओं की निराशा और भावनाओं के रूप में समझने की जरूरत है।

टीडीपी नेता ने क्या कहा?

सोशल मीडिया पर कॉकरोच जनता पार्टी के अकाउंट पर प्रतिबंध लगाए जाने के कुछ दिनों बाद टीडीपी नेता ने कहा कि युवाओं की आकांक्षाओं, रोजगार, प्रतियोगी परीक्षाओं और आर्थिक दबावों को लेकर जो भावनाएं सामने आ रही हैं, लोकतांत्रिक सरकारों को उन्हें गंभीरता से सुनना चाहिए। उन्होंने कहा कि सरकार को सोशल मीडिया पर उभर रहे ऐसे रुझानों को देखकर नीतियों में जरूरी बदलाव और सुधार करने चाहिए।

पल्ला श्रीनिवास राव ने कहा कि सरकार का उद्देश्य ऐसा शासन देना होना चाहिए, जिससे युवाओं को यह महसूस न हो कि उनके साथ धोखा हुआ है, बल्कि उनकी उम्मीदें पूरी हो रही हैं। उन्होंने दावा किया कि प्रधानमंत्री मोदी और आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू लगातार युवाओं के भविष्य, रोजगार और आर्थिक विकास पर ध्यान दे रहे हैं।

सरकार को किन क्षेत्रों पर ध्यान देने की जरूरत?

उन्होंने कहा कि एनडीए सरकार रोजगार सृजन, डिजिटल इंडिया, स्टार्टअप, मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर, औद्योगिक विकास और विदेशी निवेश को बढ़ावा देने के लिए दीर्घकालिक योजनाओं पर काम कर रही है। हालांकि उन्होंने यह भी माना कि सोशल मीडिया अब अनियंत्रित मंच बनता जा रहा है और विदेशी प्रभाव की आशंका को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता, लेकिन हर आलोचना को राष्ट्रविरोधी गतिविधि नहीं माना जाना चाहिए।

टीडीपी नेता ने आरोप लगाया कि कुछ राजनीतिक दल युवाओं की चिंताओं का राजनीतिक फायदा उठाने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में आलोचना सुनना कमजोरी नहीं, बल्कि परिपक्व नेतृत्व की निशानी है। दरअसल, कॉकरोच जनता पार्टी नाम का व्यंग्यात्मक डिजिटल प्लेटफॉर्म हाल ही में सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हुआ था। इसका एक्स अकाउंट 21 मई को भारत में बंद कर दिया गया था।

इसके बाद 'कॉकरोच इज बैक' नाम से एक नया हैंडल सामने आया, जिसकी टैगलाइन थी- 'कॉकरोच मरते नहीं'। यह विवाद उस समय शुरू हुआ जब भारत के मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत की कथित टिप्पणी को लेकर सोशल मीडिया पर बहस छिड़ गई।

असतो मा सद्गमय। तमसो मा ज्योतिर्गमय।
मृत्योर्मा अमृतं गमय॥

श्री गौरीशंकरजी गुप्ता

(सुपुत्र : स्व. डॉ. एफ. हनुमानदासजी)

15-8-1959 : 25-5-2026

''आप भले ही आज हमारे बीच नहीं हैं, लेकिन आपका स्नेह, आशीर्वाद और यादें सदैव हमारे हृदय में जीवित रहेंगी। ईश्वर पुण्य आत्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान दें।''
भावपूर्ण श्रद्धांजलि। ॐ शांति।

– शोकाकुल –

सरिता गुप्ता (धर्मपत्नी)
कोमल अग्रवाल, मेघा सारड़ा (पुत्रियाँ)
अमित अग्रवाल, अमित सारड़ा (दामाद)
ओमप्रकाश गुप्ता, आनन्द गोयल, राधेश्याम गुप्ता, गोपाल गुप्ता (भाई)
वंश गुप्ता (पौत्र), आर्यवर्धन सारड़ा, सुहानी, समायरा, आर्नंदिता (दोयता, दोयतियाँ)

कल्लुमल फकीरचन्द हनुमानदास गौरीशंकर गुप्ता

'आराध्यम' 8-2-283/B/5, रोड नं. 3, बंजारा हिल्स, पुलिस स्टेशन के समीप, हैदराबाद - 500 034

जी एस ग्रुप

BHAVES

राशिद अल्वी का दावा- राहुल गांधी मेंबर इसलिए खात्मा

इमरान मसूद बोले- दिल्ली जिमखाना अमीरों का चोचला

सहारनपुर, 25 मई (एजेंसियां)। केंद्र सरकार की ओर से ऐतिहासिक दिल्ली जिमखाना क्लब की जमीन को खाली करने का आदेश दिया है। इस पर कांग्रेस नेता राशिद अल्वी और कांग्रेस सांसद इमरान मसूद के अलग-अलग बयान आए हैं। राशिद अल्वी ने कहा है कि केंद्र सरकार दिल्ली जिमखाना क्लब की जगह इसलिए खाली कराना चाहती है क्योंकि राहुल गांधी इस क्लब के सदस्य हैं। दूसरी तरफ इमरान मसूद ने कहा है कि ये सब तो बस एलीट क्लास के लोगों के 'चोचले' हैं। ऐसे में राहुल गांधी को लेकर कांग्रेस के नेताओं के बयानों ने पार्टी को ही असमंजस में डाल दिया है।

दिल्ली जिमखाना क्लब जल्द ही इतिहास बन सकता है। केंद्रीय आवास और शहरी मामलों के मंत्रालय ने इस खास संस्था को 5 जून तक लुटियंस दिल्ली में अपनी जगह खाली करने का आदेश दे दिया है। दिल्ली जिमखाना क्लब राजधानी में सफदरजंग रोड पर है। सरकार ने

इसकी जगह खाली कराने के लिए अत्यावश्यक सार्वजनिक उद्देश्य और राष्ट्रीय हित का हवाला दिया है। यह आदेश 22 मई को जारी किया गया था।

इसे खाली करने का आदेश जारी होने के बाद सहारनपुर लोकसभा क्षेत्र के कांग्रेस सांसद इमरान मसूद ने कहा, 'ये लोग तो एलीट क्लास के हैं। जिमखाना के साथ क्या हो रहा है? ये सब तो बस एलीट क्लास के लोगों के 'चोचले' हैं। इसके अंदर और क्या है?' इमरान मसूद ने दिल्ली जिमखाना क्लब को लेकर पूछे गए सवाल पर समाचार एजेंसी एएनआई से कहा कि, गरीब लोगों की बात करिए मुझसे, ये लोग एलीट क्लास के लोग हैं। क्या हो रहा है जिमखाना में? क्या है जिमखाना भाई? ये एलीट क्लास के चोचले हैं, इसके अलावा कुछ है इसके अंदर?

डीएमके के नेता उदयनिधि स्टालिन का बयान आया है कि, बीजेपी यदि देश में मजबूत हो रही है तो उसका कारण कांग्रेस पार्टी है। इस पर इमरान मसूद ने कहा कि राहुल जी के अलावा कोई विकल्प नजर नहीं आता। दूर-दूर तक राहुल गांधी के अलावा कोई नेता ऐसा नजर नहीं आता जो सीना ठोककर बिना डर के बोलने की हिम्मत रखता हो। ये सब बातें तो हवा में उड़ जाती हैं।

इससे पहले उत्तर प्रदेश के ही अमरोहा के पूर्व सांसद राशिद अल्वी ने दिल्ली जिमखाना क्लब की जमीन खाली कराए जाने के आदेश पर कहा था कि चूंकि राहुल गांधी दिल्ली जिमखाना क्लब के सदस्य हैं, तो यह वजह इस क्लब को खत्म करने के लिए काफी है।

कांग्रेस नेता राशिद अल्वी ने केंद्र सरकार के दिल्ली जिमखाना क्लब की जगह खाली करने के आदेश पर सवाल उठाए थे। उन्होंने आरोप लगाया था कि यह कदम इसलिए उठाया गया है क्योंकि राहुल गांधी इस क्लब के सदस्य हैं।

यूपी में पारा 46.8, चलती बाइक आग का गोला बनी

गर्मी इतनी कि महिला चलते-चलते बेहोश सड़कें पानी डालकर ठंडी की जा रहीं

लखनऊ/वाराणसी, 25 मई (एजेंसियां)। यूपी भीषण गर्मी और लू की चपेट में है। सोमवार को पूरे प्रदेश में तेज धूप निकली है। 53 जिले हीटवेव (लू) की चपेट में हैं। सड़कों पर सन्नाटा है। उमस से लोगों का हाल बेहाल है। जौनपुर में चलती बाइक में आग लग गई। बाइक चला रहे युवक ने कूदकर जान बचाई।

लखनऊ में चलते-चलते एक महिला बेहोश हो गई। अयोध्या और वाराणसी में सड़कों को ठंडा रखने के लिए पानी की बौछारें डाली जा रही हैं। काशी विश्वनाथ धाम में भक्तों के लिए मैट बिछाई गई है। बाबा का फलों के रस से अभिषेक किया जा रहा है। इस बीच आज पूर्वांचल के 14 जिलों में आंधी-बारिश और बिजली गिरने का अलर्ट है। 10 जिलों में लू का रेड अलर्ट है। यानी यहां झुलसाने वाली धूप के साथ बहुत गर्म हवाएं चल सकती हैं। आज से नौतपा भी शुरू हो गया है। इसका मतलब है कि अब 9 दिन और ज्यादा गर्मी रहेगी।

महात्मा गांधी का नाम लेने में लड़खड़ाए, चंपारण ने बनाया बापू

सम्राट चौधरी को तो आरजेडी ने ही घेर लिया

पटना, 25 मई (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी पर राजद ने सीधा हमला बोल दिया है। पटना में एक कार्यक्रम में सीएम सम्राट चौधरी के एक बयान का वीडियो सोशल मीडिया हैंडल एक्स पर पोस्ट कर राजद ने तीखे बोल बोले हैं। राजद ने कहा है कि एआई एक्सपर्ट मुख्यमंत्री आखिर कहना चाहते हैं।

पटना में एक कार्यक्रम के दौरान सीएम सम्राट चौधरी राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के बारे में कुछ कह रहे थे। दरअसल सीएम सम्राट बोलते हुए हल्का लड़खड़ा गए। उन्होंने कहा कि 'गांधी जी को भी अगर बापू बनने का मौका दिया तो वो इसी बिहार के चंपारण की धरती ने देने का काम किया।' इस बयान के एक हिस्से पर राजद ने मुद्दा बना दिया और मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी को घेर लिया।

राजद ने अपने ऑफिशियल एक्स हैंडल से यही वीडियो सोशल मीडिया साइट एक्स पर पोस्ट किया और लिखा 'मोहनचंद करमगान

गांधी? बापू बनने का मौका दिया या महात्मा बनने का मौका दिया? अरे एआई एक्सपर्ट मुख्यमंत्री आखिर कहना क्या चाहते हो?'

इस बयान में राष्ट्रपिता मोहनदास करमचंद गांधी का पूरा नाम ठीक से न ले पाने पर आरजेडी ने सीएम सम्राट चौधरी को घेरा है।

हालांकि इस पोस्ट पर नेटिजनस ने राजद के कार्यकारी अध्यक्ष तेजस्वी यादव पर भी तंज कसे हैं। एक यूजर सुदर्शन ने लिखा कि 'नौवीं फेल सातवीं फेल पर कटाक्ष करते हुए। अरे भाई तुम दोनों एक ही हो।' इसी दौरान मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने रविवार को बिहार चैंबर आफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के शताब्दी वर्ष में आयोजित 'व्यवसायिक समागम' कार्यक्रम में शामिल हुए। आयोजित कार्यक्रम का थीम 'व्यवसाय, राजनीति और विकास' रखा गया था।

सीएम सम्राट चौधरी ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि हमारे लिए यह गौरव का क्षण है कि बिहार चैंबर ऑफ कॉमर्स 100 वर्षों से लगातार बिहार की समृद्धि और बिहार को आगे बढ़ाने में अपना सहयोग कर रहा है। आप सभी अपने व्यवसाय के साथ-साथ समाज की उन्नति और कल्याण के लिए भी काम करते रहें, हम यही चाहते हैं।

बिहार उन्नति के पथ पर आगे बढ़े और सामाजिक संरचना में बेहतरी आए, इसके लिए आप सब मिलकर काम करें।

उन्होंने कहा कि वर्ष 1926 में बिहार चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज की स्थापना हुई थी, उस समय बिहार में लोकतंत्र स्थापित था और मतदान की प्रक्रिया शुरू हो रही थी, वह ऐतिहासिक क्षण रहा होगा।

बिहार में गर्मी से राहत के लिए यज्ञ

गया में 8वीं तक के स्कूल बंद बेगूसराय में बदली टाइमिंग रोहतास का पारा 44.8

पटना, 25 मई (एजेंसियां)। बिहार में भीषण गर्मी का सिलसिला जारी है। मौसम विभाग ने आज यानी सोमवार को राज्य के 8 जिलों में हीटवेव का अलर्ट जारी किया है। इन जिलों में तेज उमस और गर्मी से लोग बेहाल रहेंगे। साथ ही लू चलने की भी आशंका जताई है। इसके अलावा 13 जिलों में आंधी बारिश का ऑरेंज अलर्ट है। तेज गर्मी की वजह से गया में 8वीं तक के सभी स्कूल बंद कर दिए गए हैं। बेगूसराय में भी स्कूलों का समय बदला गया है। कक्षा 8 तक के सभी स्कूल अब साढ़े 10 बजे और 12वीं तक के कक्षाएं साढ़े 11 बजे के बाद संचालित नहीं होगी। वहीं गर्मी से राहत और बारिश के लिए वैशाली में यज्ञ किया जा रहा है। रोहतास का तापमान 44.8 डिग्री तक पहुंच गया है।

प्रतीक की तेरहवीं में पत्नी अपर्णा रो पड़ीं, पूड़ियां बांटीं

अखिलेश, डिंपल समेत पूरा यादव परिवार शामिल, योगी भी पहुंचे

लखनऊ, 25 मई (एजेंसियां)। सपा प्रमुख अखिलेश यादव के भाई प्रतीक की आज तेरहवीं है। कार्यक्रम में पत्नी अपर्णा यादव ने पूड़ियां बांटीं। इस दौरान जब लोगों ने 'प्रतीक भैया अमर रहें' के नारे लगाए, तो वह खुद को रोक नहीं पाईं। उनकी आंखों से आंसू छलक पड़े। उन्होंने हाथ जोड़कर लोगों का अभिवादन किया और घर के अंदर चली गईं।

सीएम योगी भी तेरहवीं में शामिल हुए। उन्होंने प्रतीक को श्रद्धांजलि दी और अपर्णा को सांत्वना दी। अखिलेश, शिवपाल यादव और डिंपल यादव समेत पूरा परिवार अपर्णा के घर पहुंचा। राज्यसभा सांसद सुधांशु त्रिवेदी ने भी पूड़ियां बांटीं। लोकगायिका मालिनी अवस्थी भी तेरहवीं में पहुंचीं।

लखनऊ में विक्रमादित्य मार्ग पर

स्थित अपर्णा के घर पर कार्यक्रम हो रहा है। इसमें रामधुन बज रही है। शहर के कई इलाकों में प्रतीक की तेरहवीं से जुड़े शोक संदेशों के होर्डिंग लगाए गए हैं।

13 मई की सुबह प्रतीक यादव का 38 साल की उम्र में हार्ट अटैक से निधन हो गया था। अगले दिन यानी 14 मई को लखनऊ के बैकुंठ धाम श्मशान घाट पर अंतिम संस्कार किया गया। मुखाग्नि ससुर अरविंद सिंह बिष्ट ने दी थी।

16 मई को हरिद्वार के वीवीआईपी घाट पर प्रतीक की अस्थियां विसर्जित की गईं। अपर्णा बेटियों के साथ चार्टर्ड प्लेन से उत्तराखंड गई थीं। शिवपाल के बेटे आदित्य यादव भी उनके साथ गए थे।

जिप लाइन झूलने से 45 फीट नीचे गिरा बच्चा, मौत

बड़ी लापरवाही, सेफ्टी बेल्ट खुली, पिता बोले- घुमाने लाया था, लाश कैसे ले जाऊं

आगरा, 25 मई (एजेंसियां)। आगरा में चूड़ी कारोबारी के 16 साल के बेटे की 45 फीट ऊंची जिप लाइन से गिरकर मौत हो गई। इसका वीडियो सामने आया है। इसमें दिख रहा कि नाबालिग जिप लाइन झूले से जैसे ही दूसरे छोर की तरफ बढ़ा, उसके सेफ्टी बेल्ट का हुक खुल गया और नीचे गिर गया। उसकी माता-पिता के सामने तड़प-तड़पकर मौत हो गई।

घटना शहर के ताजगंज में रविवार को हुई। कुनाल अग्रवाल माता-पिता के साथ फिरोजाबाद से आगरा घूमने आया था। हादसे के बाद पुलिस ने जिप लाइन का संचालन बंद करा दिया। जिप लाइन संचालक को हिरासत में ले लिया गया है।

डीसीपी सिटी सैयद अली अब्बास ने कहा- पिता की तहरीर पर ईओडी चौपाटी, सेफ्टी इंचार्ज जिप लाइन, ईओडी मालिक के खिलाफ ताजगंज थाने में एफआईआर दर्ज ली गई है। माता-पिता बेटे की लाश से लिपटकर रोते-रोते बेसुध हो गए।

पिता ने रोते हुए कहा- जिप लाइन संचालकों की लापरवाही की वजह से मेरा बेटा चला गया। मैं तो उसे घुमाने लाया था, अब उसकी लाश कैसे घर लेकर जाऊं।

फिरोजाबाद के चूड़ी कारोबारी पंकज अग्रवाल ने बताया- मेरे दो बेटे हैं। बड़ा बेटा कुनाल 11वीं में पढ़ता था। छोटा बेटा मयंक है। संडे होने के चलते फैमिली के साथ आगरा आए थे। सुबह पहले खाटू श्याम मंदिर गए। वहां से गोल्ड सिनेमा में फिल्म देखी। इसके बाद ताजगंज की चौपाटी पर शाम 5 बजे पहुंचे। कुनाल को एडवेंचर का शौक था। जिप लाइन को देखकर वह जिद करने लगा। कहने लगा कि उसे भी जिपिंग करनी है। मैंने हामी भर दी। हमने 400 रुपए की टिकट खरीदी। जब वह जिप लाइन पर जाने लगा तो छोटे भाई मयंक से बोला- तुम मेरा वीडियो बनाते रहना। मयंक ही कुनाल का वीडियो बना रहा था।

प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, कर्मचारियों ने बच्चे को जिप लाइन पर चढ़ाया और बेल्ट पहनाई। उसे दूसरे छोर की तरफ छोड़ा गया। इसी दौरान हादसा हो गया। बच्चा पहले लोहे की जाली से टकराया, फिर सीधे जमीन पर आ गिरा। माता-पिता ने दौड़कर बेटे को उठाया, लेकिन तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। इसके बाद वे बेटे की लाश के बगल में बैठकर रोते रहे। सूचना पर पहुंची पुलिस ने परिवार को समझाकर शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भिजवाया।

पिता ने बताया- कुनाल को जिप लाइन के लिए हेलमेट भी नहीं दिया गया था। अगर हेलमेट होता तो सिर जमीन से टकराने पर बचाव हो सकता था। उसकी जान बचाई जा सकती थी। पुलिस ने भी जांच में मानकों में कमी की बात स्वीकार की है।

हादसे के बाद चौपाटी में प्राथमिक इलाज की कोई व्यवस्था नहीं थी। न ही अस्पताल ले जाने के लिए कोई वाहन मौजूद था। इस कारण बेटे को समय पर इलाज नहीं मिल सका और मेरी आंखों के सामने उसकी मौत हो गई।

आगरा पुलिस कमिश्नर दीपक कुमार ने घटनास्थल का निरीक्षण किया। अधिकारियों को निष्पक्ष जांच और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए।

एडीसीपी हिमांशु गौरव ने बताया कि एडवेंचर गतिविधियों में सुरक्षा मानकों का पालन बेहद जरूरी है।

टीआरई-4 प्रदर्शन-16 दिन जेल में रहे छात्र नेता की आपबीती

दिलीप कुमार बोले- जेल में पुलिस ने लाठियों से पीटा, मौत का डर सताता था

पटना, 25 मई (एजेंसियां)। जिन पेपर लीक के आरोपियों को मैंने जेल भिजवाया था। उन्हीं के बीच मुझे बंद कर दिया गया। मुझे हर समय यही डर लगता था कि जिनको मेरी वजह से जेल हुई, वो लोग कहीं मेरे ऊपर ही हमला न करवा दें।

टीआरई-4 शिक्षक भर्ती परीक्षा की वैकेंसी की मांग को लेकर 8 मई को पटना में हुए बड़े आंदोलन के बाद पुलिस ने दिलीप कुमार समेत 3 अभ्यर्थियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था। आंदोलन में हजारों की संख्या में अभ्यर्थी सड़कों पर उतरे थे।

आंदोलन के बाद छात्र नेता दिलीप करीब 16 दिन तक जेल में रहे। जिसके बाद वह अब बाहर आ चुके हैं।

छात्र नेता दिलीप कुमार ने बताया, गिरफ्तारी के बाद सबसे पहले मुझे गांधी मैदान थाने के हाजत में रखा गया। उस रात किसी को नींद नहीं आई। लोहे की सलाखों के पीछे बैठकर बार-बार यही सवाल मन

में आ रहा था कि आखिर गलती क्या थी। शिक्षक भर्ती की मांग करना क्या इतना बड़ा अपराध था कि जेल भेज दिया गया।

उन्होंने कहा, '9 मई को जेल पहुंचने के बाद वहां का माहौल बिल्कुल अलग था। दिन में किसी तरह समय कट जाता था, लेकिन रात होते ही हमारे साथ जो कुछ अभ्यर्थी थे, किसी को अपने घर की याद आती थी, तो कोई मां को याद करके रोता था, कोई अपने छोटे भाई की चिंता करता था।

शुरुआती कुछ दिन सामान्य बीते। सभी अभ्यर्थी एक-दूसरे को हिम्मत देते थे। कोई कहता कि सरकार जल्द भर्ती निकालेगी। कोई उम्मीद देता कि आंदोलन रंग लाएगा, लेकिन 20 मई की सुबह सब कुछ बदल गया।

हमें बहुत पीटा गया। लाठियां हाथों पर पड़ीं, पीठ पर पड़ीं, कमर पर पड़ीं। दर्द से कई छात्र चीख पड़े, लेकिन वहां किसी की आवाज सुनने वाला कोई नहीं था। उस वक्त सिर्फ एक ही बात कही जा रही थी कि जेल के अंदर रहकर बाहर आंदोलन करवाया जा रहा है। उसी दिन पटना में टीआरई-4 अभ्यर्थियों ने फिर प्रदर्शन किया था'।

आगे छात्र नेता ने बताया, लाठीचार्ज के बाद मुझे और बाकी 3 अभ्यर्थियों को अलग-अलग सेल में बंद कर दिया गया। पहले अकेले रखा गया, फिर शाम होते-होते ऐसे बैरक में भेज दिया गया।

बाइक चोर गिरोह का पर्दाफाश

दो गिरफ्तार, पांच चोरी की मोटरसाइकिल बरामद, नेटवर्क खंगालने में जुटी पुलिस

जमशेदपुर, 25 मई (एजेंसियां)। जमशेदपुर में साकची पुलिस ने वाहन चोरी की घटनाओं पर बड़ी कार्रवाई करते हुए एक संगठित बाइक चोर गिरोह का भंडाफोड़ किया है। इस मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है, जिनके पास से चोरी की पांच मोटरसाइकिलें बरामद की गई हैं। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान चेपा पुल निवासी शमशाद आलम और अरुण मुखर्जी के रूप में हुई है। सिटी एसपी ललित मीणा ने सोमवार को मामले का खुलासा करते हुए बताया कि 20 मई को साकची थाना क्षेत्र से एक बाइक चोरी होने की शिकायत दर्ज की गई थी। पुलिस ने इसे गंभीरता से लेते हुए तकनीकी साक्ष्यों और गुप्त सूचना के आधार पर जांच शुरू की, जिसके बाद इस गिरोह तक पहुंचने में सफलता मिली।

प्रेमानंदजी की अपील- मैं रहूं न रहूं, हमेशा साथ रहूंगा

मेरी चिंता छोड़िए, श्रीजी का ध्यान लगाइए तबीयत बिगड़ने के बाद 9 दिन से पदयात्रा बंद

मथुरा, 25 मई (एजेंसियां)। बिल्कुल चिंता मत करो। हम मिलें न मिलें, बोलें न बोलें, हम आप सबको बहुत प्यार करते हैं। अंतिम बात यही कि चिंता नहीं करनी। न ये चिंता करनी है कि कैसे हमारा उत्थान होगा। बिना बोले तुम्हारे दिमाग में हम होंगे।'

ये भावुक अपील वृंदावन में संत प्रेमानंद महाराज ने वीडियो जारी कर अपने शिष्यों और भक्तों से की। 1 मिनट 19 सेकेंड का वीडियो रविवार को केली कुंज आश्रम ट्रस्ट के यूट्यूब चैनल पर अपलोड किया गया।

17 मई यानी 9 दिन से प्रेमानंद महाराज की रात्रि पदयात्रा बंद है। शिष्यों ने तब बताया था कि प्रेमानंद महाराज की तबीयत ठीक नहीं है। वह भक्तों से एकांतिक मुलाकात भी नहीं कर रहे हैं। प्रेमानंद महाराज की दोनों किडनी खराब हैं। उनकी हफ्ते में 2-3

बार डायलिसिस होती है।

प्रेमानंद महाराज ने आगे कहा- देख लेना तुम वही करोगे, जो गुरुदेव कहेंगे। आप बिल्कुल निश्चिंत रहिएगा। जो जहां जिस सेवा में आए, उस सेवा में रहिएगा।

खूब नाम जप करो। मंगल होगा। तुम्हारे गुरुदेव तुम्हारे दिमाग में बैठे रहेंगे। आप निर्भय, निश्चिंत, निशोक होकर भजन करो। हमारा जब मन होगा, तब हम बोल देंगे। प्रेमानंद जी ने कहा- हम एकांतवास कर रहे हैं। एकांतवास आपके लिए है, हमारे लिए नहीं। हमारे लिए हम भजन नहीं कर रहे। हमारे लिए हमारा मौन नहीं है। हम आपको सही बताएं तो हमारा जो कुछ होना था, वो हो गया। जो कुछ हो रहा है, वह सब आपके लिए हो रहा है। खूब भजन करो, नाम जप करो, आश्रित रहो और सुखी रहो, प्रसन्न रहो।

संत प्रेमानंद महाराज की रात में होने वाली पदयात्रा पिछले 9 दिन से स्थगित है। एकांतिक दर्शन और वार्तालाप भी नहीं हो रहा है। 17 मई की रात हजारों की संख्या में भक्त महाराज जी के दर्शन के लिए पहुंचे थे, लेकिन प्रेमानंदजी हर दिन की तरह तड़के 3 बजे पदयात्रा पर नहीं निकले।

400 बोतल अवैध शराब जब्त

वाहन जांच के दौरान ऑटो में मिली खेप पुलिस को देख भागने लगा चालक

धनबाद, 25 मई (एजेंसियां)। पुलिस ने अवैध शराब तस्करी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए 400 बोतल अंग्रेजी शराब जब्त की है। यह कार्रवाई पूर्वी टुंडी थाना क्षेत्र में चलाए जा रहे वाहन जांच अभियान के दौरान की गई। पुलिस को यह सफलता उस समय मिली जब बड़बाद जंगल मेन रोड पर एक संदिग्ध सवारी ऑटो को रोका गया। जांच के दौरान ऑटो से भारी मात्रा में शराब बरामद हुई, जिससे क्षेत्र में सक्रिय तस्करी नेटवर्क की पुष्टि हुई है।

पुलिस की इस कार्रवाई से अवैध शराब कारोबारियों में हड़कंप मच गया है। अधिकारियों का कहना है कि क्षेत्र में लगातार वाहन जांच अभियान चलाकर इस तरह की गतिविधियों पर रोक लगाने की कोशिश की जा रही है।

देर रात आगजनी, कई दुकानें हुई खाक

टायर दुकान में लगी आग, सिलेंडर विस्फोट से मची अफरा-तफरी, लाखों का नुकसान

पलामू, 25 मई (एजेंसियां)। पलामू के हैदरनगर रेलवे गुमटी के समीप सोमवार की रात करीब तीन बजे भीषण आग लगने से इलाके में हड़कंप मच गया। आग की शुरुआत एक टायर दुकान से हुई, जो देखते ही देखते आसपास की कई दुकानों में फैल गई।

स्थानीय लोगों के अनुसार, आग इतनी तेजी से फैली कि दुकान में रखे हवा भरने वाले टंकी और घरेलू गैस सिलेंडर में जोरदार विस्फोट हो गया। धमाके की आवाज सुनकर आसपास के घरों में सो रहे लोग घबराकर बाहर निकल आए।

रेलवे लाइन के किनारे अवैध रूप से बनी कई दुकानें आग की चपेट में आ गईं। सभी पूरी तरह जलकर राख हो गईं।

एमपी-एमएलए कोर्ट ने अनंत सिंह की गिरफ्तारी पर रोक लगाई

वकील बोले- हथियार लहराने वाला वीडियो एआई जनरेटेड, विधायक के हाथ में भी हथियार नहीं

गोपालगंज, 25 मई (एजेंसियां)। जदयू विधायक अनंत सिंह को कोर्ट से राहत मिली है। एमपी-एमएलए कोर्ट ने गोपालगंज से वायरल वीडियो मामले में गिरफ्तार पर रोक लगा दी है। अनंत सिंह के वकील ने बताया कि, एमपी-एमएलए कोर्ट ने गिरफ्तारी पर रोक लगा दी है। गोपालगंज पुलिस ने मीरगंज थाने में एफआईआर दर्ज की है।

इसमें कहा गया था कि कुछ लोग हथियार लहरा रहे थे। वो वीडियो एआई से बनाया लग रहा है। अनंत सिंह के हाथ में भी कोई हथियार नहीं दिख रहा है। कोर्ट ने इसी आधार पर जमानत दी है। मामले में अगली सुनवाई 30 मई को होगी।

इस मामले में कुल 9 आरोपी नामजद हैं, लेकिन अदालत ने सभी आरोपियों में से सिर्फ अनंत सिंह की गिरफ्तारी पर ही रोक

लगाई है। बाकी अन्य आरोपियों को ऐसी कोई राहत फिलहाल नहीं मिली है।

दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद एमपी-एमएलए कोर्ट के न्यायाधीश ने अपना निर्णय सुरक्षित रख लिया।

पूरा मामला मीरगंज के सेमराव गांव में गुड्डू राय के घर 2 और 3 अप्रैल को जनेऊ संस्कार के कार्यक्रम का है। जनेऊ में अनंत सिंह अपने सैकड़ों समर्थकों के साथ शामिल हुए थे। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में मेहमान शामिल हुए थे। उनके लिए ठहरने और खाने-पीने की खास व्यवस्था की गई थी। इस दौरान अवैध / प्रतिबंधित, लाइसेंसी हथियारों का प्रदर्शन / लहराया गया। साथ ही अश्लील डांस का प्रसारण किया गया। किसी ने वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर डाल दिया।

51 दिन बाद कब्र से निकाली लड़की की बॉडी

पड़ोसी पर रेप के बाद हत्या का आरोप, परिवार बोला- शादी के लिए दबाव बना रहा था

सीतामढ़ी, 25 मई (एजेंसियां)। सीतामढ़ी में 14 साल की बच्ची का शव कब्र से खोदकर निकाला गया है। बच्ची की मां ने पड़ोस के एक युवक पर रेप के बाद हत्या करने और साक्ष्य मिटाने के लिए शव को जल्दबाजी में दफनाने का आरोप लगाया है।

3 अप्रैल 2026 को बच्ची की हत्या हुई थी। इस मामले में 33 दिन पर थाने में केस दर्ज कराया गया था। 51 दिन बाद मजिस्ट्रेट की मौजूदगी में कब्रिस्तान से शव को बाहर निकाला गया। पुलिस ने बॉडी का पोस्टमॉर्टम करवा दिया है, फिलहाल रिपोर्ट आने का इंतजार कर रही है। मामला बेलसंड थाना क्षेत्र के एक गांव का है। परिजनों ने बताया कि 3 अप्रैल 2026 को बच्ची घर में अकेली थी। इसी बीच पड़ोस में रहने वाला एक युवक घर में घुस आया। उसने बच्ची के साथ रेप किया और फिर उसकी हत्या कर दी। आरोपी रिश्ते में भाई लगता है। वहीं घटना को आत्महत्या का रूप देने के लिए उसने शव को दुपट्टे के सहारे फंदे से लटका दिया। पीड़ित मां ने बताया कि घटना वाले दिन वो सुबह गेहूं की कटनी के लिए खेत गई हुई थी। जब वह वापस लौटी तो उसकी बेटी चौकी पर घुटने के बल बैठी हुई थी। उसके गले में दुपट्टे का फंदा लगा था, जिसका दूसरा सिरा छप्पर के बांस से बंधा हुआ था।

मां का आरोप है कि बेटी का शव देखकर जब मैंने शोर मचाया तो गांव के कुछ लोगों ने डराया-धमकाया और चुप रहने को कहा। पिता मुंबई में काम करते हैं। घटना के अगले दिन 4 अप्रैल को पिता के पहुंचने से पहले ही आरोपियों ने मां की मर्जी के खिलाफ शव को कब्रिस्तान में दफना दिया। पीड़िता की मां ने गांव के 6 लोगों के खिलाफ रेप-हत्या के आरोप में एफआईआर दर्ज करवाया है। जिसमें उसने मो० रियाज, गुलाब दर्जी, अली दर्जी, फिरोज दर्जी, मायरा खातून और उषा दर्जी को आरोपी बनाया है। मृतका की चाची ने बताया कि गांव के युवक मो. रियाज ने उनकी भतीजी को कई बार प्रपोज किया था और लगातार बात करने का दबाव बना रहा था। वह निकाह भी करना चाहता था। किशोरी के बातचीत से इनकार करने पर आरोपी ने इस वारदात को अंजाम दिया।

परिजनों का आरोप है कि हत्या के बाद आनन-फानन में शव को 4 अप्रैल को दफना दिया गया ताकि मामले के साक्ष्य मिटाए जा सकें। घटना की सूचना मिलने पर पिता 5 अप्रैल को गांव पहुंचे। उन्हें बेटी की मौत पर शुरू से ही शक था। बच्ची आठवीं कक्षा की छात्रा थी। परिवार ने पूरे मामले की निष्पक्ष जांच की मांग की।

किशोरी की मां की ओर से आरोप लगाए जाने के बाद प्रशासन हरकत में आया और 7 मई को मामला 122/26 दर्ज किया गया।

सुविचार: कम खाइए, गम खाइए और नम जाइए। नगीने आखिर उसी सोने में ही लगा करते हैं जो नम्र होता होता है।

फसल खरीद को लेकर केंद्र पर बरसे मुख्यमंत्री

वाम दलों से आंदोलन में शामिल होने की अपील

हैदराबाद, 25 मई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने केंद्र सरकार पर किसानों की फसलों की खरीद को लेकर तीखा हमला बोला है। उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार केवल फसलों के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) घोषित कर रही है, लेकिन धान, मक्का समेत अन्य फसलों की खरीद में कोई ठोस कदम नहीं उठा रही है। सोमवार को सचिवालय में सीपीएम प्रतिनिधिमंडल के साथ हुई बैठक में मुख्यमंत्री ने खाद्यान्न खरीद, मूसी नदी पुनर्जीवन परियोजना और गरीब वर्गों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराने के लिए शिक्षा व्यवस्था में किए जा रहे सुधारों पर विस्तार से चर्चा की।

मुख्यमंत्री ने वामपंथी नेताओं से केंद्र सरकार के खिलाफ फसल खरीद को लेकर संघर्ष में शामिल होने की अपील करते हुए कहा कि केंद्र सरकार किसानों की उपज का 30 प्रतिशत भी नहीं खरीद रही है, जबकि राज्य सरकार किसानों द्वारा उगाए गए हर दाने की खरीद कर रही है। उन्होंने बताया कि पश्चिम बंगाल में चुनाव के कारण हमालियों (मजदूरों) की कमी हो गई है। इसके अलावा भीषण गर्मी के चलते दोपहर के समय खरीद केंद्रों पर कार्य प्रभावित हो रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि वह लगातार खरीद प्रक्रिया की समीक्षा कर रहे हैं।

रेवंत रेड्डी ने बताया कि राज्य सरकार किसानों को राहत देने के लिए महीन धान पर प्रति क्विंटल 500 रुपये बोनस और मक्का पर एमएसपी उपलब्ध करा रही है। बैठक में मूसी पुनर्जीवन परियोजना के तहत विस्थापित परिवारों को दी जा रही राहत पर भी चर्चा हुई। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार विस्थापितों को आवास उपलब्ध करा रही है। उन्होंने कहा कि मूसी परियोजना से नदी तट को विश्वस्तरीय पर्यटन स्थल के रूप में विकसित किया जाएगा और स्थानीय युवाओं के लिए बड़े पैमाने पर रोजगार के अवसर पैदा होंगे। मुख्यमंत्री ने विपक्षी दलों बीआरएस और भाजपा पर मूसी परियोजना का राजनीतिकरण करने का आरोप लगाया। उन्होंने यह भी बताया कि मूसी नदी में बढ़ते प्रदूषण के कारण नलगोंडा जिले के लोग प्रभावित हो रहे हैं।

उन्होंने कहा, मेरा उद्देश्य शहर के नागरिकों को बेहतर और गुणवत्तापूर्ण जीवन उपलब्ध कराना है। बैठक में राज्य सरकार द्वारा शिक्षा व्यवस्था को मजबूत करने के लिए उठाए गए हालिया कदमों पर भी चर्चा हुई। मुख्यमंत्री ने कहा कि गरीब बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, पौष्टिक नाश्ता और मध्याह्न भोजन उपलब्ध कराने के उद्देश्य से शिक्षा क्षेत्र में व्यापक सुधार किए जा रहे हैं। तेलंगाना पब्लिक स्कूलों की स्थापना भी इसी दिशा में उठाया गया कदम है। उन्होंने सीपीएम नेताओं को अरुटला पब्लिक स्कूल का दौरा करने का सुझाव भी दिया। सीपीएम के राज्य सचिव जॉन वेस्ली के नेतृत्व में आए प्रतिनिधिमंडल ने न्यूनतम मजदूरी संशोधन अधिनियम लागू करने के लिए मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त किया। बैठक में पूर्व विधायक जुलकांति रंगा रेड्डी, पी. सुदर्शन, ज्योति, नुन्ना नागेश्वर राव, मल्लू लक्ष्मी, सामिनेनी स्वराज्यम, एम. गोपाला राव और राज्यसभा सदस्य वेम नरेंद्र रेड्डी भी उपस्थित रहे।

धान खरीद में भारी अनियमितताओं का आरोप

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने सरकार पर किसान विरोधी नीतियों का लगाया आरोप

हैदराबाद, 25 मई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना में भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष एन. रामचंदर राव ने सोमवार को कांग्रेस सरकार पर किसानों के साथ धोखा करने और धान खरीद प्रक्रिया में गंभीर लापरवाही बरतने का आरोप लगाया। विकाराबाद जिले के परगी क्षेत्र में आयोजित रैतु गोसा–बीजेपी भरोसा यात्रा के दौरान मीडिया से बातचीत करते हुए उन्होंने कहा कि राज्य के विभिन्न खरीद केंद्रों पर किसानों का धान सरकारी आश्वासनों के बावजूद खुले में पड़ा हुआ है और उसकी खरीद नहीं की जा रही है। बीजेपी प्रतिनिधिमंडल ने कुलकचर्ला स्थित परगी कृषि खरीद केंद्र का दौरा कर किसानों से उनकी समस्याओं की जानकारी ली। इस दौरान रामचंदर राव ने आरोप लगाया कि खरीद केंद्रों पर तिरपाल, जूट के बोरे, परिवहन व्यवस्था और तौल प्रक्रिया जैसी मूलभूत सुविधाओं की भारी कमी है।

उन्होंने कहा कि कई किसानों को अपनी उपज बेचने के लिए 10 से 15 दिन तक इंतजार करना पड़ रहा है, जिससे उन्हें गंभीर आर्थिक नुकसान हो रहा है। बीजेपी नेता ने यह भी आरोप लगाया कि उनके दौरे की जानकारी मिलने के बाद सरकारी मशीनरी ने रातों–रात खरीद कार्य में तेजी दिखाने की कोशिश की। उन्होंने कहा कि सुबह–सुबह धान के बोरे मिलों में जल्दी से भेजे गए ताकि यह दिखाया जा सके कि खरीद प्रक्रिया सुचारु रूप से चल रही है। प्रतिनिधिमंडल से मिले किसानों ने भी खरीद केंद्रों पर भारी परेशानियों और अपनी उपज के समय पर न उठाए जाने की शिकायत की, ऐसा बीजेपी नेताओं ने दावा किया। बीजेपी द्वारा शुरू की गई तीन दिवसीय रैतु गोसा–बीजेपी भरोसा यात्रा का उद्देश्य राज्यभर में धान खरीद व्यवस्था की समीक्षा करना और किसानों की समस्याओं को उजागर करना बताया गया है। इस दौरे में सांसद डी.के. अरुणा, ईटेला राजेंद्र, कोंडा विश्वेश्वर रेड्डी और रघुनंदन राव सहित कई वरिष्ठ नेता, विधायक, एमएलसी तथा पार्टी कार्यकर्ता शामिल रहे।

चीन में बैठे भारतीय डॉक्टर का कमाल

3000 किमी दूर वुहान से हैदराबाद में की रोबोटिक सर्जरी, 90 मिनट में बचाई जान

हैदराबाद, 25 मई (स्वतंत्र वार्ता)। भारत और चीन के बीच स्वास्थ्य सेवाओं और टेलीमेडिसिन के क्षेत्र में एक बड़ी उपलब्धि सामने आई है। भारतीय यूरोलॉजिस्ट डॉ. सैयद मोहम्मद गौस ने चीन के वुहान शहर में बैठकर हैदराबाद में मौजूद एक मरीज की सफल रोबोटिक सर्जरी की। करीब 3,000 किलोमीटर दूर से की गई इस सर्जरी को क्रॉस–बॉर्डर हेल्थकेयर के क्षेत्र में बड़ा कदम माना जा रहा है।

कैसे हुई पूरी सर्जरी :

रिपोर्ट के मुताबिक यह सर्जरी चीन में विकसित रोबोटिक तकनीक और हाई–स्पीड 5जी इंटरनेट की मदद से की गई। करीब 90 मिनट तक चली इस प्रक्रिया में डॉक्टर ने वुहान के टोंगजी हॉस्पिटल से बैठकर हैदराबाद में मरीज के ब्लैडर री–कनेक्शन (यूरेटरल रीइम्प्लांटेशन) ऑपरेशन को नियंत्रित किया। इसमें किडनी से यूरिन ब्लैडर तक ले जाने वाली नली को दोबारा ब्लैडर से जोड़ा गया।

सर्जरी शुरू होने से पहले वुहान और हैदराबाद के डॉक्टरों ने ऑनलाइन मरीज की मेडिकल रिपोर्ट की संयुक्त समीक्षा की और रोबोटिक आर्म्स की मूवमेंट का पूरा प्लान तैयार किया। इसके बाद हैदराबाद की मेडिकल टीम ने मरीज को एनेस्थीसिया देकर ऑपरेशन थिएटर में रोबोटिक उपकरण तैयार किए।

इस अत्याधुनिक रोबोटिक सिस्टम में हाई–डेफिनिशन 3डी कैमरे और बेहद सटीक सर्जिकल उपकरण लगाए गए थे, जो लाइव विजुअल्स सीधे वुहान भेज रहे थे। डॉ. गाउस ने टोंगजी हॉस्पिटल में मौजूद एक विशेष कंसोल से रोबोटिक आर्म्स को नियंत्रित किया और रियल टाइम 3डी इमेज के जरिए पूरी सर्जरी को अंजाम दिया।

रिपोर्ट के अनुसार, 5जी नेटवर्क के जरिए सर्जरी से जुड़े निर्देश केवल 200 मिलीसेकेंड में ट्रांसमिट हो रहे थे, जिससे रोबोटिक आर्म्स डॉक्टर के हाथों की हरकतों को लगभग तुरंत दोहरा पा रहे थे। सुरक्षा के लिहाज से हैदराबाद में डॉक्टरों की टीम पूरे समय मौजूद रही, ताकि किसी आपात स्थिति में तुरंत हस्तक्षेप किया जा सके।

यह सर्जरी इंटरनेशनल हेपेटो–पैंक्रियाटो–बिलियरी एसोसिएशन के चीनी चैप्टर की 10वीं कांग्रेस के दौरान प्रदर्शित 26 सर्जरी में से एक थी। इनमें भारत, ब्राजील, जॉर्जिया, ग्रीस और उज्बेकिस्तान समेत कई देशों के विशेषज्ञों के साथ लाइव अंतर्राष्ट्रीय रिमोट सर्जरी सहयोग भी शामिल था।

चीन दूतावास की प्रवक्ता ने दी जानकारी :

भारत में चीन दूतावास की प्रवक्ता यू जिंग ने भी इस उपलब्धि की जानकारी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर साझा की। उन्होंने लिखा कि भारतीय डॉक्टर ने चीन की रोबोटिक्स और 5जी तकनीक की मदद से 3,000 किलोमीटर दूर बैठे मरीज की सफल सर्जरी की, जो सीमाओं से परे जाकर जीवन बचाने वाली चिकित्सा का उदाहरण है।

99 दिवसीय कार्ययोजना 'प्रजा पालना-प्रगति प्राणालिका' होगी लागू

विभागीय स्तर पर विकास कार्यक्रमों को मिलेगी नई गति

हैदराबाद, 25 मई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना सरकार 2 जून से 12 जून 2026 तक राज्यव्यापी 99 दिवसीय कार्ययोजना प्रजा पालना–प्रगति प्राणालिका लागू करने जा रही है। यह योजना विभिन्न विभागों के माध्यम से राज्य में विकास और सुशासन को गति देने के उद्देश्य से शुरू की जा रही है। सरकारी सचिव डॉ. गौरव उप्पल द्वारा जारी आधिकारिक सूचना के अनुसार, इस कार्ययोजना की तैयारी और निगरानी के लिए उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क की अध्यक्षता में एक कैबिनेट उप–समिति का गठन किया गया है। इस समिति में मंत्री एन. उत्तम कुमार रेड्डी, दुद्दीला श्रीधर बाबू और पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी शामिल हैं।

यह पहल मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी द्वारा 3 मार्च 2026 को आयोजित कलेक्टर्स सम्मेलन में दिए गए निर्देशों के बाद शुरू की जा रही है, जिसमें उन्होंने गांव, मंडल, विधानसभा क्षेत्र और जिला स्तर पर विकास कार्यक्रमों के व्यवस्थित क्रियान्वयन पर जोर दिया था। सरकार के अनुसार विभागीय स्तर पर थीम आधारित कार्यक्रम पहले ही सफलतापूर्वक आयोजित किए जा चुके हैं और अब राज्यव्यापी क्रियान्वयन की तैयारी पूरी की जा रही है।

CLASSIFIEDS

CHANGE OF NAME

I, THATIPAMULA ABHINAV, S/o. Sri. THATIPAMULA RAMCHANDER, R/o. H.No. 1-4-77/B/10/12, Ashvika Nilayam, Chandra Puram Colony, Old Alwal, Alwal Mandal, Medchal Malkajgiri Dist, Secunderabad, Telangana-500010, my Name changed from TATIPAMULA ABHINAV to THATIPAMULA ABHINAV and address also changed from H.No.2-49, Ramannapet, Morthad, Nizamabad-503225, Andhra Pradesh. To H.No. 1-4-77/B/10/12, Ashvika Nilayam, Chandra Puram Colony, Old Alwal, Alwal Mandal, Medchal Malkajgiri Dist, Secunderabad, Telangana-500010, Vide Affidavit dated. 25-05-2026 for future purposes.

I, Jagranj Devi, Mother of No. 17007574N, NK, Rakesh Kumar Verma, R/o, H. No. 6590A, Sec-56, Chandigarh, changed my name from Jagranj Devi to Jag Rani, vide Affidavit dt. 12.05.2026 before Notary Advocate at Pratapgarh, U.P.

I , Chhote Lal Verma, Father of No. 17007574N, NK, Rakesh Kumar Verma, R/o, H No. 6590A, Sec-56, Chandigarh, changed my name from Chhote Lal Verma to Chotte Lal, vide Affidavit dt. 12.05.2026, before Notary Advocate, Pratapgarh, U.P.

I, Sivasankaran E. Father of No. 14685632N, NK, Satheeb E, R/o, Dist, Malappuram, Kerala, changed my name from Sivasankaran E to Sivasankaran vide Affidavit No. 466875 dt. 23.05.2026, before Medchal-Malkajgiri Court, Telangana.

I, Damayanthi E, Mother of No. 14685632N, NK, Satheeb E, R/o, Dist : Malappuram, Kerala, changed my name from Damayanthi E to Damayanthi K, vide Affidavit No. 466877 dt. 23.05.2026, before Medchal-Malkajgiri Court, Telangana.

सावधान

पाठकों को सूचित किया जाता है कि वर्गीकृत विज्ञापन का प्रतिवादन करने से पहले उसकी पूरी तरह से जाँच पड़ताल कर लें। विज्ञापनदाता ने दावा कर रहे हैं या कह रहे हैं, उन बातों से दैनिक समाचार पत्र (स्वतंत्र वार्ता) का किसी भी तरह का कोई सम्बन्ध नहीं है।

बकरीद से पहले भेड़–बकरियों की मांग बढ़ी, कीमतों में उछाल

हैदराबाद, 25 मई (स्वतंत्र वार्ता)। ईद–उल–अधा यानी बकरीद नजदीक आने के साथ ही शहर और आसपास के इलाकों में भेड़–बकरियों की मांग तेजी से बढ़ गई है। मांग बढ़ने के कारण पशुओं की कीमतों में भी भारी उछाल देखा जा रहा है। तीन दिवसीय ईद–उल–अधा पर्व के दौरान बड़ी संख्या में लोग भेड़, बकरी और मवेशियों की कुर्बानी देते हैं। इसी को देखते हुए तेलंगाना, महाराष्ट्र, आंध्र प्रदेश, कर्नाटक, छत्तीसगढ़ और गुजरात से व्यापारी बड़ी संख्या में पशु लेकर हैदराबाद पहुंच रहे हैं। शहर के पुराने पशु बाजार जियागुडा के एक कमीशन एजेंट शम्सुद्दीन ने बताया कि ईंधन की बढ़ती कीमतों और भीषण गर्मी के कारण भेड़–बकरियों के दाम काफी बढ़ गए हैं। बाजार में लगभग 12 किलोग्राम मांस देने वाली एक भेड़ की कीमत करीब 14 हजार रुपये तक पहुंच गई है।

धार्मिक जानकारों के अनुसार, कुर्बानी के लिए आमतौर पर एक वर्ष से अधिक उम्र की स्वस्थ भेड़ को ही योग्य माना जाता है। जिन भेड़ों के कान कटे, फटे या शरीर में कोई गंभीर दोष होता है, उन्हें कुर्बानी के लिए उचित नहीं माना जाता। लोग सामान्य रूप से 10 से 12 किलोग्राम मांस देने वाली भेड़ों को खरीदना पसंद करते हैं, जबकि कुछ परिवार 25 से 30 किलोग्राम वजन वाली बड़ी भेड़ें भी खरीद रहे हैं, जिनकी कीमत करीब 30 हजार रुपये तक है। कई परिवार तीन दिनों के त्योहार के दौरान एक से अधिक भेड़ों की कुर्बानी देते हैं। त्योहार को देखते हुए जलपल्ली, टोलीचौकी, चंचलगुडा, नानल नगर, मेहदीपट्टनम, मुशीराबाद, गोलनाका, फलकनुमा, चंद्रयानगुट्टा, बंजारा हिल्स, बोराबंदा और अन्य इलाकों में अस्थायी पशु बाजार लगाए गए हैं। मुस्लिम परंपरा के अनुसार, कुर्बानी के बाद मांस को तीन बराबर हिस्सों में बांटा जाता है। एक हिस्सा रिश्तेदारों और परिचितों को दिया जाता है, दूसरा गरीबों और जरूरतमंदों में वितरित किया जाता है, जबकि तीसरा हिस्सा परिवार अपने उपयोग के लिए रखता है।

जनगणना कार्य समय सीमा में पूरा करने के निर्देश

हैदराबाद, 25 मई (स्वतंत्र वार्ता)। जीएचएमसी आयुक्त एवं जनगणना–2027 के प्रधान जनगणना अधिकारी आरवी कर्णन ने अधिकारियों और गणनाकर्ताओं को निर्देश दिया है कि घर–घर जाकर जनगणना का कार्य पूरी सटीकता और तय समय सीमा के भीतर पूरा किया जाए। सोमवार को आयुक्त ने शमशाबाद सर्कल के अंतर्गत मार्केट लेन के पीछे स्थित एचएलबी संख्या 29 और 30 में चल रहे जनगणना गृह सूचीकरण एवं गणना कार्य का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने बीएलओ गतिविधियों की भी समीक्षा की। जीएचएमसी द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, आयुक्त ने जमीनी स्तर पर चल रही गणना प्रक्रिया का जायजा लिया और अधिकारियों को सटीक तथा व्यवस्थित डेटा संग्रह सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जनगणना और संबंधित गतिविधियों के प्रभावी संचालन के लिए सही आंकड़ों का संग्रह बेहद महत्वपूर्ण है।

निरीक्षण के दौरान आयुक्त ने क्षेत्र में कार्यरत गणनाकर्मियों और पर्यवेक्षी कर्मचारियों से बातचीत की। उन्होंने घर–घर सूचीकरण, सत्यापन प्रक्रिया और कार्य की प्रगति की समीक्षा करते हुए समयबद्ध और कुशल तरीके से कार्य पूरा करने पर जोर दिया। आयुक्त ने कर्मचारियों की उपस्थिति और कार्य प्रदर्शन की नियमित निगरानी करने के भी निर्देश दिए। अधिकारियों के अनुसार, स्वयं–गणना और मकान सूचीकरण की प्रक्रिया पूरी करने की अंतिम तिथि 9 जून निर्धारित की गई है।

जलवायु और सतत विकास के लिए यूओएच ने किया समझौता

हैदराबाद, 25 मई (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद विश्वविद्यालय (यूओएच) ने जलवायु लचीलापन और सतत विकास को बढ़ावा देने के उद्देश्य से आईएनएफओआरएम नामक संस्था के साथ एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं। यह जानकारी सोमवार को जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में दी गई। आईएनएफओआरएम एक नवस्थापित धारा–8 कंपनी है, जिसे हैदराबाद विश्वविद्यालय द्वारा पंजीकृत किया गया है। इसका उद्देश्य सतत विकास और जलवायु परिवर्तन से जुड़ी चुनौतियों के समाधान के लिए अंतःविषयक और शोध आधारित नवाचार को बढ़ावा देना है।

विश्वविद्यालय के अनुसार, यह समझौता यूओएच और आईएनएफओआरएम के बीच दीर्घकालिक साझेदारी की औपचारिक शुरुआत है। इसके माध्यम से सामाजिक और पर्यावरणीय चुनौतियों से निपटने के लिए डेटा आधारित और टिकाऊ समाधान विकसित किए जाएंगे।

ओआरआर पर 200 किमी से अधिक रफ्तार में कार चलाने वाला गिरफ्तार

हैदराबाद, 25 मई (स्वतंत्र वार्ता)। आउटर रिंग रोड (ओआरआर) पर नई कार को 200 किलोमीटर प्रति घंटे से अधिक की रफ्तार से चलाने के आरोप में पुलिस ने एक युवक को गिरफ्तार किया है। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद पुलिस ने कार्रवाई की। पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार युवक की पहचान यशवंथ रेड्डी के रूप में हुई है। उसने पूछताछ में बताया कि वह अपनी हाल ही में खरीदी गई फॉक्सवैगन कार की स्पीड जांचना चाहता था। इसी दौरान उसने ओआरआर पर तेज रफ्तार में कार दौड़ाई।

रविवार को सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल होने के बाद पुलिस ने मामले को गंभीरता से लिया। सीसीटीवी फुटेज और अन्य तकनीकी साक्ष्यों की मदद से चालक की पहचान कर उसे गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस ने वाहन को जब्त कर लिया है और आरोपी के खिलाफ खतरनाक तरीके से वाहन चलाने तथा यातायात नियमों का उल्लंघन करने का मामला दर्ज किया है। पुलिस अधिकारियों ने चेतावनी दी है कि ओआरआर पर तेज रफ्तार, लापरवाही से वाहन चलाने या स्टंट करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

फसल अवशेष न जलाएं, वैज्ञानिक तरीके अपनाएं

कृषि विभाग की किसानों से अपील

हैदराबाद, 25 मई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना कृषि विभाग ने किसानों से फसल अवशेषों को जलाने से बचने और वैज्ञानिक तरीकों से खेतों को तैयार करने की अपील की है।

विभाग ने चेतावनी दी है कि फसल अवशेष जलाने से भूमि की उर्वरता कम होने के साथ–साथ पर्यावरण और जनस्वास्थ्य पर गंभीर दुष्प्रभाव पड़ रहे हैं। कृषि विभाग के निदेशक डॉ. बी. गोपी, आईएएस ने बताया कि इस यासंगी सीजन में राज्य में रिकॉर्ड स्तर पर धान की खेती हुई और अब अधिकांश क्षेत्रों में कटाई पूरी हो चुकी है। आगामी खरीफ (वर्षाकालीन) फसलों की बुवाई के लिए किसान खेत तैयार कर रहे हैं। इस दौरान कई किसान फसल अवशेष हटाने के लिए उन्हें जलाने का आसान तरीका अपना रहे हैं। उन्होंने कहा कि फसल अवशेष जलाने से मिट्टी में मौजूद जैविक कार्बन नष्ट हो जाता है। साथ ही नाइट्रोजन, फास्फोरस, पोटाश और सूक्ष्म पोषक तत्वों की भी भारी क्षति होती है। इससे भूमि की उर्वरता घटती है और भविष्य में किसानों को अधिक मात्रा में रासायनिक उर्वरकों पर निर्भर होना पड़ता है।

कृषि विभाग ने बताया कि फसल अवशेषों के दहन से वायु प्रदूषण बढ़ता है और लोगों के स्वास्थ्य पर प्रतिकूल असर पड़ता है। गर्मी के मौसम में आग तेजी से फैलने का खतरा रहता है, जिससे जान–माल की हानि हो सकती है।विभाग ने स्पष्ट किया कि पर्यावरण संरक्षण के तहत खुले में कचरा या फसल अवशेष जलाने पर प्रतिबंध लगाया गया है। पर्यावरण, वन एवं विज्ञान–प्रौद्योगिकी विभाग के जीओ एमएस नंबर–27 के अनुसार नियमों का उल्लंघन करने वालों पर पर्यावरण क्षतिपूर्ति शुल्क लगाया जाएगा। कृषि विभाग ने किसानों को सलाह दी है कि वे फसल अवशेषों को खेत में मिलाकर जैविक कार्बन बढ़ाएं, जिससे मिट्टी की उर्वरता सुधरेगी, रासायनिक उर्वरकों का उपयोग कम होगा और उत्पादन बढ़ने की संभावना रहेगी। डॉ. बी. गोपी ने बताया कि विभाग द्वारा गांव स्तर पर लगातार जागरूकता अभियान चलाए जा रहे हैं, लेकिन इसके बावजूद कुछ किसान अभी भी फसल अवशेष जला रहे हैं। हाल ही में भूपालपल्ली जिले में चागर्ला चंद्रमौली और भाग्यम्मा नामक किसानों की फसल अवशेष जलाने के दौरान दुर्घटनावश मृत्यु हो गई, जो अत्यंत दुखद घटना है।

डॉ. बी. गोपी, आईएएस, निदेशक, कृषि विभाग, तेलंगाना ने कहा कि इस घटना के बाद संबंधित जिला कृषि अधिकारियों और अधीनस्थ कर्मचारियों को मेमो जारी किए गए हैं तथा भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए किसानों में और अधिक जागरूकता फैलाने के निर्देश दिए गए हैं। कृषि विभाग ने किसानों से अपील की है कि वे फसल अवशेष न जलाएं और वैज्ञानिक पद्धतियों को अपनाकर भूमि की उर्वरता एवं पर्यावरण की रक्षा करें।

स्वतंत्र वार्ता

मंगलवार, 26 मई - 2026

क्वाड बैठक से उम्मीदें

इजराइल और ईरान के बीच बढ़ता तनाव केवल क्षेत्रीय विवाद नहीं रह गया, बल्कि इसका असर वैश्विक राजनीति, अर्थव्यवस्था और ऊर्जा सुरक्षा तक फैल चुका है। ऐसे समय में भारत की मेजबानी में होने जा रही क्वाड देशों की बैठक केवल एक सामान्य कूटनीतिक आयोजन नहीं, बल्कि विश्व समुदाय के लिए उम्मीद की किरण बनकर उभर रही है। इस बैठक पर दुनिया की निगाहें इसलिए भी टिकी हैं क्योंकि मौजूदा संकट का सबसे अधिक प्रभाव भारत जैसे विकासशील देशों पर पड़ रहा है। क्वाड समूह में भारत, अमेरिका, जापान और ऑस्ट्रेलिया शामिल हैं। अब तक यह संगठन मुख्यतः हिंद-प्रशांत क्षेत्र में शांति, समुद्री सुरक्षा और रणनीतिक संतुलन पर केंद्रित रहा है, लेकिन वैश्विक हालात ने इसके एजेंडे को और व्यापक बना दिया है। दिल्ली में होने वाली विदेश मंत्रियों की बैठक में पश्चिम एशिया की स्थिति, ऊर्जा संकट और वैश्विक आर्थिक अस्थिरता जैसे विषय प्रमुखता से उठाए जाने की संभावना है। यही कारण है कि यह बैठक क वैश्विक महत्व की बन गई है। दरअसल, अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के चीन दौरे और पश्चिम एशिया में सक्रिय कूटनीति के बाद यह उम्मीद बनी थी कि तनाव कम करने की दिशा में कोई ठोस रास्ता निकलेगा। मगर अमेरिका, इजराइल और ईरान के बीच लगातार बढ़ते टकराव ने हालात को और गंभीर बना दिया है। युद्धविराम की कोशिशें अब तक सफल नहीं हो पाई हैं। हॉर्मुज जलडमरूमध्य जैसे समुद्री मार्गों पर खतरा बढ़ने से पूरी दुनिया में ऊर्जा आपूर्ति को लेकर भय है। भारत अपनी ऊर्जा जरूरतों के लिए बड़े पैमाने पर पश्चिम एशिया पर निर्भर है। जैसे-जैसे तनाव बढ़ रहा है, पेट्रोल और डीजल की कीमतों में लगातार वृद्धि देखने को मिल रही है। हाल के दिनों में ईंधन कीमतों में कई बार बढ़ोतरी हो चुकी है। परिवहन महंगा होने से खाद्य पदार्थों और रोजमर्रा की वस्तुओं की कीमतें भी बढ़ने लगी हैं। यदि यही स्थिति बनी रही तो महंगाई और आर्थिक दबाव दोनों बढ़ सकते हैं। यह संकट केवल तेल तक सीमित नहीं है। वैश्विक व्यापार, समुद्री आपूर्ति श्रृंखला और निवेश वातावरण पर भी इसका असर साफ दिखाई दे रहा है। युद्ध और अस्थिरता का सबसे बड़ा नुकसान आम लोगों को उठाना पड़ता है। दुनिया पहले ही रूस-यूक्रेन युद्ध के आर्थिक प्रभावों से जूझ रही है, ऐसे में पश्चिम एशिया में बढ़ती आग वैश्विक अर्थव्यवस्था को और झकझोर सकती है। ऐसे समय में भारत की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाती है। भारत की विदेश नीति हमेशा संतुलन, संवाद और शांति पर आधारित रही है। यही कारण है कि भारत आज अमेरिका, रूस, इजराइल, ईरान और अरब देशों के साथ बेहतर संबंध बनाए रखने में सफल रहा है। क्वाड बैठक भारत को यह अवसर देती है कि वह वैश्विक मंच पर शांति और समाधान की मजबूत आवाज बनकर उभरे। केवल सैन्य शक्ति या दबाव से समस्याओं का समाधान संभव नहीं है। स्थायी शांति के लिए संवाद और कूटनीति ही सबसे प्रभावी रास्ता है। दिल्ली में होने वाली यह बैठक यदि ऊर्जा सुरक्षा, समुद्री स्थिरता और युद्धविराम की दिशा में कोई सकारात्मक पहल कर पाती है, तो यह भारत की बड़ी कूटनीतिक सफलता मानी जाएगी। दुनिया आज युद्ध नहीं, स्थिरता चाहती है। ऐसे में भारत के सामने केवल अपनी अर्थव्यवस्था बचाने की चुनौती नहीं, बल्कि वैश्विक शांति में निर्णायक भूमिका निभाने का अवसर भी है। संकट कितना भी बड़ा क्यों न हो, उम्मीद हमेशा संवाद और समझदारी से ही जन्म लेती है।

महंगाई की चौतरफा मार !

अशोक भाटिया

पेट्रोल और डीजल की कीमतों में सोमवार को एक बार फिर वृद्धि की गयी। पेट्रोल की कीमत 2.61 रुपये प्रति लीटर जबकि डीजल के दाम 2.71 रुपये प्रति लीटर बढ़ाये गये हैं। सरकारी तेल कंपनियों द्वारा अंतरराष्ट्रीय कीमतों में बढ़ोतरी का बोझ उपभोक्ताओं पर डाले जाने के बीच पिछले दो सप्ताह से भी कम समय में यह चौथी बार है जब कीमतों में बढ़ोतरी की गई है।

ईंधन कीमतों में 15 मई से फिर संशोधन शुरू हुआ था। तब से अब तक पेट्रोल और डीजल के दाम कुल मिलाकर करीब 7.5 रुपये प्रति लीटर बढ़ चुके हैं। उद्योग सूत्रों ने बताया कि दिल्ली में पेट्रोल की कीमत 2.61 रुपये प्रति लीटर बढ़ाकर 102.12 रुपये प्रति लीटर कर दी गई है, जो पहले 99.51 रुपये प्रति लीटर थी।

डीजल के दाम 2.71 रुपये बढ़ाकर 95.20 रुपये प्रति लीटर कर दिए गए हैं, जो पहले 92.49 रुपये प्रति लीटर थे। यह वृद्धि वैश्विक कच्चे तेल की ऊंची कीमतों और रुपये में कमजोरी के बीच की गई है। वैश्विक कच्चे तेल की कीमत बढ़ने और रुपये के कमजोर होने से तेल विपणन कंपनियों की आयात लागत पर दबाव बढ़ा है। देश में महंगाई का जिन्न एक बार फिर बाहर निकल आया है, जिससे आम आदमी की कमर टूटना तय माना जा रहा है। पश्चिम एशिया में जारी तनाव के कारण अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में लगी आग ने भारतीय अर्थव्यवस्था के सामने बड़ा संकट खड़ा कर दिया है। लगातार कमजोर होते रुपये और ईंधन की बढ़ती कीमतों की वजह से थोक महंगाई अब अपने 42 महीने के सबसे ऊंचे स्तर पर पहुंच गई है। रसोई गैस से लेकर बिजली और पेट्रोल-डीजल की कीमतों में हुए इस अप्रत्याशित उछाल ने आने वाले दिनों में बड़े आर्थिक झटकों के संकेत दे दिए हैं।

वाणिज्य मंत्रालय द्वारा जारी हालिया आंकड़ों के अनुसार, अप्रैल महीने में ईंधन और बिजली की महंगाई दर उछलकर 24.71 फीसदी पर पहुंच गई है। यह पिछले साढ़े तीन साल का सबसे ऊंचा स्तर है। कच्चे पेट्रोलियम की बात करें तो इसकी महंगाई दर 88.06 फीसदी तक जा पहुंची है, जो साढ़े चार साल में सबसे ज्यादा है। सबसे चौंकाने वाला उछाल पेट्रोल और डीजल की कीमतों में दिखा है। पेट्रोल की महंगाई दर मार्च के 2.50 फीसदी से बढ़कर सीधे 32.40 फीसदी पर पहुंच गई है, जबकि डीजल की दर भी 3.26 फीसदी से बढ़कर 25.19 फीसदी हो गई है। रसोई गैस (एलपीजी) भी मार्च के मुकाबले काफी महंगी हुई है। कच्चे तेल की कीमतों में वैश्विक स्तर पर 50 फीसदी तक की वृद्धि होने के बावजूद सरकार ने फिलहाल पेट्रोल और घरेलू रसोई गैस के दाम स्थिर रखे थे पर अब सरकार भी मजबूर है। सरकार की कोशिश थी कि जनता को इस बोझ से बचाया जाए, लेकिन पेट्रोलियम कंपनियों को हो रहे भारी घाटे को देखते हुए यह राहत ज्यादा दिन तक चलना मुमकिन नहीं लग रहा है। कंपनियों के बढ़ते नुकसान की भरपाई के लिए सरकार जल्द ही पेट्रोल-डीजल की कीमतों में और इजाफा कर सकती है। इसके अलावा अल-नीनो के प्रभाव और अनाज की कीमतों में उतार-चढ़ाव के बीच महंगाई को काबू करना अब मोदी सरकार के लिए सबसे बड़ी चुनौती बन गया है।

आम उपभोक्ताओं के लिए सबसे बड़ी परेशानी यह है कि यह बढ़ोतरी बहुत ही कम समय के भीतर हुई है। एक हफ्ते के अंदर तेल कंपनियों द्वारा दामों को तीसरी बार बढ़ाया गया है। डीजल की कीमतों में इस तरह लगातार हो रही बढ़ोतरी से देश में माल ढुलाई महंगी होने का पूरा डर बना हुआ है। जब डीजल महंगा होता है, तो सामान को एक जगह से दूसरी जगह ले जाने का खर्च बढ़ जाता है, जिससे फल, सब्जियां और रोजाना की दूसरी जरूरी चीजों के दाम भी बाजार में बढ़ने लगते हैं। इस कारण आने वाले दिनों में आम जनता को महंगाई की दोहरी मार झेलनी पड़ सकती है। जैसे-जैसे ईंधन महंगा होता जाता है, बसों, टैक्सियों और ट्रांसपोर्ट का खर्च बढ़ जाता है, जिससे बदले में दूसरी जरूरी चीजों की कीमतें भी बढ़ सकती हैं।जानकारों का कहना है कि अगर अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतें इसी तरह बढ़ती रहीं, तो आने वाले दिनों में पेट्रोल और डीजल और भी महंगे हो सकते हैं, जिससे महंगाई बढ़ने की चिंताएं बढ़ सकती हैं इससे पहले पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय की संयुक्त सचिव सुजाता शर्मा ने ईंधन कीमतों में बढ़ोतरी की वजह बताते हुए कहा कि पश्चिम एशिया संकट को ढाई महीने से ज्यादा हो चुके हैं और स्टेट ऑफ होर्मुज की स्थिति अब भी सामान्य नहीं हुई है। उन्होंने कहा कि अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल, नेचुरल गैस और एलपीजी की कीमतों में भारी उछाल आया है, जिसका असर भारत के क्रूड ऑयल, एलपीजी और नेचुरल गैस आयात पर भी पड़ा है हालांकि सरकार ने लोगों को राहत देते हुए कहा है कि देश में ईंधन सप्लाई की कोई कमी नहीं है। सुजाता शर्मा के मुताबिक सभी रिफाइनरियां सामान्य रूप से काम कर रही हैं और पर्याप्त मात्रा में क्रूड ऑयल का स्टॉक उपलब्ध है। उन्होंने कहा कि पेट्रोल, डीजल, एलपीजी और नेचुरल गैस का पर्याप्त भंडार मौजूद है और किसी भी पेट्रोल पंप या गैस एजेंसी पर सप्लाई संकट जैसी स्थिति नहीं है। गौरतलब है कि भारतीय सरकारी तेल कंपनियों ने पिछले चार सालों में रिटेल कीमतों में कोई बढ़ोतरी नहीं की थी। वैश्विक स्तर पर क्रूड ऑयल की कीमत बढ़ने से इन कंपनियों को रोजाना करीब 1000 करोड़ रुपये का घाटा हो रहा था, जिसकी भरपाई करने के लिए अब रेट धीरे-धीरे बढ़ाए जा रहे हैं। बीते दिन 3 रुपये की बढ़ोतरी के बाद नुकसान थोड़ा कम होकर 750 करोड़ रुपये प्रतिदिन पर आ गया। अब देखना है कि आज की गई बढ़ोतरी के बाद इस नुकसान को पाटने में कितनी मदद मिलती है। बता दें कि अंतरराष्ट्रीय बाजारों में क्रूड ऑयल के दाम तेजी से बढ़ रहे हैं, जो अब 100-110 डॉलर प्रति बैरल के पार जा चुका है। चूंकि भारत अपनी जरूरत का 85 परसेंट से अधिक तेल बाहर से आयात करता है इसलिए वैश्विक स्तर पर कीमतों में बढ़ोतरी का सीधा असर आम आदमी की जेब पर पड़ता है।

व्यापारियों के मुताबिक डीजल महंगा होने से माल ढुलाई प्रभावित होगी। इसका असर सब्जी, दूध, किराना और निर्माण सामग्री जैसी आवश्यक वस्तुओं पर पहुंचेगा। यह स्थिति महंगाई को और बढ़ा सकती है। उद्यमियों का कहना है कि पहले से बढ़ी उत्पादन लागत के बीच ईंधन महंगा होने से दोहरी मार पड़ रही है। इसका असर बाजार और ग्राहकों पर पड़ेगा। पेट्रोल महंगा होने से बाइक, स्कूटर और कार चलाने वालों का खर्च बढ़ जाएगा। अगर ईंधन की कीमतें लंबे समय तक ऊंची बनी रहीं, तो ऑटो, टैक्सी और कैब किराए में बढ़ोतरी हो सकती है।

इसका असर रोज ऑफिस आने-जाने वाले लोगों के बजट पर पड़ेगा। भारत में फल, सब्जियां, दूध और जरूरी सामान का बड़ा हिस्सा ट्रकों के जरिए एक जगह से दूसरी जगह पहुंचता है। ऐसे में डीजल महंगा होने का असर सीधे ट्रांसपोर्ट लागत पर पड़ता है। जब माल ढुलाई महंगी होती है, तो कंपनियां और व्यापारी अतिरिक्त खर्च ग्राहकों से वसूलने लगते हैं।

नक्सली सोच की जड़ें भी नष्ट करनी होगी

मनोज कुमार अग्रवाल

नक्सलवाद एक सोच है और इस मानसिकता की जड़ें जब तक नष्ट नहीं होगी तब तक नक्सलवाद की समस्या का समाधान नहीं निकल सकता है। हालांकि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह नक्सलवाद को लगभग पूरी तरह खत्म होने का दावा कर रहे है, क्योंकि हाल के वर्षों में सुरक्षा बलों ने नक्सलियों के खिलाफ निर्णायक जीत हासिल की है। सरकार द्वारा निर्धारित 31 मार्च, 2026 की समय-सीमा तक वामपंथी उग्रवाद को बस्तर जैसे सबसे मजबूत गढ़ों से काफी पीछे धकेल दिया गया है।नक्सलवाद की समाप्ति के दावों का विश्लेषण करने पर पता चलता है कि जमीनी कार्रवाई में बड़ी सफलतासुरक्षा बलों ने नक्सल विरोधी अभियानों में भारी सफलता हासिल की है। सरकारी आंकड़ों के अनुसार, पिछले दो वर्षों में सैकड़ों कुख्यात नक्सली कमांडरों को मुठभेड़ में मार गिराया गया है और हजारों नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किया है। घटता दायरा (रेड कॉरिडोर)कभी देश के करीब 180 जिलों में फैला नक्सली प्रभाव अब सिमटकर बहुत ही कम क्षेत्रों (मुख्य रूप से दक्षिण छत्तीसगढ़ के अंदरूनी इलाकों) तक रह गया है। मध्य प्रदेश जैसे कई राज्यों को आधिकारिक तौर पर नक्सल मुक्त घोषित किया जा चुका है लेकिन अभी नक्सली मानसिकता का समूल नष्ट करना बाकी है।

आपको बता दें कि भारत के लिए नक्सलवाद केवल कानून-व्यवस्था की समस्या नहीं था, बल्कि यह देश की आंतरिक सुरक्षा, लोकतांत्रिक व्यवस्था और आदिवासी समाज के भविष्य से जुड़ा एक गहरा संकट था। दशकों तक नक्सल हिंसा ने देश के अनेक हिस्सों, विशेषकर छत्तीसगढ़ के बस्तर जैसे क्षेत्रों को भय, अविश्वास और पिछड़ेपन के अंधेरे में धकेले रखा। उससे मुक्ति निश्चित रूप से स्वागत योग्य है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बस्तर को नक्सलवाद से मुक्त बताते हुए यह भी कहा कि अब सरकार की जिम्मेदारी पिछले 50 वर्षों के नुकसान की भरपाई करना है और बस्तर को देश के सबसे विकसित आदिवासी क्षेत्रों में शामिल करना है। सरकारी बयान के अनुसार, 3,000 आत्मसमर्पण कर चुके नक्सलियों को सम्मानजनक जीवन देने और बस्तर को विकसित भारत की यात्रा से जोड़ने पर जोर दिया गया है। ऐसे में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह द्वारा बस्तर से यह कहना कि भारत नक्सलवाद से मुक्त हो चुका है, निस्संदेह एक ऐतिहासिक क्षण है। यह घोषणा केवल सरकार की उपलब्धि नहीं, बल्कि उन हजारों जवानों, पुलिसकर्मियों, स्थानीय आदिवासियों और निर्दोष नागरिकों के संघर्ष की परिणति है, जिन्होंने इस लंबी लड़ाई में अपनी जान, परिवार और भविष्य तक दांव पर लगा दिया। नक्सलवाद का इतिहास देश के लिए पीड़ा से भरा रहा है। 1970 के दशक से लेकर लंबे समय तक यह हिंसक विचारधारा गरीबों, आदिवासियों और वंचितों के नाम पर बंदूक की राजनीति करती रही। जिन लोगों के अधिकारों की बात कर नक्सल आंदोलन खड़ा किया गया था, सबसे अधिक नुकसान भी उन्हीं गरीबों और आदिवासियों को उठाना पड़ा। स्कूल जलाए गए, सड़कें नहीं बनने दी गईं, स्वास्थ्य केंद्रों का विरोध हुआ, सरकारी योजनाओं को गांवों तक पहुंचने से रोका गया और युवाओं को शिक्षा के बजाय हथियार थमा दिए गए।

आपको पता है कि यह विडंबना ही थी कि विकास के नाम पर शुरू हुआ आंदोलन विकास का सबसे बड़ा विरोधी बन गया। बस्तर इसका सबसे बड़ा उदाहरण रहा है। प्राकृतिक संपदा, आदिवासी संस्कृति और मानवीय संभावनाओं से भरपूर यह क्षेत्र लंबे समय तक भय का दूसरा नाम बना रहा। रात में आवाजाही चंद, गांवों में खामोशी, स्कूलों में ताले, सड़क निर्माण पर हमला और सुरक्षा बलों पर घात लगाकर वार, यह सब बस्तर की सामान्य पहचान बन चुका था। नक्सलियों के डर के कारण सरकारी योजनाएं कागजों में रह जाती थीं और आम आदिवासी नागरिक अपने ही देश की विकास यात्रा से कट जाता था। थान की खरीद, मुफ्त राशन, शिक्षा, नौकरी में आरक्षण, स्वास्थ्य रक्षण, स्वास्थ्य सुविधा और सड़क जैसी बुनियादी चीजें भी कई इलाकों में सपने जैसी थीं। इसलिए, जब गृह मंत्री ने कहा कि बस्तर के लिए यह बड़ा दिन है और देश नक्सलवाद से मुक्त हो चुका है, तो यह बयान केवल राजनीतिक घोषणा नहीं माना जाना चाहिए। यह उन सुरक्षा बलों के परिश्रम की मान्यता है, जिन्होंने बेहद कठिन भौगोलिक परिस्थिति, जंगलों, पहाड़ियों और बारूदी सुरंगों के बीच संघर्ष किया। सीआरपीएफ, कोबरा कमांडो, डीआरजी, राज्य पुलिस और स्थानीय सुरक्षा बलों ने जिस साहस, धैर्य और रणनीति के साथ अभियान चलाए, यह भारत की आंतरिक सुरक्षा नीति का एक महत्वपूर्ण अध्याय है। इस सफलता में स्थानीय आदिवासी समाज की भूमिका भी कम नहीं है। जब स्थानीय जनता का भरोसा शासन और सुरक्षा बलों पर बढ़ता है, तभी किसी भी हिंसक आंदोलन की जमीन कमजोर होती है। नक्सलवाद के खिलाफ जीत केवल सैन्य या पुलिस कार्रवाई से संभव नहीं थी। इसकी असली सफलता सुरक्षा और विकास के संतुलित मॉडल में निहित है। यदि बंदूक के जवाब में केवल बंदूक होती, तो समस्या शायद कमजोर होती, लेकिन समाप्त नहीं होती। नक्सलवाद को जड़ से खत्म करने के लिए जरूरी था कि गांवों तक सड़क पहुंचे, बच्चों तक स्कूल पहुंचे, बीमारों तक अस्पताल पहुंचे और युवाओं तक रोजगार पहुंचे। अब जब सरकार यह कह रही है कि बस्तर को देश का सबसे विकसित आदिवासी क्षेत्र बनाया जाएगा, तो यही इस सफलता की अगली कसौटी होगी। गृह मंत्री द्वारा केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों के 70 कैंपों को विकास के वन-स्टॉप सेंटर के रूप में विकसित करने की बात अत्यंत महत्वपूर्ण है। इसका अर्थ यह है कि जो कैंप पहले केवल सुरक्षा के प्रतीक थे, वे अब सरकारी योजनाओं, जनसेवा और विश्वास निर्माण के केंद्र बनेंगे। यदि इन केंद्रों के माध्यम से आदिवासियों को 370 सरकारी योजनाओं का लाभ सीधे मिले, तो यह बस्तर की दिशा बदल सकता है। लेकिन इसके लिए कागजी घोषणा से अधिक जमीन पर ईमानदार क्रियान्वयन की आवश्यकता होगी। अधिकारी गांवों तक जाएं, आदिवासी भाषाओं और संस्कृति को समझें, स्थानीय जरूरतों के आधार पर योजनाएं बनें और भ्रष्टाचार को सख्ती से रोका जाए। इससे लिए जमीन अधिकार, वन अधिकार, शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार, इंटरनेट, सड़क, पेयजल और स्थानीय भागीदारी को प्राथमिकता देनी होगी।

वर्तमान राष्ट्रवाद के सर्जक एचवी 'शेषाद्रि'

डॉ० मत्स्येन्द्र प्रभाकर

26 मई का भारत के सन्दर्भ में विशेष महत्व हो उठा है। यों, यह राजनीतिक और धार्मिक-कैलेण्डरी दोनों स्तरों पर है। राजनीतिक महत्व यह कि 26 मई, 2014 को नरेन्द्र दामोदरदास मोदी ने भारत के 15वें प्रधानमंत्री के रूप में शपथ ग्रहण की, जिसे भारतीय राजनीति में एक "मील-का-पत्थर" माना जाता है। इस दिन भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) - नेतृत्व वाले एनडीए ने अपने दम पर पूर्ण बहुमत हासिल किया, जो आज तक की लोकसभा के इतिहास में पहली गैर-कांग्रेसी पार्टी के लिए ऐसी उपलब्धि है लेकिन हम जिस कारण से इस तिथि का उल्लेख कर रहे - वह है इसका शेषाद्रि जी का जन्मतिथि होना जो वास्तव में वर्तमान राष्ट्रवाद के कल्पनाकार, साथ ही इस के वैचारिक सर्जक थे जिन्होंने अपने जीवन कार्यों से इस विचार को धरातल दिया।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के इतिहास में जिन कार्यकर्ताओं ने केवल संगठन नहीं किया बल्कि लेखन, भाषण और प्रकाशन के माध्यम से राष्ट्रवाद एवं इस विचारधारा की भावना को मूर्त रूप दिया, उनमें होंगसन्द्र वेंकटरमैया शेषाद्रि का नाम अग्रणी है। आज हम जिस आधुनिक भारतीय राष्ट्रवाद की बात करते हैं, जिसमें सांस्कृतिक पहचान, संगठनात्मक शिष्टाचार और विचारधारात्मक स्पष्टता का संगम दिखता है, उसकी नींव डालने वाले विचारक और संघ के सरकार्यवाह शेषाद्रि जी का जीवन ही उस राष्ट्रवाद का प्रतीक है।

शेषाद्रि जी का जन्म 26 मई, 1926 को बंगलौर में हुआ। इस बार इस तिथि को उनकी जन्मशताब्दी है। 1943 में वे राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के स्वयंसेवक बने। तब उनकी आयु केवल वर्ष 17 (सत्रह) वर्ष की थी। इसके केवल दो वर्ष बाद, 1946 में, उन्होंने मैसूर विश्वविद्यालय से रसायन शास्त्र में प्रथम श्रेणी में स्वर्ण पदक अर्जित कर एम०एस०सी० की डिग्री प्राप्त की। विज्ञान की इस गहरी प्रवृत्ति के बावजूद उन्होंने अपने जीवन को संघ के प्रचारक के रूप में समर्पित कर दिया, यह निर्णय स्वयं एक राष्ट्रवादी समर्पण का प्रतीक था।

प्रारम्भ में उनका कार्यक्षेत्र मंगलौर विभाग रहा, फिर कर्नाटक प्रान्त, और अन्ततः पूरा दक्षिण भारत। 1986 तक वे मुख्यतः दक्षिण में सक्रिय रहे, लेकिन 1987 से 2000 तक वे संघ के सरकार्यवाह के रूप में पूरे भारत और कुछ बाहर के देशों में भी सक्रिय रहे। इस दौरान उन्होंने न केवल संगठन का विस्तार किया, बल्कि संघ के साहित्यिक कार्य को भी विभिन्न भाषाओं में प्रचलित किया। वे श्री यादवराव जोशी से अत्यन्त प्रभावित थे, और उनके निर्देशन में ही बंगलौर में 'राष्ट्रोत्थान परिषद' की स्थापना की। इस संस्था संघ के प्रकाशन और हिन्दू साहित्य के प्रसार के लिए एक महत्वपूर्ण माध्यम बन गयी। शेषाद्रि जी केवल संगठनकर्ता नहीं, बल्कि एक निपुण लेखक भी थे। कार्य की भारी भरकम व्यस्तता के बावजूद वे प्रतिदिन लिखने के लिए समय निकालते थे। वे 'विक्रम' साप्ताहिक, 'उत्थान' मासिक, दिल्ली के 'पांचजन्य' और 'आर्गनाइजर' साप्ताहिक, तथा लखनऊ के 'राष्ट्रधर्म' मासिक के निरन्तर लेखक रहे। उनके लेखों की पाठक उत्सुकता से प्रतीक्षा करते थे, यह स्पष्ट करता है कि उनका विचारधारात्मक प्रभाव कितना गहरा था।

उन्होंने सौ से अधिक छोटी बड़ी पुस्तकें लिखीं परन्तु उनका सबसे महत्वपूर्ण योगदान यह था कि उन्होंने द्वितीय सरसंघचालक डॉ० माधवराव सदाशिव गोलवरकर 'गुरुजी' के भाषणों को सर्वप्रथम 'बंच ऑफ थॉट्स' के रूप में संकलित किया। यह पुस्तक आज भी प्रतिवर्ष छपती है और संघ विचारधारा का एक मानक ग्रन्थ मानी जाती है। अन्य महत्वपूर्ण कृतियाँ हैं 'संघ दर्शन', 'युगावतार', 'देश बँट गया', 'नान्यः पन्था', 'मूल्यांकन', 'द वे', 'हिन्दूज अब्रोड डाइलेमा', 'उजाले की ओर', और 'तोरबेरलु', जिसके लिए 1982 में कन्नड साहित्य अकादमी ने पुरस्कृत किया। इनमें से कई पुस्तकों के अनुवाद विभिन्न भाषाओं में हुए हैं, जिससे संघ विचार का प्रसार राष्ट्रीय और अन्तरराष्ट्रीय स्तर पर हुआ।

शेषाद्रि जी की भाषण शैली अद्भुत थी। वे जटिल विचारधारात्मक विषयों को सरल और रोचक उदाहरणों के माध्यम से श्रोताओं के मन में उतार देते थे। 1984 में न्यूयार्क के 'विश्व हिन्दू सम्मेलन' और ब्रैडफोर्ड के 'हिन्दू संगम' में उन्हें विशेष रूप से आमंत्रित किया गया था। वहाँ के श्रोता उनके भाषणों से अत्यन्त प्रभावित हुए। यह स्पष्ट करता है कि उनका विचारधारात्मक प्रभाव केवल भारत तक सीमित नहीं था।

अत्यधिक शारीरिक और मानसिक श्रम के कारण उनका शरीर अनेक रोगों का घर बन गया। जब चौथे सरसंघचालक डॉ० रज्जू भैया अपने खराब स्वास्थ्य के कारण अवकाश लेना चाहते थे, तो सब कार्यकर्ता चाहते थे कि शेषाद्रि जी यह दायित्व संभालें पर वे इसके लिए तैयार नहीं हुए। उनका कहना था कि उनका स्वास्थ्य ठीक नहीं रहता है, अतः किसी युवा कार्यकर्ता को यह काम दिया जाए। अन्ततः सह सरकार्यवाह श्री सुदर्शन जी को यह दायित्व दिया गया। शेषाद्रि जी निरहंकार भाव से सह सरकार्यवाह और फिर प्रचारक प्रमुख के नाते कार्य करते रहे, यह उनके सेवा भाव और निस्वार्थ समर्पण का स्पष्ट प्रमाण है। अन्तिम दिनों में वे बंगलौर कार्यालय पर रह रहे थे। वहाँ सायं शाखा पर फिसलने से उनके पैर की हड्डी टूट गयी। एक बार पहले भी उनकी कूल्हे की हड्डी टूट चुकी थी। इस बार इलाज के दौरान उनके शरीर में संक्रमण फैल गया, जिससे उनके सभी अंग क्रमशः निष्क्रिय होते चले गये।

जंगलों की मौत का नया पता– सोशल मीडिया का काला बाजार

आरके जैन

जंगलों का सन्नाटा अब पेड़ों में नहीं, मोबाइल स्क्रीन पर कैद दिखता है। दुर्लभ पक्षियों, अजगर, पैंगोलिन और बाघों के अंगों की तस्वीरें बताती हैं कि वन्य जीवन अब डिजिटल बाजार का माल बन चुका है। मानव जुड़ाव के लिए बने सामाजिक मंच आज अंतराष्ट्रीय वन्यजीव तस्करी के सबसे सुरक्षित अड्डे बन गए हैं। उंगलियों की मामूली स्क्रॉलिंग के साथ यह काला कारोबार कानून और धरती की जैव संपदा—दोनों को निगल रहा है। ग्लोबल इनिशिएटिव अगेंस्ट ट्रांसनेशनल ऑर्गनाइज्ड क्राइम की रिपोर्ट 'वाइल्डलाइफ़ हैज अ फेसबुक प्रॉब्लम' के अनुसार अप्रैल 2024 से मार्च 2026 के बीच 22 हजार से अधिक जंगली जीवों और उनके अंगों की ऑनलाइन खरीद-बिक्री के विज्ञापन मिले। इनमें लगभग 75 प्रतिशत गतिविधियां अकेले फेसबुक पर दर्ज हुईं, जिनका अवैध कारोबार करीब 6.5 करोड़ अमेरिकी डॉलर तक पहुंच गया।

ये केवल आंकड़े नहीं, बल्कि उस डिजिटल अराजकता का चेहरा हैं जहां कानून, नैतिकता और प्रकृति हार रहे हैं। जैव संपदा से समृद्ध भारत अब वन्यजीव तस्करों का आसान ठिकाना बनता जा रहा है। पैंगोलिन की खाल, बाघ के नाखून, भालू की पित्ताशय तथा दुर्लभ पक्षियों और सरीसृपों का अवैध व्यापार सामाजिक मंचों पर खुलेआम चल रहा है। रिपोर्ट के अनुसार, फेसबुक पर बिक्री के लिए मिले लगभग 84 प्रतिशत जीव ऐसे थे, जिनका अंतराष्ट्रीय व्यापार कन्वेंशन ऑन इंटरनेशनल ट्रेड इन एंडेंजर्ड स्पीशीज के परिशिष्ट-एक के तहत प्रतिबंधित है, फिर भी उनकी खरीद-बिक्री जारी है। सबसे गंभीर तथ्य यह है कि इनमें आधे से अधिक प्रजातियां "अत्यंत संकटग्रस्त" या "संकटग्रस्त" श्रेणी में हैं। विडंबना यह है कि कठोर वन्यजीव कानूनों वाले भारत में भी फेसबुक जैसे मंचों पर ये नियम लगभग बेअसर हैं। वन्यजीव तस्करी का यह अंधेरा केवल अपराधियों की चालाकी नहीं, सामाजिक मंचों की नाकामी भी है। फेसबुक का तंत्र अब तस्करों की ढाल बन चुका है। बंद समूह, गुमनाम खाते, संदिग्ध सामग्री को बढ़ावा देने वाले एल्गोरिदम और कमजोर निगरानी इस अपराध को खुली छूट दे रहे हैं। रिपोर्ट के अनुसार लगभग 76 प्रतिशत अवैध गतिविधियां बंद समूहों में संचालित हो रही हैं। एक बार ऐसा विज्ञापन दिखते ही एल्गोरिदम वैसी ही और सामग्री फैलाने लगता है, जिससे अपराध का जाल लगातार फैलता जाता है। तस्कर कोड भाषा, प्रतीकों और "विदेशी पालतू" जैसे शब्दों से निगरानी को आसानी से धोखा दे देते हैं। सबसे बड़ा प्रश्न यह है कि 2018 में 'कोएलिशन टू एंड वाइल्डलाइफ़ ट्रैफिकिंग ऑनलाइन' से जुड़कर 80 प्रतिशत कमी का दावा करने वाला फेसबुक 2026 तक इस संकट को क्यों नहीं रोक सका।

वन्यजीव तस्करी केवल कुछ जीवों के घटते अस्तित्व का संकट नहीं, बल्कि पूरी प्रकृति पर प्रहार है। पैंगोलिन आज दुनिया का सबसे अधिक तस्करी किया जाने वाला स्तनपायी बन चुका है और भारत में इसकी दोनों प्रजातियां गंभीर खतरे में हैं। सीमित संख्या में बचे बाघ भी अंधविश्वास और पारंपरिक उपचार की मांग के कारण लगातार शिकार बन रहे हैं। रिपोर्ट के अनुसार अवैध व्यापार में सरीसृपों की हिस्सेदारी 44 प्रतिशत और पक्षियों की 40 प्रतिशत है। इन जीवों को जंगलों से छीनना केवल एक प्रजाति का अंत नहीं, बल्कि पूरे पारिस्थितिकी तंत्र को कमजोर करना है। खाद्य श्रृंखला टूटते ही जंगल, जलवायु और अंततः मानव जीवन भी संकट में पड़ जाता है।

मोबाइल स्क्रीन के पीछे फैलता यह काला कारोबार अब केवल पर्यावरणीय अपराध नहीं, बल्कि अंतराष्ट्रीय संगठित अपराधों का बड़ा तंत्र बन चुका है। इससे अर्जित धन आतंकवाद, हथियार तस्करी और अन्य गैरकानूनी गतिविधियों तक पहुंचता है। सोशल मीडिया ने इसे तेज, सरल और सुरक्षित बना दिया है।

साहब की घड़ी

कुमार कृष्णन

इस देश में समय का हाल वही है जो किसी सरकारी अस्पताल के वेंटिलेटर का—धड़कन चल रही है, पर भरोसा किसी को नहीं। लोग कहते हैं "समय बीत रहा है", जबकि सच्चाई यह है कि हम बीत रहे हैं और समय हमें किसी पुराने अखबार की तरह रद्दी के भाव तौल रहा है।

एक महाशय थे, जो 'पंचवर्षीय योजनाओं' की तरह अपना भविष्य बुन रहे थे। उन्हें गुमान था कि वे समय के सारथी हैं। वे हाथ में ऐसी 'स्मार्ट' घड़ी बाँधते थे जो उनके दिल की धड़कन से लेकर उनके बैंक बैलेंस तक का हिसाब रखती थी। पर उस दिन मामला 'ऊपर की अदालत' का था। सुबह-सुबह उनके घर के बाहर एक अदामी आकर खड़ा हो गया, जिसके चेहरे पर वैसी ही शांति थी जैसी किसी घोटाले की फाइल दब जाने के बाद किसी मंत्री के चेहरे पर होती है। साहब ने पूछा, कौन हो भाई? यहाँ क्यों धरना दे रखा है? वह बोला, हुजूर, मैं समय का पटवारी हूँ। आपकी सांसों का खसरा-खतौनी जाँचने आया हूँ। सुना है आप वक्त को मुट्ठी में करने की फिराक में हैं? साहब बिफर पड़े, अबे, जा यहाँ से! हम वर्तमान के मालिक हैं और भविष्य के सट्टेबाज। पटवारी मुस्कुराया-वैसी ही मुस्कान जैसे शेर शिकार को देखकर 'शाकाहार' पर प्रवचन देने से पहले देता है। वह बोला, मालिक, आप तो 'धोबी के कुत्ते' वाली स्थिति में हैं। वर्तमान आपको पहचानता नहीं और भविष्य ने अभी गोद लिया नहीं। आप तो बस उस 'ट्रैफिक' की तरह लटके हैं जो सोचता है कि स्वर्ग जा रहा है, पर असल में ग्रेविटी का शिकार है। शहर में शोर मच गया कि साहब का 'वक्त' रुक गया है। साहब ने सेल बदला, घड़ी पटकी, यहाँ तक कि कैलेंडर के पन्ने भी फाड़ दिए। पर अजीब बात! बाहर सूरज ढल ही नहीं रहा था। चिड़ियाँ हवा में रुकी थीं और साहब की चाय का धुआं भी किसी 'स्टैच्यू' की तरह खड़ा था। साहब को लगा कि वे अमर हो गए। उन्होंने अपनी पत्नी को पुकारा, पर पत्नी की आवाज ऐसे फंसी थी जैसे किसी 'वफादार' करते हुए वीडियो की तस्वीर। वे समझ गए-यह वरदान नहीं, यह 'सस्पेंस' का चरम है। क्या वे मर चुके हैं? या खुदा ने उनके लिए समय का चक्का 'हाफ-क्लच' पर छोड़ दिया है? तभी उस पटवारी की आवाज आई, साहब, इसे कहते हैं 'सन्नाटा'। जब इंसान खुद को वक्त से ऊपर समझने लगता है, तब वक्त उसे अपनी लाइब्रेरी की एक ऐसी किताब बना देता है जिसे कोई नहीं पढ़ता। आप अपनी 'महिमा' के विज्ञापन छापते रहे, और यहाँ समय ने आपकी 'एक्सपायरी डेट' पर अपनी मुहर लगा दी। साहब घिघियाने लगे, कोई तो रास्ता होगा? कोई तो रिश्वत? कोई तो गॉडफादर? पटवारी ने एक कागज निकाला और कहा, रास्ता एक ही है। अपनी इस 'मैं' वाली घड़ी को उतारकर उस ईश्वर की खूँटी पर टाँग दो, जो बिना सुइयों के ब्रह्मांड चला रहा है। वरना आप 'माया मिली न राम' वाले मुहावरे का जीता-जागता विज्ञापन बन जाएंगे। साहब ने कांपते हाथों से अपनी स्मार्ट घड़ी उतारी। जैसे ही घड़ी जमीन पर गिरी, अचानक सब कुछ तेजी से घूमने लगा। सूरज बिजली की रफ़्तार से डूबा और उगा। साहब को लगा कि अब वे बच गए, अब वे भविष्य की गोद में हैं।

हवा चली, सन्नाटा टूटा। साहब ने चैन की सांस ली और अपने चेहरे पर हाथ फेरा। पर हाथ को चेहरा मिला ही नहीं! सामने वही पुराना पटवारी खड़ा था, जो अब हाथ में एक झाड़ू लिए फर्श साफ कर रहा था। साहब ने चीखकर पूछा, मैं कहाँ हूँ? मेरा भविष्य कहाँ है? पटवारी ने इत्मीनान से जवाब दिया, साहब, आप भविष्य की चिंता कर रहे थे, जबकि आप पिछले दस मिनट से एक 'संस्मरण' बन चुके हैं।

अभी जो आपने जीया, वह आपकी आत्मा का 'एक्जिट पोल' था। अब आप न वर्तमान में हैं, न भविष्य में। आप बस इस कहानी का एक 'फुल स्टॉप' हैं, जिसे पाठक पढ़कर पन्ना पलटने वाला है।

हनुमानगढ़ी: अयोध्या का सुरक्षा द्वार क्यों कहा जाता है?

अयोध्यः रामनगरी अयोध्या में स्थित हनुमानगढ़ी केवल एक मंदिर नहीं, बल्कि आस्था, सुरक्षा और रामभक्ति का प्रतीक मानी जाती है। इतना ही नहीं, अयोध्या का सिद्ध पीठ रहस्य से भरा पड़ा सिद्ध पीठ हनुमानगढ़ी में जैसे ही आप प्रवेश करेंगे, वैसे ही आपको तामपत्र से लपेटा एक स्तंभ नजर आएगा और खास बात ये है कि इस स्तंभ के बारे में कहा जाता है कि हनुमान जी महाराज ने स्वयं इसे लगाया था, जो अयोध्या की रक्षा का भी प्रतीक माना जाता है। यही वजह है कि हनुमानगढ़ी को अयोध्या का सुरक्षा द्वार कहा जाता है। मान्यता है कि जो भी श्रद्धालु रामलला के दर्शन के लिए अयोध्या आता है, वह सबसे पहले हनुमानगढ़ी में बजरंगबली के दर्शन करता है, तभी उसकी यात्रा पूर्ण मानी जाती है।

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, जब भगवान श्रीराम लंका विजय के बाद अयोध्या लौटे थे, तब उन्होंने अपने परम भक्त हनुमान जी को अयोध्या की रक्षा का दायित्व सौंपा था। कहा जाता है कि जिस स्थान पर आज हनुमानगढ़ी स्थित है, वहीं हनुमान जी निवास करते थे और पूरी अयोध्या की सुरक्षा करते थे। इसी कारण यह स्थान अयोध्या का प्रहरी और सुरक्षा द्वार कहलाया।

आध्यात्मिक किला का प्रतीक

हनुमानगढ़ी का इतिहास भी बेहद रोचक माना जाता है। यहां पहुंचने के लिए श्रद्धालुओं को लगभग 76 सीढ़ियां चढ़नी पड़ती हैं। मंदिर परिसर किलेनुमा संरचना में बना हुआ है, जो इसकी सुरक्षा से जुड़ी मान्यताओं को और मजबूत करता है। मान्यता है कि त्रेता युग में यहां से पूरी अयोध्या पर नजर रखी जाती थी। यही वजह है कि हनुमानगढ़ी को केवल मंदिर नहीं, बल्कि आध्यात्मिक किला भी कहा जाता है।

विजय और सुरक्षा परंपरा से जुड़ी मान्यता

अयोध्या के विद्वान पवन दास शास्त्री बताते हैं कि हनुमानगढ़ी के आसपास जामवंत किला, सुग्रीव किला और प्रभु श्रीराम का राजमहल स्थित था। लंका विजय के बाद युद्ध से जुड़े कई विजय प्रतीक भी यहां लाकर सुरक्षित रखे गए थे। यही कारण है कि इस स्थान का संबंध केवल भक्ति से नहीं, बल्कि रामायण कालीन विजय और सुरक्षा परंपरा से भी जुड़ा हुआ है।

हनुमानगढ़ी में विराजमान बाल हनुमान की प्रतिमा भक्तों के बीच विशेष आकर्षण का केंद्र है। यहां हर दिन हजारों श्रद्धालु पहुंचते हैं और मान्यता है कि सच्चे मन से प्रार्थना करने पर हनुमान जी भक्तों की सभी बाधाएं दूर करते हैं। इतना ही नहीं, हनुमान जी महाराज चारों युग में विराजमान हैं और अयोध्या की रक्षा करते हैं। खास बात यह है कि इस स्तंभ में गीता के श्लोक भी अंकित किए गए हैं। दूर-दराज से आने वाले श्रद्धालु यहां दर्शन-पूजन कर पुण्य को अर्जित करते हैं और अपनी रक्षा के लिए कामना भी करते हैं।

नौतपा शुरू, अगले 9 दिन क्या करें और क्या नहीं?

देशभर में तपिश बढ़ाने वाली नौतपा की शुरुआत आज से हो रही है। दोपहर 3:37 पर सूर्य के बड़े गोचर के साथ यह दौर और भी अहम माना जा रहा है। मान्यता है कि अगले 9 दिन तीव्र गर्मी के साथ धार्मिक और ज्योतिषीय दृष्टि से बेहद संवेदनशील होते हैं। ऐसे में क्या करें और क्या नहीं? साथ ही इन नियमों और परंपराओं का ध्यान रखें और इन 9 दिन क्या दान करना पुण्यदायी रहेगा।

भीषण गर्मी और तेज धूप के लिए प्रसिद्ध नौतपा आज से शुरू हो गया है। वैदिक ज्योतिष गणना के अनुसार, ग्रहों के राजा सूर्यदेव आज दोपहर 3 बजकर 37 मिनट पर शीतल चंद्रमा के रोहिणी नक्षत्र में गोचर करने जा रहे हैं। इसी के साथ नौ दिनों तक चलने वाले नौतपा का आरंभ माना जाएगा। धार्मिक और वैज्ञानिक दृष्टि से नौतपा का विशेष महत्व बताया गया है। मान्यता है कि इन नौ दिनों में सूर्य की तपिश सबसे अधिक होती है और इसका प्रभाव मौसम, कृषि और मानव जीवन पर पड़ता है। ज्योतिषाचार्यों के अनुसार, जब सूर्य रोहिणी नक्षत्र में प्रवेश करता है तब पृथ्वी पर गर्मी अपने चरम पर पहुंचती है। अगर नौतपा के दौरान तेज गर्मी पड़ती है तो आने वाले मानसून में अच्छी बारिश होने की संभावना बढ़ जाती है। किसानों के लिए भी यह समय बेहद महत्वपूर्ण माना जाता है, क्योंकि अच्छी वर्षा से खेती को लाभ मिलता है।

नौतपा का धार्मिक महत्व

धार्मिक मान्यता के अनुसार, नौतपा के दौरान सूर्यदेव की पूजा करने और जल अर्पित करने से विशेष पुण्य प्राप्त होता है। इन दिनों में तप, दान और सेवा का महत्व कई गुना बढ़ जाता है। कहा जाता है कि सूर्यदेव की कृपा से स्वास्थ्य अच्छा रहता है और जीवन में सकारात्मक ऊर्जा बनी रहती है। पंडितों के अनुसार, नौतपा में सुबह जल्दी उठकर स्नान करना और सूर्य को तांबे के लोटे से जल अर्पित करना शुभ माना जाता है। जल अर्पित करते समय ॐ घृणि सूर्याय नमः मंत्र का जाप करने से मानसिक शांति और ऊर्जा मिलती है।

नौतपा में क्या करें?

नौतपा के दौरान शरीर को गर्मी से बचाना बेहद जरूरी माना जाता है। विशेषज्ञों का कहना है कि इन दिनों अधिक से अधिक पानी पीना चाहिए और हल्का भोजन करना चाहिए। घर से बाहर निकलते समय सिर को ढककर रखना लाभदायक होता है। धार्मिक दृष्टि से इन नौ दिनों में गरीबों और जरूरतमंदों को जल, छाता, सत्तू, आम, खरबूजा, तरबूज और ठंडी चीजों का दान करना शुभ माना गया है। पक्षियों के लिए पानी की व्यवस्था करना और गायों को हरा चारा खिलाना भी पुण्यदायी माना जाता है।

नौतपा में इन कार्यों को विशेष फलदायी माना गया है—

सूर्यदेव को 9 दिन तक अर्घ्य देना बेहद शुभ

जल से भरे पात्र का दान करना

गरीबों को शीतल पेय पदार्थ वितरित करना

पीपल और तुलसी में जल चढ़ाना

पक्षियों के लिए दाना-पानी रखना

नौतपा में क्या ना करें?

ज्योतिषाचार्यों के अनुसार, नौतपा के दौरान अत्यधिक धूप में निकलने से बचना चाहिए। दोपहर के समय खाली पेट घर से बाहर निकलना स्वास्थ्य के लिए हानिकारक हो सकता है। तामसिक भोजन, अधिक तेल-मसाले वाली चीजें और बासी भोजन से परहेज करने की सलाह दी जाती है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, इन दिनों जल का अपमान नहीं करना चाहिए और पेड़-पौधों को नुकसान पहुंचाने से बचना चाहिए। क्रोध और विवाद से दूर रहकर शांत स्वभाव बनाए रखना भी शुभ माना गया है।

नौतपा में इन चीजों का करें दान

नौतपा में दान-पुण्य का विशेष महत्व बताया गया है। मान्यता है कि इस दौरान किए गए दान से सूर्यदेव प्रसन्न होते हैं और जीवन में सुख-समृद्धि आती है। इन नौ दिनों में विशेष रूप से इन **चीजों का दान करना लाभकारी माना गया है।**

मिट्टी के घड़े, सत्तूच,गुड़,जल से भरे कलश,पंखा,छाता,फल और शीतल पेय, वस्त्र और चप्पल

हर समय बना रहता है कन्फ्यूजन और डर?

कुंडली में राहु-चंद्र की युति देता है मानसिक तनाव!

आजकल छोटी-छोटी बातों पर तनाव, बेचैनी और मन का अस्थिर होना आम बात बन चुका है। कई लोग बिना किसी बड़ी वजह के अंदर ही अंदर घुटते रहते हैं, रात में नींद नहीं आती, मन हर समय उलझा रहता है। ज्योतिष शास्त्र में इसका संबंध सिर्फ परिस्थितियों से नहीं बल्कि ग्रहों की चाल और कुंडली में उनकी स्थिति से भी जोड़ा जाता है। खासकर चंद्रमा को मन का कारक माना गया है, अगर कुंडली में चंद्रमा कमजोर हो जाए या राहु, शनि जैसे ग्रहों के साथ अशुभ स्थिति में आ जाए तो व्यक्ति मानसिक रूप से काफी परेशान रहने लगता है।

ज्योतिषाचार्यों का मानना है कि कई बार डिप्रेशन, डर, भ्रम और नकारात्मक सोच के पीछे ग्रहों का गहरा असर छिपा होता है। ऐसे में चंद्रमा और दूसरे ग्रहों की युति को समझना बेहद जरूरी माना जाता है।

मन और भावनाओं का स्वामी है चंद्रमा

ज्योतिष शास्त्र में चंद्रमा को मन, भावनाओं और मानसिक संतुलन का ग्रह माना जाता है। जिस तरह सूर्य के बिना जीवन अधूरा माना जाता है, उसी तरह चंद्रमा के बिना मानसिक शांति की कल्पना भी मुश्किल मानी जाती है, अगर किसी व्यक्ति की कुंडली में चंद्रमा मजबूत हो तो वह इंसान मुश्किल हालात में भी खुद को संभाल लेता है। वहीं कमजोर चंद्रमा व्यक्ति को भावुक, अस्थिर और तनावग्रस्त बना सकता है। ज्योतिषाचार्यों के मुताबिक कई लोगों का स्वभाव अचानक बदलने लगता है। कभी बहुत खुश तो कभी बेहद उदास रहना भी कमजोर चंद्रमा का संकेत माना जाता है।

चंद्रमा और राहु की युति क्यों मानी जाती है खतरनाक?

हर समय बना रहता है कन्फ्यूजन

अगर कुंडली में चंद्रमा और राहु एक ही राशि में हों तो इसे ज्योतिष में बेहद संवेदनशील स्थिति माना जाता है। खासकर तब जब दोनों ग्रहों के बीच डिग्री का अंतर सही तरीके से बन रहा हो। ऐसे लोग अक्सर किसी भी फैसले को लेकर दुविधा में फंसे रहते हैं। मन हर समय उलझा रहता है और छोटी बात भी उन्हें अंदर तक परेशान कर देती है। ऐसे लोगों में भौतिक सुख पाने की चाह ज्यादा देखी जाती है, लेकिन संतोष की कमी बनी रहती है। बाहर से सब कुछ ठीक दिखने के बावजूद मन बेचैन रहता है।

खाली बैठना बढ़ा सकता है तनाव

ज्योतिष विशेषज्ञ मानते हैं कि जिन लोगों की कुंडली में राहु और चंद्रमा की युति होती है, उन्हें हमेशा खुद को व्यस्त रखना चाहिए, अगर ऐसे लोग लंबे समय तक खाली बैठे रहें तो नकारात्मक सोच तेजी से बढ़ने लगती है। कई बार यही स्थिति एंजायटी और डिप्रेशन का कारण भी बन सकती है। शनि और चंद्रमा साथ हों तो बढ़ सकती है उदासी

सपनों और नींद पर भी पड़ता है असर

कुंडली में शनि और चंद्रमा की युति को भी मानसिक तनाव का बड़ा कारण माना जाता है। ऐसे लोग अक्सर अंदर ही अंदर घुटते रहते हैं। कई बार सब कुछ होने के बावजूद उन्हें खुशी महसूस नहीं होती। रात में डरावने सपने आना, पुरानी बातें याद आना या बेचैनी में नींद टूटना भी इस योग का असर माना जाता है। ज्योतिषाचार्यों के अनुसार अगर शनि और चंद्रमा बहुत करीब हों तो व्यक्ति का मन भारी रहने लगता है। वह छोटी-छोटी बातों को लेकर जरूरत से ज्यादा सोचने लगता है।

अष्टम भाव में बने तो बढ़ सकती हैं परेशानियां

अगर कुंडली के अष्टम भाव में शनि और चंद्रमा साथ बैठे हों तो व्यक्ति की इच्छा शक्ति कमजोर हो सकती है। ऐसे लोग कई बार अपने लक्ष्य को लेकर उत्साह खो देते हैं। जीवन में सफलता देर से मिलने की वजह से भी तनाव बढ़ सकता है।

चंद्र-बुध की युति भी कर सकती है परेशान

ज्योतिष में चंद्रमा और बुध को मानसिक स्थिति से जुड़ा ग्रह माना गया है, अगर इन दोनों पर राहु, केतु या शनि की दृष्टि पड़ जाए तो व्यक्ति बेहद संवेदनशील हो सकता है। छोटी-सी बात भी उसे गहराई तक प्रभावित कर देती है। ऐसे लोग कई बार दूसरों की बातों को दिल पर ले लेते हैं और धीरे-धीरे अकेलेपन की तरफ बढ़ने लगते हैं। यही वजह है कि ज्योतिषाचार्य मानसिक तनाव महसूस होने पर कुंडली का विश्लेषण करवाने की सलाह देते हैं।

भगवान शिव की पूजा क्यों मानी जाती है असरदार?

ज्योतिष शास्त्र में चंद्रमा का संबंध भगवान शिव से माना गया है। यही कारण है कि मानसिक तनाव या चंद्र दोष होने पर शिव उपासना को बेहद लाभकारी बताया जाता है। "ॐ नमः शिवाय" मंत्र का नियमित जाप मन को शांत करने में मददगार माना जाता है।

मान्यता है कि रोज करीब 24 मिनट तक श्रद्धा से इस मंत्र का जाप करने से धीरे-धीरे मन की बेचैनी कम होने लगती है। कई लोग सोमवार का व्रत, शिवलिंग पर जल चढ़ाना और ध्यान लगाने को भी फायदेमंद मानते हैं।

ज्योतिष शास्त्र में चंद्रमा को मन का आईना कहा गया है, अगर कुंडली में राहु, शनि या दूसरे अशुभ ग्रह चंद्रमा को प्रभावित करें तो व्यक्ति मानसिक रूप से कमजोर महसूस कर सकता है। हालांकि सही मार्गदर्शन, सकारात्मक सोच और आध्यात्मिक उपायों से हालात को काफी हद तक बेहतर बनाया जा सकता है।

शाम होते ही घर के इन 2 कोनों में जरूर करें रोशनी

सूर्यास्त के बाद का समय सिर्फ दिन और रात के बीच का बदलाव नहीं माना जाता, बल्कि ज्योतिष और वास्तु शास्त्र में इसे बेहद संवेदनशील समय बताया गया है। पुराने समय में दादी-नानी अक्सर कहती थीं कि "शाम ढलते ही घर में अंधेरा नहीं होना चाहिए", लेकिन इसके पीछे सिर्फ परंपरा नहीं बल्कि गहरा ज्योतिषीय महत्व भी जुड़ा है। मान्यता है कि संध्याकाल में सकारात्मक और नकारात्मक ऊर्जाएं सबसे ज्यादा सक्रिय रहती हैं। ऐसे में अगर घर के कुछ हिस्से अंधेरे में डूबे रहें, तो राहु, केतु और अलक्ष्मी जैसी नकारात्मक शक्तियों का प्रभाव बढ़ सकता है।

यही वजह है कि वास्तु और ज्योतिष दोनों में शाम के समय दीपक जलाने और घर को रोशन रखने की सलाह दी जाती है। खासतौर पर घर के दो हिस्सों में कभी अंधेरा नहीं रहने देना चाहिए, वरना सुख-शांति और धन पर असर पड़ सकता है।

संध्याकाल को क्यों माना जाता है खास?

ज्योतिष शास्त्र में संध्या का समय देवताओं और ग्रहों की ऊर्जा से जुड़ा माना गया है। यह वह समय होता है जब सूर्य अपनी अंतिम किरणें छोड़ता है और चंद्रमा की ऊर्जा सक्रिय होने लगती है। मान्यता है कि इसी समय माता लक्ष्मी पृथ्वी भ्रमण करती हैं और जिन घरों में साफ-सफाई व प्रकाश होता है, वहां उनका प्रवेश होता है। पुराने घरों में आपने देखा होगा कि शाम होते ही तुलसी के पास दीपक जलाया जाता था। यह सिर्फ धार्मिक परंपरा नहीं बल्कि ऊर्जा संतुलन का एक तरीका माना जाता है। वास्तु विशेषज्ञों के अनुसार, शाम के समय घर में अंधेरा रहने से मानसिक तनाव, चिड़चिड़ापन और आर्थिक अस्थिरता जैसी समस्याएं धीरे-धीरे बढ़ने लगती हैं।

मुख्य द्वार पर अंधेरा बढ़ा सकता है राहु का प्रभाव

घर का प्रवेश द्वार होता है ऊर्जा का रास्ता

वास्तु शास्त्र के मुताबिक घर का मुख्य द्वार सिर्फ आने-जाने का रास्ता नहीं, बल्कि सकारात्मक और नकारात्मक ऊर्जा का प्रवेश द्वार भी होता है, अगर शाम के समय यहां अंधेरा रहता है, तो राहु और नकारात्मक शक्तियों का प्रभाव बढ़ने लगता है। कई लोग दिनभर की भागदौड़ में बाहर की लाइट जलाना भूल जाते हैं। धीरे-धीरे घर में बिना वजह तनाव, पैसों की तंगी या परिवार में छोटी-छोटी बातों पर झगड़े बढ़ने लगते हैं। ज्योतिष में इसे ऊर्जा असंतुलन से जोड़कर देखा जाता है।

क्या करें उपाय?

सूर्यास्त के तुरंत बाद मुख्य द्वार पर हल्की लेकिन साफ रोशनी जरूर रखें, अगर संभव हो तो सरसों के तेल का दीपक जलाएं। मान्यता है कि इससे राहु-दोष शांत होता है और माता लक्ष्मी का आशीर्वाद बना रहता है। साथ ही मुख्य दरवाजे के आसपास गंदगी बिल्कुल न रहने दें।

ईशान कोण में अंधेरा बन सकता है वास्तु दोष की वजह

देवताओं का स्थान माना जाता है यह कोना घर की उत्तर-पूर्व दिशा यानी ईशान कोण को सबसे पवित्र दिशा माना गया है। ज्यादातर घरों में मंदिर या पूजा स्थान इसी दिशा में बनाया जाता है। ज्योतिष शास्त्र के अनुसार इस दिशा पर गुरु ग्रह और देव ऊर्जा का प्रभाव रहता है, अगर शाम के समय पूजा घर या ईशान कोण अंधेरे में रहता है, तो घर में मानसिक तनाव, निर्णय लेने में भ्रम और आर्थिक रुकावटें बढ़ सकती हैं। कई बार लोग महसूस करते हैं कि बिना वजह घर का माहौल भारी-भारी सा लगने लगा है। वास्तु में इसे नकारात्मक ऊर्जा का संकेत माना जाता है।

दीपक जलाने से मिलता है सकारात्मक प्रभाव

शाम के समय पूजा घर में घी का दीपक जलाना बेहद शुभ माना जाता है, अगर रोज दीपक जलाना संभव न हो, तो कम से कम एक छोटी रोशनी जरूर रखें। मान्यता है कि इससे गुरु ग्रह मजबूत होता है और घर में शांति बनी रहती है।

रसोई में अंधेरा क्यों नहीं होना चाहिए?

वास्तु में रसोई को माता अन्नपूर्णा का स्थान कहा गया है। शाम के समय अगर किचन पूरी तरह अंधेरा रहता है, तो इसका असर घर की सेहत और आर्थिक स्थिति पर पड़ सकता है। कई ज्योतिषाचार्य मानते हैं कि रसोई में हल्की रोशनी बनाए रखने से घर में अन्न और धन की कमी नहीं होती। यही वजह है कि पुराने समय में लोग रात में भी रसोई में छोटा दीपक जलाकर रखते थे।

ड्यूटी पहले या स्वागत ? शास्त्री जी की इस कहानी से समझिए डीएम की ईमानदारी की अनोखी मिसाल

लालबहादुर शास्त्री देश के गृहमंत्री थे। एक बार वह किसी सरकारी काम से इटावा गए। उन दिनों राजेश्वर प्रसाद वहां के जिला मैजिस्ट्रेट थे। जब शास्त्री जी पहुंचे तो राजेश्वर प्रसाद की जगह वहां के अतिरिक्त जिला मैजिस्ट्रेट ने शास्त्री जी का स्वागत किया। कुछ देर बाद शास्त्री जी अतिरिक्त जिला मैजिस्ट्रेट से बोले, राजेश्वर प्रसाद आज क्यों नहीं आए। उन्हें तो इस कार्यक्रम में आना था।

अतिरिक्त जिला मैजिस्ट्रेट बोले, आते तो वही, लेकिन अचानक एक महत्वपूर्ण जांच आ गई। उस जांच में उनका रहना बहुत जरूरी था। ऐसे में उन्होंने मुझे आपका स्वागत करने के लिए भेज दिया।

शास्त्री जी मुस्कराकर चुप हो गए। अतिरिक्त जिला मैजिस्ट्रेट का जवाब सुनकर सभी सोचने लगे कि अब राजेश्वर प्रसाद की नौकरी गई। अरे, बोल देते कि वह बीमार हो गए या कोई और बात हो गई। इससे कम से कम जिला मैजिस्ट्रेट की नौकरी तो बच जाती। लोग अपने कयास लगाते रहे, मगर किसी को खबर नहीं थी कि शास्त्री जी अपना मन बना चुके थे। कुछ समय बाद ही जिला मैजिस्ट्रेट के पास खबर पहुंची कि उन्हें गृहमंत्री का निजी सचिव बना दिया गया है।

खबर पाकर मैजिस्ट्रेट राजेश्वर प्रसाद दंग रह गए। वह स्वयं से ही बोले, कमाल की बात है, न तो मैं गृहमंत्री से मिला, न कोई बातचीत हुई। मेरे बारे में बिना कुछ जाने उन्होंने मुझे अपना निजी सचिव नियुक्त कर दिया। तभी अतिरिक्त जिला मैजिस्ट्रेट उनके पास आए और बोले, सर, यह आपको आपकी ड्यूटी के प्रति निष्ठा एवं ईमानदारी का इनाम मिला है। यह सुनकर राजेश्वर प्रसाद बोले, कितना अच्छा हो यदि सारे मंत्री ड्यूटी के प्रति निष्ठावान लोगों को उचित सम्मान दें।

डर के कारण हमारे मन में कई तरह के भ्रम और गलत विचार पैदा हो जाते हैं

हमारे लिए डर भी एक समस्या है। डर के कारण हमारे मन में कई तरह के भ्रम और गलत विचार पैदा हो जाते हैं। ये बातें हमें दुखी और चिंतित बनाती हैं। कई बार इंसान छोटी बातों को भी बड़ा समझने लगता है और आत्मविश्वास खो देता है। यदि हम अपने दुखों और परेशानियों से छुटकारा पाना चाहते हैं, तो हमें अपने डर को दूर करना होगा और अपने असली स्वरूप को समझना होगा। हमें अपनी शक्ति को पहचानना चाहिए और आत्मविश्वास बनाए रखना चाहिए, तभी जीवन में सफलता मिलती है।

रणवीर सिंह को फिल्म वर्कर्स एसोसिएशन ने बैन किया

फिल्म इंडस्ट्री को उनके साथ काम ना करने की हिदायत; डॉन-3 छोड़ने पर फरहान ने शिकायत की थी

बॉलीवुड एक्टर रणवीर सिंह पर 'फेडरेशन ऑफ वेस्टर्न इंडिया सिने एम्प्लॉइज' ने बैन लगा दिया है। यह फैसला सोमवार शाम को फिल्म 'डॉन 3' को लेकर फिल्ममेकर और एक्टर फरहान अख्तर के साथ हुए विवाद के बाद लिया गया। दरअसल, रणवीर सिंह के अचानक इस फिल्म से बाहर होने के बाद फरहान ने वर्कर्स एसोसिएशन से इसकी शिकायत की थी।

फरहान का कहना है कि फिल्म का प्री प्रोडक्शन शुरू हो गया था, इसके बाद रणवीर ने फिल्म छोड़ दी। इससे फिल्म मेकर्स को 45 करोड़ रुपए का नुकसान हुआ है। FWICE ने मामले में रणवीर सिंह के खिलाफ नॉन-कोऑपरेशन डायरेक्टिव (असहयोग निर्देश) जारी कर दिया है।

पूरी फिल्म इंडस्ट्री को सख्त हिदायत दी गई है कि कोई भी रणवीर के साथ काम न करे।

रणवीर को भेजे गए थे तीन रिमाइंडर

FWICE ने मामले की निष्पक्ष जांच के लिए रणवीर सिंह को खुद पेश होने के लिए कहा था ताकि उनका पक्ष भी समझा जा सके। फेडरेशन ने उन्हें 22 अप्रैल, 30 अप्रैल और 13 मई 2026 को लगातार तीन रिमाइंडर भेजे।

इसके बाद रणवीर सिंह की तरफ से जवाब आया कि शिकायतकर्ताओं की समस्याओं के

समाधान के लिए FWICE सही मंच नहीं है। एक्टर के मुताबिक, यह पूरा मामला कॉन्ट्रैक्ट की शर्तों से जुड़ा है और इसके लिए उचित कानूनी मंच या कोर्ट का रुख करना होगा।

क्या है डॉन 3 का पूरा विवाद?

डॉन 3 कास्टिंग विवाद पर आज करीब 5 बजे मुंबई में फेडरेशन द्वारा एक प्रेस कॉन्फ्रेंस का आयोजन किया गया। इस प्रेस कॉन्फ्रेंस में विवाद पर हुए आधिकारिक फैसले की जानकारी दी गई। दरअसल फरहान अख्तर ने साल 2023 में फिल्म डॉन 3 की घोषणा, एक्टर रणवीर सिंह के साथ की थी।

1978 में आई अमिताभ बच्चन स्टारर फिल्म डॉन और शाहरुख स्टारर डॉन (2006) के बाद ये डॉन फ्रैंचाइजी की तीसरी फिल्म है। अनाउंसमेंट के समय कियारा आडवाणी को फिल्म में कास्ट किया गया था। लेकिन प्रेग्नेंसी और मेटरनिटी ब्रेक के चलते कियारा ने फिल्म छोड़ दी, जिसके बाद कृति सेनन को कास्ट करने की खबरें रहीं।

ये फिल्म फरहान अख्तर, होम प्रोडक्शन एक्सेल एंटरटेनमेंट के बैनर तले बना रहे थे। डॉन 3 को जारी रखने लिए फरहान ने अपनी दूसरी फिल्म जी ले जरा पोस्टपोन कर दी।

फिल्म डिले होने पर रणवीर सिंह धुरंधर में व्यस्त हो गए। रिपोर्ट्स थीं कि 2025 में डॉन 3 की शूटिंग शुरू होगी, लेकिन फिर अचानक रणवीर सिंह ने फिल्म छोड़ दी।

मेकर्स का आरोप है कि रणवीर स्क्रिप्ट में हस्तक्षेप कर रहे थे। वो गाली-गलौज और हिंसक सीन की मांग कर रहे थे, लेकिन मेकर्स इस पर राजी नहीं हुए। मिड डे की रिपोर्ट में दावा किया गया कि रणवीर ने फिल्म छोड़ दी है और वो जल्द ही फिल्म का साइनिंग अमाउंट भी लौटा देंगे। जबकि मेकर्स पहले ही प्री-प्रोडक्शन, डिले और री-वर्क के चलते फिल्म पर खर्च कर चुके थे।

इस पर फरहान अख्तर ने प्रोड्यूसर्स गिल्ड में शिकायत कर 45 करोड़ हर्जाने की मांग की। उनका कहना था कि प्री-प्रोडक्शन, शूटिंग शेड्यूल में बदलाव के चलते उनका भारी नुकसान हुआ है। तब आमिर खान ने भी बीच-बचाव की कोशिश की, लेकिन बात नहीं बनी। प्रोड्यूसर गिल्ड ने दोनों पक्षों को सुलह का समय भी दिया, लेकिन हल तब भी नहीं निकला।

पुलिसिया अंदाज में करिश्मा कपूर ने की वापसी

अभिनेत्री करिश्मा कपूर आखिरी बार 2024 में 'मर्डर मुबारक' में नजर आई थी। एक समय अपने रोमांटिक किरदारों के लिए जानी जाने वाली एक्ट्रेस अब 'ब्राउन' में नजर आने वाली हैं। इस वेबसीरीज का टीजर भी रिलीज हो चुका है। जिससे एक्ट्रेस के फैंस काफी खुश हैं।

'ब्राउन' में पुलिस अधिकारी बनेंगी एक्ट्रेस

वेब सीरीज 'ब्रउन' में अभिनेत्री करिश्मा कपूर पुलिस अधिकारी के रूप में नजर आएंगी। टीजर के मुताबिक वह रीटा ब्राउन का किरदार निभाएंगी। जो एक ईमानदार पुलिस अधिकारी है। इसके साथ ही वह एक बहुत ही गंभीर केस की जांच कर रही है। अपने व्यक्तिगत जीवन में वह कई समस्याओं से जूझ रही है। मगर वह अपने फर्ज को शिद्दत से निभाती है।

'सिटी ऑफ डेथ' उपन्यास पर आधारित

वेब सीरीज 'ब्राउन' की कहानी मुख्य रूप से उपन्यास 'सिटी ऑफ डेथ' पर आधारित है। जिसे 2016 में अभेक बरुआ ने लिखा था। सीरीज का मुख्य किरदार रीता ब्राउन एक तेजतर्रार पुलिस अधिकारी है। जो अपने आस -पास की दुनिया से ऊभ चुकी है। इसके साथ ही वह शराब की लत से जूझ रही है। यह सीरीज टीजर देखने पर किसी साइकोलॉजिकल क्राइम ड्रामा जैसी लग रही है।

कब रिलीज होगी सीरीज ?

वेबसीरीज 'ब्राउन' से सिर्फ करिश्मा ही नहीं बल्कि हेलेन भी अभिनय की दुनिया में वापसी कर रही हैं। इसके साथ ही सीरीज में सोनिया राजदान, सूर्या शर्मा और के. के. रैना भी सीरीज में अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। हालांकि वेब सीरीज की रिलीज डेट की कोई आधिकारिक घोषणा अभी तक नहीं हुई है।

राजकुमार राव की बतौर निर्माता पहली थिएट्रिकल फिल्म : दशहरे पर रिलीज होगी 'रफ्तार'

साउथ एक्ट्रेस कीर्ति सुरेश भी लीड रोल में दिखेंगी

राजकुमार राव और साउथ एक्ट्रेस कीर्ति सुरेश स्टारर फिल्म 'रफ्तार' अब 16 अक्टूबर 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। फिल्म को पहले जुलाई में रिलीज किया जाना था, लेकिन अब इसे दशहरे के लंबे वीकेंड पर दर्शकों के बीच लाने का फैसला किया गया है।

फिल्म को अमेजन एमजीएम स्टूडियोज का समर्थन प्राप्त है। फिल्म का निर्माण पत्रलेखा ने अपने बैनर 'कम्पा फिल्म' के तहत किया है। यह पत्रलेखा और राजकुमार राव की बतौर निर्माता पहली थिएट्रिकल फिल्म होगी। फिल्म का निर्देशन आदित्य निम्बालकर ने किया है।

फिल्म के एग्जीक्यूटिव प्रोड्यूसर तरुण बाली हैं, जबकि कहानी और स्क्रीनप्ले रोहन नारुला ने लिखा है। फिल्म के वितरण की जिम्मेदारी पीवीआर आईनॉक्स पिक्चर्स संभालेगी। फिल्म में अनुराग ठाकुर, रोहन वर्मा, तान्या मानिकतला और रजत कपूर भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे।

महत्वाकांक्षा, सत्ता और सफलता की दौड़

'रफ्तार' एक ड्रामा फिल्म है, जो महत्वाकांक्षा, सत्ता और सफलता की दौड़ में चुकाई जाने वाली भावनात्मक कीमत को दर्शाती है। कहानी भारत की तेजी से बढ़ती एड-टेक इंडस्ट्री की पृष्ठभूमि पर आधारित है, जहां एक स्टार्टअप की तेज सफलता और उसके बाद आने वाले उतार-चढ़ाव को दिखाया जाएगा। फिल्म यह भी बताती है कि बड़े सपनों की चाहत किस तरह नैतिक सीमाओं को धुंधला कर देती है और निजी रिश्तों को प्रभावित करती है।

मलयालम अभिनेता ममूटी को तीसरी बार मिला बड़ा सम्मान

पहले उपाधि के साथ मिल चुका 'सितारों का सितारा' का खिताब

मलयालम सिनेमा के दिग्गज अभिनेता ममूटी एक बार फिर चर्चा में हैं। उन्हें केरल के महात्मा गांधी विश्वविद्यालय की तरफ से मानद डॉक्टरेट से सम्मानित किया गया है। अभिनेता को भारतीय सिनेमा में पांच दशकों से ज्यादा समय तक दिए गए उनके योगदान के लिए 'डॉक्टर ऑफ लेटर्स' (D.Litt) की उपाधि दी गई है।

ममूटी को मिला सम्मान

केरल के राज्यपाल राजेंद्र आर्लेकर ने विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह के दौरान अभिनेता को यह सम्मान दिया। यह ममूटी के लिए तीसरा मानद डॉक्टरेट है। विश्वविद्यालय ने ममूटी को मलयालम, तमिल, तेलुगु, कन्नड़, हिंदी और अंग्रेजी सहित कई भाषाओं के भारतीय सिनेमा में उनके असीम योगदान के लिए सम्मानित किया है। ममूटी ने अपने करियर में 400 से अधिक फिल्मों में अभिनय किया है। आज वह भी फिल्म उद्योग के सबसे मशहूर सितारों में से एक बने हुए हैं।

ममूटी ने जताया आभार

इस सम्मान को हासिल करने के बाद ममूटी ने सोशल मीडिया के जरिए सभी के प्रति अपना आभार व्यक्त किया है। उन्होंने एक्स पर तस्वीरें शेयर करते हुए लिखा 'आज महात्मा गांधी विश्वविद्यालय से केरल के माननीय राज्यपाल की तरफ से 'मानद डी.लिट.' प्राप्त करके मैं फख्र महसूस कर रहा हूं। आप सभी का हृदय से आभार, जिन्होंने इस यादगार सफर में हर कदम पर मेरा साथ दिया।'

पहले भी मिल चुकी उपाधि

इससे पहले उन्हें साल 2010 में कालीकट विश्वविद्यालय और केरल विश्वविद्यालय की तरफ से भी इसी तरह के सम्मान से नवाजा जा चुका है। उस समय ममूटी को 'सितारों का सितारा' कहकर संबोधित किया गया था।

ममूटी का वर्कफ्रंट

ममूटी हाल ही में फिल्म 'पैट्रियट' में नजर आए थे। इसमें मोहनलाल, फहाद फासिल और नयनतारा सहित कई कलाकारों ने अभिनय किया था। जाने-माने फिल्म निर्माता अडूर गोपालकृष्णन और ममूटी एक आगामी मलयालम फिल्म 'पदयात्रा' के लिए एक बार फिर साथ आए हैं।

क्या 'हेरा फेरी 3' से फिर पीछे हटे परेश रावल? सवाल किए जाने पर निर्देशक ने दिया जवाब

'हेरा फेरी 3' को लेकर चल रहा विवाद खत्म होता नहीं दिख रहा है। फिल्म के राइट्स की चल रही लड़ाई के बीच, खबर आईं कि लीड स्टार्स में से एक, परेश रावल ने प्रोजेक्ट छोड़ दिया है। खबर यह भी थी कि उन्होंने अपना साइनिंग अमाउंट 11 लाख रुपये 15 परसेंट ब्याज के साथ वापस भी कर दिया है। हालांकि परेश ने आधिकारिक तौर पर इसकी पुष्टि नहीं की है। फिल्म के डायरेक्टर प्रियदर्शन ने हाल ही में इस मामले पर खुलकर बात की है।

प्रियदर्शन ने दिया रिएक्शन

इकोनॉमिक टाइम्स के मुताबिक, जब उन्होंने फिल्म में परेश रावल के भविष्य के बारे में साफ करने के लिए प्रियदर्शन से संपर्क किया, तो फिल्ममेकर, जो इस आइकॉनिक फ्रेंचाइजी की तीसरी किस्त डायरेक्ट करने वाले हैं, ने कहा, 'मुझे इसकी जानकारी नहीं है।'

अक्षय ने परेश पर किया केस

यह पहली बार नहीं है जब परेश के फिल्म छोड़ने की खबर सामने आई है। 2025 में, अक्षय कुमार ने कथित तौर पर फिल्म से परेश रावल के अचानक जाने के बाद उनके खिलाफ 25 करोड़ रुपये का केस किया था। हालांकि, बाद में परेश रावल के प्रोजेक्ट में वापस आने से मामला सुलझ गया था।

अक्षय कुमार का रिएक्शन

इससे पहले शुभंकर मिश्रा से बातचीत में अक्षय कुमार ने बताया था कि यह फिल्म अभी नहीं बन रही है। उन्होंने कहा, 'हेरा फेरी 3 अभी फिलहाल तो नहीं बन रही है। मुझे खुद झटका लगा था। कोई बात नहीं, 'वेलकम' बना ली। थोड़ा कुछ मंत्र पढ़ना पड़ेगा कि सब ठीक हो जाए। अभी एक साल तो नहीं हैं। उसके बहुत सारे इश्यू हैं, ऐसा नहीं है कि हम तीनों (एक्टर्स) साथ नहीं हैं।'

मुश्किल में 'हेरा फेरी 3'

आपको बता दें कि फिल्म 'हेरा फेरी 3' शुरू से ही लीगल मुश्किल में फंसी हुई है। प्रोडक्शन हाउस सेवन आर्ट्स इंटरनेशनल ने फिल्म के मेकर्स के खिलाफ केस किया, जिसमें दावा किया गया कि साजिद नाडियाडवाला के पास सिर्फ एक फिल्म के रीमेक के राइट्स थे।

हालांकि निर्माताओं ने इसका सीक्वल बनाया। पहली फिल्म 'हेरा फेरी' फिल्म, जो 2000 में रिलीज हुई थी, इस पर सेवन आर्ट्स ने आरोप लगाया कि नाडियाडवाला ने 2006 में सीक्वल फिर हेरा फेरी बनाकर और फिर फिल्म के अधिकार अक्षय कुमार के प्रोडक्शन हाउस के समझौते का उल्लंघन किया।

फिर हर्ष मेहता के साथ दिखीं मलाइका अरोड़ा एक बार फिर तेज हुई डेटिंग की चर्चा

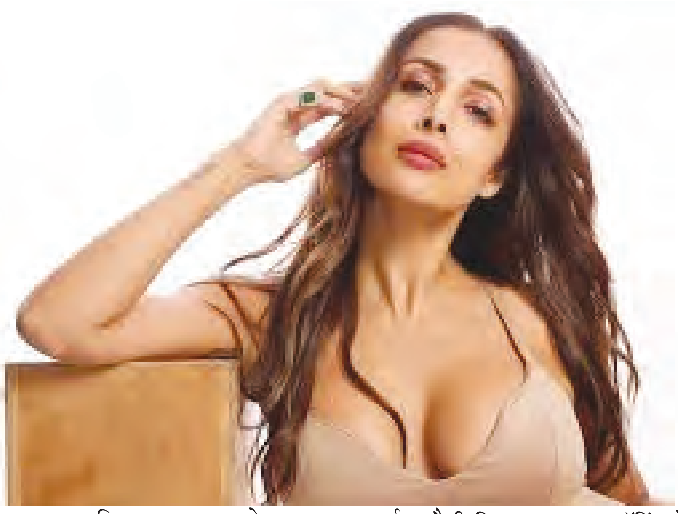

एक बार फिर मलाइका अरोड़ा का नाम हर्ष मेहता के साथ जोड़ा जा रहा है। इस बार यह मुलाकात एक शांत फैमिली आउटिंग जैसी लग रही थी, जिसमें तीनों साथ समय बिताते दिखे। इसका वीडियो अब सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।

कैमरे से बचती दिखीं मलाइका

हर्ष मेहता अपनी कार से मलाइका को लेने उनके मां के घर पहुंचे थे। इस दौरान मलाइका का पालतू कुत्ता भी उनके साथ आउटिंग पर गया। सोशल मीडिया पर सामने आए वीडियो और तस्वीरों में तीनों को एक साथ बाहर निकलते हुए देखा गया।

घर के बाहर के विजुअल्स में अरहान अपने नानी के घर से निकलते वक्त कुत्ते को पकड़े नजर आए, वहीं मलाइका उनके पीछे-पीछे चल रही थीं। अरहान, जो मलाइका और उनके एक्स हसबैंड अरबाज खान के बेटे हैं, काफी रिलैक्स दिखे और कैमरे के सामने सहज नजर आए। वहीं मलाइका ने कैमरे से बचने की कोशिश की और सिर नीचे करके चलती दिखीं।

काफी समय से चल रही हैं डेटिंग की चर्चाएं

अरहान ने ब्लैक टी-शर्ट, हल्के रंग की पैंट और थोड़ा बिखरे बालों वाला लुक कैरी किया था। यह स्पॉटिंग ऐसे समय में हुई है जब मलाइका की पर्सनल लाइफ को लेकर काफी समय से चर्चाएं चल रही हैं। हालांकि मलाइका और हर्ष ने अभी तक अपने रिश्ते को लेकर कुछ भी खुलकर नहीं कहा है, लेकिन दोनों को कई बार साथ देखा गया है।

अर्जुन कपूर से अलग होने के बाद मलाइका ने अपनी पर्सनल लाइफ को काफी प्राइवेट रखा है। लेकिन पिछले कुछ महीनों में उन्हें कई बार हर्ष मेहता के साथ देखा गया है, जिससे उनके रिश्ते को लेकर अटकलें और बढ़ गई हैं।

मलाइका अरोड़ा का वर्कफ्रंट

वर्क फ्रंट की बात करें तो मलाइका हाल ही में फिल्म 'थामा' (2025) के गाने 'पॉइजन बेबी' में नजर आई थीं। इस फिल्म में आयुष्मान खुराना, रश्मिका मंदाना, नवाजुद्दीन सिद्दीकी, परेश रावल, फैसल मलिक और एलेक्स ओ'नेल जैसे कलाकार शामिल थे।

'कलंक' के फ्लॉप होने से निराश हो गए थे वरुण डेविड धवन ने करण जौहर को लेकर कही ये बात

वरुण धवन इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'है जवानी तो इश्क होना है' को लेकर चर्चाओं में हैं। इस फिल्म का निर्देशन उनके पिता व डेविड धवन ने किया है। इस फिल्म के बाद डेविड धवन फिल्ममेकिंग से रिटायरमेंट ले रहे हैं। ऐसे में फिल्म के ट्रेलर लॉन्च के बाद डेविड धवन के सफर को ट्रिब्यूट देते हुए एक इवेंट किया गया। इसमें तमाम सेलेब्स पहुंचे। इस दौरान वरुण धवन और उनके पिता डेविड धवन ने बात भी की और मीडिया के सवालों के भी जवाब दिए। इसी दौरान पिता-पुत्र ने वरुण धवन की फ्लॉप फिल्म 'कलंक' को लेकर भी बात की। वरुण ने बताया कि 'कलंक' की असफलता के बाद वह पूरी तरह से टूट गए थे। वहीं डेविड धवन ने भी 'कलंक' के फ्लॉप होने पर करण जौहर को लेकर अपनी राय रखी।

'कलंक' बनाने के लिए करण ने बेंच दी होगी आखिरी कमीज

इवेंट के दौरान वरुण धवन ने 'कलंक' को अपने करियर की पहली फ्लॉप फिल्म बताया। उन्होंने कहा कि जब मेरी पहली फिल्म फ्लॉप हुई, जो कुछ हिट फिल्मों के बाद आई थी, तो मुझे बहुत गहरा सदमा लगा। मैं सोचने लगा था कि ये कैसे हो गया, क्यों हो गया? क्योंकि मेरी लगातार कई हिट फिल्में आ रही थीं। मेरे पिता हमेशा कहते थे कि ये करियर का नियम है।

इसी दौरान डेविड धवन ने फिल्म को लेकर बात करते हुए कहा कि इस महंगी फिल्म ने निर्माता करण जौहर की जेबें खाली कर दी होंगी। उन्होंने कहा कि उनकी एक फिल्म फ्लॉप हुई और इसने मुझे बहुत निराश किया। वो बहुत बड़ी फिल्म थी। करण जौहर ने उस फिल्म को बनाने के लिए अपनी आखिरी कमीज भी बेच दी होगी। वो फिल्म थी 'कलंक'।

डेविड धवन ने बताया कि फिल्म में अहम भूमिका निभाने वाले संजय दत्त भी इसके प्रदर्शन से नाखुश थे। उन्होंने संजय दत्त को चिढ़ाते हुए कहा कि मैंने संजय दत्त से पूछा, 'तूने ये फिल्म क्यों की? माधुरी दीक्षित थीं इसलिए?'

बॉक्स ऑफिस पर बुरी तरह फ्लॉप हुई थी 'कलंक'

करण जौहर के धर्मा प्रोडक्शन की बड़े बजट की फिल्म 'कलंक' साल 2019 में रिलीज हुई थी। फिल्म में वरुण धवन समेत एक बड़ी स्टारकास्ट नजर आई थी, जिसमें संजय दत्त, माधुरी दीक्षित, आलिया भट्ट, आदित्य रॉय कपूर और सोनाक्षी सिन्हा जैसे कलाकार शामिल हैं।

फिल्म से करण जौहर को काफी उम्मीदें थीं, लेकिन ये फिल्म बॉक्स ऑफिस पर पूरी तरह से फ्लॉप साबित हुई थी। कई मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, 'कलंक' का बजट लगभग 150 करोड़ रुपए था, लेकिन फिल्म इसके आसपास भी नहीं पहुंच पाई थी।

'है जवानी तो इश्क होना है' की बात करें तो डेविड धवन द्वारा निर्देशित इस फिल्म में वरुण धवन के साथ मृणाल ठाकुर और पूजा हेगड़े भी प्रमुख भूमिका में हैं। इसके अलावा फिल्म में मौनी रॉय, मनीष पॉल, चंकी पांडे, जिमी शेरगिल और राकेश बेगी भी अहम किरदारों में नजर आए हैं। यह फिल्म 5 जून को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

क्या पिता जितेंद्र के साथ स्क्रीन शेयर नहीं करना चाहते तुषार कपूर? बोले- 'बेहतर होगा कि हम कैमरे से दूर रहें'

दिग्गज सितारों के बेटे जब अभिनय जगत में आते तो दर्शकों के मन में दोनों को पर्दे पर एक साथ देखने की ख्वाहिश भी आ जाती है। इंडस्ट्री में पिता-पुत्र की जोड़ी के कई ऐसे उदाहरण भी हैं, जब दोनों ने फिल्मों में साथ काम किया है। हालांकि, इसे लेकर अभिनेता तुषार कपूर थोड़ा अलग विचार रखते हैं। हाल ही में उन्होंने इसे लेकर चुप्पी तोड़ी।

जितेंद्र संग काम करने को लेकर क्या बोले तुषार कपूर?

तुषार कपूर का मानना है कि बेहतर होगा कि वे और उनके पिता अपना रिश्ता ऑफ कैमरा ही बनाए रखें। समाचार एजेंसी पीटीआई से बातचीत के दौरान तुषार कपूर ने इस बारे में बात की। इस दौरान अभिनेता ने अपने पिता जितेंद्र के साथ स्क्रीन शेयर करने के बारे में

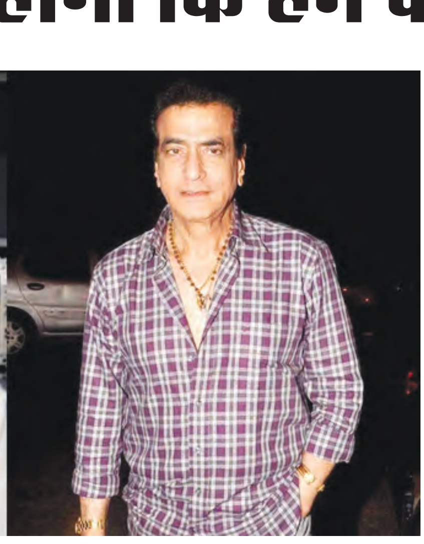

कहा, 'अगर मुझे अपने पिता के साथ काम करना पड़ा, तो मैं बहुत ज्यादा सचेत रहूंगा। मुझे लगता है कि बेहतर यही है कि हम अपने रिश्ते को कैमरे से दूर ही रखें'।

'रफ एंड साइड एक्सप्लोर करने की जरूरत'

तुषार कपूर ने और किरदार एक्सप्लोर करने की बात भी कही। उन्होंने कहा, 'मेरे आक्रामक, रफ एंड टफ साइड को और ज्यादा एक्सप्लोर किए जाने की जरूरत है। लोगों ने ज्यादातर मेरा फनी और सॉफ्ट साइड ही देखा है'।

तुषार कपूर का वर्क फ्रंट

तुषार कपूर के वर्क फ्रंट की बात करें तो वे अक्षय कुमार की बहु प्रतीक्षित कॉमेडी-एक्शन फिल्म 'वेलकम टू द जंगल' में नजर आएंगे। इस मल्टीस्टारर फिल्म में कई सितारों के साथ तुषार कपूर का भी अहम रोल है।

एक्शन मोड में बंगाल सीएम : 2021 चुनाव में हुई हिंसा का भी हिसाब लेंगे

शुभेंदु ने कहा-हर घटना की कराएंगे जांच

कोलकाता, 25 मई (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने नंदीग्राम में आयोजित धन्यवाद सभा के दौरान बड़ा राजनीतिक बयान दिया है। उन्होंने कहा कि 2021 विधानसभा चुनाव के बाद भाजपा कार्यकर्ताओं पर हुए हमलों का पूरा हिसाब लिया जाएगा और सभी मामलों में कानूनी कार्रवाई की जाएगी। हालांकि उन्होंने पार्टी कार्यकर्ताओं को चेतावनी भी दी कि वे कानून अपने हाथ में न लें।

सीएम शुभेंदु ने क्या चेतावनी दी? अपने गढ़ नंदीग्राम में समर्थकों को संबोधित करते हुए शुभेंदु अधिकारी ने कहा कि 2021 चुनाव के बाद राज्य के कई जिलों में भाजपा कार्यकर्ताओं पर हमले हुए, उनके घरों में तोड़फोड़ की गई और कई समर्थकों की हत्या तक कर दी गई। उन्होंने कहा कि पार्टी ने हर घटना का रिकॉर्ड रखा है और अब सभी मामलों में न्याय मिलेगा।

टीएमसी कार्यकर्ताओं को लेकर क्या बोले?

मुख्यमंत्री ने कार्यकर्ताओं से संयम बरतने की अपील करते हुए कहा कि अगर आप चाहें तो तृणमूल कांग्रेस कार्यकर्ताओं के घरों की ईंटें तक निकाल सकते हैं, लेकिन ऐसा कभी मत करना। भाजपा इस तरह की राजनीति को बढ़ावा नहीं देती। मुझे सब याद है और किसी भी घटना को अनदेखा नहीं किया जाएगा। शुभेंदु के इस बयान को बंगाल की राजनीति में बेहद अहम माना जा रहा है। 2021 चुनाव के बाद भाजपा ने तृणमूल कांग्रेस पर बड़े पैमाने पर हिंसा कराने का आरोप लगाया था। उस समय कई मामलों को लेकर अदालतों तक में सुनवाई हुई थी और यह मुद्दा भाजपा के लिए बड़ा राजनीतिक हथियार बन गया था।

ममता पर साधा निशाना

सभा के दौरान शुभेंदु अधिकारी ने पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर भी तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि भाजपा कार्यकर्ताओं की मौत के बावजूद पिछली सरकार ने पीड़ित परिवारों की कोई मदद नहीं की। ममता बनर्जी को निशाने पर लेते हुए उन्होंने उन्हें दो बार चुनाव हारने वाली मुख्यमंत्री बताया। गौरतलब है कि 2021 में नंदीग्राम सीट पर शुभेंदु अधिकारी ने ममता बनर्जी को करीब 1900 वोटों से हराया था। वहीं 2026 विधानसभा चुनाव में उन्होंने भवानीपुर सीट से भी ममता को 15 हजार से अधिक वोटों से मात दी।

नंदीग्राम सीट छोड़ने पर क्या बोले?

नंदीग्राम सीट छोड़ने के फैसले पर भी शुभेंदु ने समर्थकों को भरोसा दिलाया कि उनके और नंदीग्राम के लोगों के रिश्ते में कोई बदलाव नहीं आएगा। उन्होंने कहा कि 2003 से जिस तरह आप मुझे देखते आए हैं, मैं हमेशा उसी तरह आपके साथ रहूंगा। मैं पहले भी आपके साथ था, आज भी हूं और आगे भी रहूंगा।

नंदीग्राम भूमि आंदोलन की दिलाई याद

उन्होंने 2007 के नंदीग्राम भूमि आंदोलन की याद दिलाते हुए कहा कि संघर्ष और हिंसा के दौर में भी वह लोगों के साथ खड़े रहे थे। शुभेंदु ने बताया कि अब नंदीग्राम में विकास और प्रशासनिक जिम्मेदारियों की निगरानी उनके छोटे भाई और कांथी सांसद सौमेंदु अधिकारी करेंगे। उनके साथ पांच भाजपा विधायक भी पंचायत और प्रशासनिक कार्यों में सहयोग करेंगे।

लोहे की छड़ों से लदा ट्रक पलटा 15 लोगों की मौत; 10 घायल

ढाका, 25 मई (एजेंसियां)। बांग्लादेश में सोमवार तड़के एक प्रमुख राजमार्ग पर लोहे की छड़ों से लदा एक ट्रक पलट जाने से 15 लोगों की मौत हो गई और 10 अन्य घायल हो गए। यह दर्दनाक हादसा उस समय हुआ, जब लोग ईद-उल-अजहा की 10 दिवसीय छुट्टियों के लिए अपने गृहनगरों की ओर जा रहे थे। स्थानीय अग्निशमन केंद्र के प्रभारी अताउर रहमान ने संवाददाताओं को बताया कि यह दुर्घटना जमुना पुल के पूर्वी हिस्से में हुई, जो बांग्लादेश के उत्तर-पश्चिमी हिस्से को मध्य भाग से जोड़ता है। उन्होंने यह भी बताया कि घायलों को आसपास के इलाकों के लोगों की मदद से स्थानीय स्वास्थ्य सुविधा केंद्र में ले जाया गया। स्थानीय पुलिस के अनुसार, ट्रक में लोहे की छड़ों के साथ-साथ कुछ यात्री भी सवार थे।

'शगुन के 111 रुपये', पेट्रोल-डीजल की बढ़ी कीमतों पर भड़कीं प्रियंका चतुर्वेदी

नई दिल्ली, 25 मई (एजेंसियां)। पेट्रोल-डीजल के दामों में पिछले 10 दिनों में चौथी बार बढ़ोतरी हुई है। बढ़ती महंगाई पर विपक्ष केंद्र सरकार पर जमकर हमलावर है। मुंबई में पेट्रोल की नई कीमत 111 रुपये पहुंचने पर शिवसेना (यूबीटी) नेता व पूर्व राज्यसभा सांसद प्रियंका चतुर्वेदी ने अपने अंदाज में सरकार पर तंज कसा।

साथ ही वैश्विक संकट के समय में देश की तेल कंपनियों को हो रही ताबड़तोड़ कमाई पर भी सवाल उठाया। पूर्व राज्यसभा सांसद प्रियंका चतुर्वेदी ने सोमवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर केंद्र सरकार पर तंज कसा। उन्होंने कहा, 'मुंबई में पेट्रोल की कीमत शगुन के 11 नंबर पर पहुंच गई है। उन्होंने दावा किया कि अगले 24 घंटों में महानगरों में डीजल की कीमत 100 रुपये तक पहुंच सकती है।' एक पोस्ट में उन्होंने तेल कंपनियों की हो रही ताबड़तोड़ कमाई पर सवाल उठाया। प्रियंका चतुर्वेदी ने कहा, 'जनता का खून पीने के बाद, रिकॉर्ड तोड़ महंगाई के बाद, देश की तेल कंपनी रिकॉर्ड तिमाही प्रॉफिट डिक्लेयर कर रहीं हैं।' सरकार पर सवाल उठाते हुए उन्होंने कहा, 'जनता त्रस्त, तेल कंपनियां मस्त।' वैश्विक संकट के बीच देश में पेट्रोल-डीजल की कीमतों में सोमवार को एक बार फिर बढ़ोतरी दर्ज की गई है। पेट्रोल की कीमतों में 2.61 रुपए प्रति लीटर और डीजल में 2.71 रुपए प्रति लीटर की बढ़ोतरी दर्ज की गई है।

10 दिनों में चौथी बार दाम में बढ़ोतरी

पिछले 10 दिनों में यह चौथी बार है जब पेट्रोल-डीजल की कीमतों में बढ़ोतरी दर्ज की गई। कीमतों में बढ़ोतरी से आम लोगों, यात्रियों और परिवहन क्षेत्र पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ बढ़ गया है। कीमतों में बढ़ोतरी से पहले दिल्ली में पेट्रोल 99.51 रुपए प्रति लीटर और डीजल 92.49 रुपए प्रति लीटर बिक रहा था। लेकिन अब, राजधानी में पेट्रोल 102.12 रुपए प्रति लीटर और डीजल 95.20 रुपए प्रति लीटर पहुंच गया है।

कॉकरोच जनता पार्टी के खिलाफ याचिका, जल्द सुनवाई की मांग

कोर्ट बोला-इतने भावुक न हों; इंस्टाग्राम पर पार्टी के 2.29 करोड़ फॉलोअर्स

नई दिल्ली, 25 मई (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) से जुड़े व्यक्तियों की गतिविधियों की सीबीआई से जांच करवाने की मांग पर तुरंत सुनवाई करने से इनकार कर दिया। कॉकरोच जनता पार्टी एक सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म है, जो भारत के चीफ जस्टिस सूर्यकांत की हालिया कॉकरोच टिप्पणी के बाद सामने आया। सोमवार दोपहर 12 बजे तक सीजेपी के इंस्टाग्राम पर 2.29 करोड़ फॉलोअर्स हो गए हैं।

कोर्ट में याचिकाकर्ता के वकील एनके गोस्वामी ने कहा कि सीजेपी, ज्यूडीशियरी की छवि धूमिल कर रही है। इसके बाद सीजेआई और जस्टिस जॉयमाल्या बागची और जस्टिस वीएम पंचोली की बेंच ने कहा, 'इसे इतनी भावुकता से मत लें।'

सुप्रीम कोर्ट में और क्या हुआ, पढ़ें कोर्ट रूम प्रोसीडिंग

याचिका एडवोकेट राजा चौधरी ने दायर की है। उसने आंदोलन से जुड़े फर्जी अधिवक्ताओं और फर्जी कानून की डिग्रियों की जांच की भी मांग की है। इसके अलावा, उन्होंने सुप्रीम कोर्ट में हाल की कार्यवाही के दौरान दिए गए मौखिक अदालती बयानों के कमर्शियलाइजेशन किए जाने के खिलाफ भी कार्रवाई की मांग की है। इस पर सीजेआई ने जवाब दिया कि अभी ऐसी कोई गंभीर आपात स्थिति नहीं है। देखते हैं क्या होता है।

वहीं महाराष्ट्र के छत्रपति संभाजीनगर स्थित सीजेपी फाउंडर अभिजीत दीपके के घर पर 24 घंटे पुलिस की तैनाती की गई है। डीसीपी पंकज अतुलकर ने बताया कि यह तैनाती ऐहतियातन की गई है। उन्होंने कहा कि सोशल मीडिया पर सीजेपी का मुद्दा ट्रेंड कर रहा है, इसलिए उनके घर के बाहर भीड़ न जुटे, इसे देखते हुए यह कदम उठाया गया। हालांकि, उन्होंने किसी तरह की आधिकारिक धमकी मिलने से इनकार किया।

21 मई को एक्स अकाउंट बंद हुआ तो नया बनाया

सीजेपी का एक्स अकाउंट ब्लॉक कर दिया गया था। जब पुराना अकाउंट बंद हुआ, तब 1.93 लाख से ज्यादा फॉलोअर्स थे। संगठन ने कुछ देर बाद नया अकाउंट बनाया। इसका नाम 'कॉकरोच इज बैक' रखा गया और बायो में लिखा- कॉकरोच डोंट डाय यानी कॉकरोच मरते नहीं। 25 मई दोपहर 1.30 बजे तक नए एक्स अकाउंट पर 2.27 लाख फॉलोअर्स हैं। सीजेपी के इंस्टाग्राम और एक्स पर ही अकाउंट हैं।

सीजेपी की वेबसाइट अभी भी बंद अभिजीत ने 24 मई को बताया था कि उनकी पार्टी की वेबसाइट बंद कर दी गई है। दीपके ने दोपहर 1.14 बजे एक्स पर कहा था- सरकार ने हमारी वेबसाइट बंद कर दी है। उस पर 10 लाख लोगों ने रजिस्ट्रेशन कराया था। 6 लाख लोगों ने शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग वाली याचिका पर साइन किए थे। हालांकि यह वेबसाइट अभी बंद है। इसे खोलने पर 'दिस साइट कान्ट बी रीच्ड' का मैसेज फ्लैश हो रहा है।

भोजशाला पहुंचे मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव मंदिर में की मां वाग्देवी की पूजा अर्चना

धार, 25 मई (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के धार में स्थित भोजशाला मंदिर लंबे समय से चर्चा का केंद्र बना हुआ है। हाईकोर्ट ने इसे हाल ही में मंदिर के तौर पर मान्यता दी है। इसके बाद पूजा अर्चना भी शुरू हो गई और सोमवार को राज्य के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव दोपहर में भोजशाला मंदिर पहुंचे और उन्होंने मां वाग्देवी (सरस्वती) का विधि विधान के साथ पूजन किया। मुख्यमंत्री मोहन यादव के मंदिर आने का कार्यक्रम आज पहले से तय था, इसके चलते ही तमाम तैयारियां कर ली गई थीं और मंदिर में भव्य सजावट भी की गई थी। गर्मी के बावजूद यहां श्रद्धालुओं की भारी भीड़ भी देखने को मिली।

सोशल मीडिया पर शेयर की तस्वीरें

सीएम मोहन यादव ने भोजशाला परिसर और मंदिर में पूजा करते हुए तस्वीरें भी क्लिक करवाईं। इन्हें उन्होंने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर भी शेयर किया है। सीएम मोहन यादव के साथ भोजशाला मंदिर में पूजा करने के लिए कैबिनेट मंत्री कैलाश विजयवर्गीय और बीजेपी के अन्य नेता भी पहुंचे थे। बता दें कि जब परिसर के मंदिर होने को लेकर हाईकोर्ट में विवाद चल रहा था, तो हिंदुओं को केवल भोजशाला में सिर्फ मंगलवार के दिन ही पूजा करने का अधिकार था लेकिन हाईकोर्ट का निर्णय आने के बाद स्थिति बदल गई है, और विधि विधान से रोजाना पूजन शुरू हो गया है। गौरतलब है कि 15 मई को मध्य प्रदेश हाईकोर्ट ने भोजशाला के लंबे समय से चल रहे विवाद पर फैसला सुनाया था, और इसे मंदिर घोषित किया था। हाईकोर्ट ने हिंदुओं को मंदिर में पूजा का अधिकार भी दिया था।

सीएम सतीशन ने केलकर की नियुक्ति का किया बचाव

गुरुवायूर मंदिर विवाद को बताया राजनीति से प्रेरित

कोच्चि, 25 मई (एजेंसियां)। वी.डी. सतीशन ने सोमवार को पूर्व मुख्य निर्वाचन अधिकारी रतन यू. केलकर को अपना सचिव नियुक्त किए जाने का जोरदार बचाव किया और गुरुवायूर श्री कृष्ण मंदिर की उनकी हाल की यात्रा को लेकर उठे विवाद को खारिज कर दिया।

विशेष कैबिनेट बैठक के बाद मीडिया से बात करते हुए वी.डी. सतीशन ने कहा कि उन्हें केलकर की नियुक्ति को लेकर हो रहे अनावश्यक विवाद की वजह समझ नहीं आ रही है। उन्होंने बताया कि केलकर केरल से जुड़े एक अखिल भारतीय सेवा अधिकारी हैं और उनका सेवा रिकॉर्ड उत्कृष्ट है।

टीएमसी में बगावत तेज, ममता बनर्जी को लग सकता है झटका

40 साल पुरानी साथी काकोली घोष दस्तीदार का इस्तीफा

कोलकाता, 25 मई (एजेंसियां)। कल्याण बनर्जी ने हाल ही में काकोली घोष दस्तीदार को लोकसभा चीफ व्हिप पद से हटा दिया था। इसके बाद बारासत से टीएमसी की सांसद दस्तीदार ने रविवार को जिला अध्यक्ष पद से इस्तीफा दे दिया।

उन्होंने राजनीतिक कंसल्टेंसी फर्म आई-पीएसी की नियुक्ति पर नाराजगी जताते हुए कहा कि इसने पार्टी में 'अराजकता' फैलाई और उसे 'बर्बाद' कर दिया। दस्तीदार ने इंडियन एक्सप्रेस को बताया कि वह सांसद पद से भी इस्तीफा दे सकती हैं। उनके बेटे ने भी इसकी पुष्टि की। पश्चिम बंगाल में टीएमसी अध्यक्ष सुब्रत बख्शी को अपना इस्तीफा लिखा। इसमें दस्तीदार ने अपनी बारासत सीट पर पार्टी के खराब प्रदर्शन की नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए पार्टी प्रमुख ममता बनर्जी से अपील की कि वे अनुभवी पार्टी कार्यकर्ताओं पर भरोसा करें ना कि 'बाहरी सलाहकारों' पर। वह कल्याण बनर्जी के बाद दूसरी बड़ी टीएमसी नेता हैं जिन्होंने पार्टी की हार के लिए आई-पीएसी को जिम्मेदार ठहराया है।

उन्होंने कहा, "अगर किसी ने विनाश की जड़ में काम किया है, तो वह वही संगठन (आई-पीएसी) है। उसने सब कुछ पूरी तरह बर्बाद कर दिया है मैंने उन्हें नियुक्त नहीं किया था। जिन्होंने नियुक्त किया है, वे ही इसके बारे में बात कर सकते हैं। लेकिन उन छोटे बच्चों ने हमें परेशान किया, हमारे कार्यकर्ताओं को परेशान किया मैं पिछले 40-45 वर्षों से राजनीति में हूं।"

चार दशक की वफादारी के बदले उन्हें यह 'इनाम'

काकोली घोष दस्तीदार ने मीडिया से बातचीत में कहा कि एक कंसल्टेंसी फर्म की 22-23 साल की एक युवती जिसने पार्टी को नुकसान पहुंचाया है, उन्हें धमकाती थी और यह बताती थी कि क्या करना है और कैसे करना है। उन्होंने अपने पत्र में ममता बनर्जी से अपील करते हुए कहा कि यदि पुराने और समर्पित कार्यकर्ताओं के साथ काम किया जाए तो पार्टी की छवि बेहतर होगी। उन्होंने यह भी कहा कि 'फ्लाई-बाय-नाइट एजेंसियों' के जरिए मुश्किल काम पूरे नहीं किए जा सकते। उन्होंने पश्चिम बंगाल की शासन व्यवस्था पर भी सवाल उठाते हुए कहा कि हाल के समय में अपराध और भ्रष्टाचार की घटनाओं ने जनता में चिंता बढ़ाई है। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र को मजबूत करने के लिए पारदर्शिता, जवाबदेही, अनुशासन और जनता के प्रति जिम्मेदारी पर अधिक ध्यान देने की जरूरत है। लोकसभा में चीफ व्हिप पद से हटाए जाने के एक दिन बाद उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा कि 1976 से परिचय और 1984 से साथ का सफर रहा है और चार दशक की वफादारी के बदले उन्हें यह 'इनाम' मिला है।

जमीन कब्जाने वाले गिरोह पर ईडी का शिकंजा, जांच के दायरे में 30 पुलिसकर्मी

कोलकाता, 25 मई (एजेंसियां)। कोलकाता में जमीन हड़पने के एक बड़े मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की जांच तेज हो गई है। इस मामले में कोलकाता पुलिस के लगभग 30 अधिकारी अब ईडी की जांच के दायरे में हैं।

केंद्रीय जांच एजेंसी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने सोमवार को यह जानकारी दी। जांच में अलग-अलग रैंक के पुलिसकर्मियों पर एक सिंडिकेट के साथ मिले होने का शक है। यह सिंडिकेट बुजुर्ग नागरिकों को डरा-धमकाकर उनकी कीमती जमीनें बाजार भाव से बहुत कम कीमत पर बेचने के लिए मजबूर करता था। ईडी के अधिकारी ने बताया कि जांच के दौरान कई पुलिसकर्मियों की भूमिका संदिग्ध पाई गई है और अब उनके असली काम की बारीकी से जांच हो रही है। एजेंसी को कुछ ऐसे दस्तावेज और डिजिटल सबूत मिले हैं जिनका विश्लेषण किया जा रहा है। जांच का मुख्य केंद्र अब पैसों के लेनदेन का पता लगाना और उन सभी लोगों की पहचान करना है जिन्हें इस खेल से फायदा हुआ। जब्त किए गए मोबाइल फोन से कुछ डेटा डिलीट कर दिया गया है। फॉरेंसिक जांच की मदद से उस जानकारी को वापस पाने की कोशिश हो रही है। ईडी फिलहाल तीन मुख्य आरोपियों की भूमिका की जांच कर रही है।

इनमें विश्वजीत पोद्दार उर्फ सोना पप्पू, कोलकाता पुलिस के पूर्व डिप्टी कमिश्नर शांतनु सिन्हा विश्वास और कारोबारी जॉय कामदार शामिल हैं। जांचकर्ताओं को शक है कि यह सिंडिकेट पुलिस के प्रभाव का गलत इस्तेमाल करके लोगों को डराता था।

अस्पताल में महिला की कथित रूप से आपत्तिजनक वीडियो बनाने की कोशिश, मामला दर्ज

बंगलूरू, 25 मई (एजेंसियां)। कर्नाटक की राजधानी बंगलूरू के एक निजी अस्पताल में एक महिला के साथ कथित तौर पर गोपनीयता भंग करने की घटना सामने आई है। पुलिस के अनुसार, 36 वर्षीय महिला ने आरोप लगाया है कि अस्पताल के एक पुरुष कर्मचारी ने शौचालय के अंदर उसकी गुप्त रूप से तस्वीर लेने या वीडियो बनाने की कोशिश की। जिसके बाद एफआईआर दर्ज की गई है। उन्होंने बताया कि यह घटना 21 मई को सरजापुर रोड स्थित अस्पताल में हुई थी।

पुलिस के अनुसार, अपनी शिकायत में महिला ने आरोप लगाया कि जब वह शौचालय का उपयोग कर रही थी, तो उसने एक पुरुष कर्मचारी को संदिग्ध रूप से व्यवहार करते हुए देखा। कथित तौर पर अपने मोबाइल फोन से तस्वीरें या वीडियो लेने का प्रयास करते हुए देखा। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि उसे इस बात का गंभीर संदेह हुआ कि जब वह शौचालय के अंदर थी तब उसने उसकी तस्वीरें या वीडियो बनाए होंगे।

रूस और ईरान से हम सस्ता तेल क्यों नहीं खरीद रहे हैं? : केजरीवाल

नई दिल्ली देशभर में पेट्रोल की कीमतों में 2.61 रुपये प्रति लीटर और डीजल की कीमतों में 2.71 रुपये प्रति लीटर की बढ़ोतरी की गई है। दो हफ्ते से भी कम समय में चौथी बार तेल के दामों में बढ़ोतरी हुई है। इसको लेकर आम आदमी पार्टी के मुखिया अरविंद केजरीवाल ने मोदी सरकार पर निशाना साधा है।

उन्होंने पूछा कि हम रूस और ईरान से तेल क्यों नहीं खरीद रहे हैं? अरविंद केजरीवाल ने एक वीडियो जारी कर कहा, "मोदी सरकार ने औसतन ढाई-ढाई रुपए पेट्रोल और डीजल के दाम बढ़ाए हैं। पिछले दो हफ्तों में करीब आठ रुपये पेट्रोल और डीजल के दाम बढ़े हैं। रूस और ईरान हमें सस्ता और पर्याप्त मात्रा में तेल देने को तैयार थे, हम उनसे तेल क्यों नहीं खरीद रहे हैं? मैंने आपसे कुछ दिन पहले पूछा था कि क्या हमें रूस और ईरान से तेल खरीदना चाहिए? करीब 97 फ़ीसदी लोगों ने कहा था कि हां हमें रूस और ईरान से तेल खरीदना चाहिए।" अरविंद केजरीवाल ने पूछा, "जब हमारे देश के लोग कह रहे हैं कि हमें रूस और ईरान से तेल खरीदना चाहिए तो हमारे प्रधानमंत्री की क्या मजबूरियां हैं कि वह तेल और गैस रूस और ईरान से नहीं खरीद रहे हैं? मैं आपसे पूछना चाहता हूं कि प्रधानमंत्री जी रूस और ईरान से तेल क्यों नहीं खरीद रहे हैं। 140 करोड़ लोग इससे दुखी हैं। प्रधानमंत्री जी की कौन सी मजबूरियां है कि 140 करोड़ लोगों को यह दुख झेलना पड़ रहा है. मुझे कमेंट करके बताइए?" दामों में बढ़ोतरी के बाद दिल्ली में पेट्रोल की कीमत 99.51 रुपये से बढ़कर 102.12 रुपये प्रति लीटर हो गई, जबकि डीजल 92.49 रुपये से बढ़कर 95.20 रुपये प्रति लीटर पर पहुंच गया।

देशहित, सनातन संस्कृति और राष्ट्र की सुरक्षा के मुद्दों पर समाज एकजुट होकर कार्य करे

अंबाला, 25 मई (एजेंसियां)। भारतीय जनता पार्टी के हरियाणा के प्रदेश अध्यक्ष पंडित मोहन लाल बड़ौली आज अंबाला शहर के सेक्टर-1 स्थित एंटी टेररिस्ट फ्रंट इंडिया व ब्राह्मण महापंचायत के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं विश्व हिन्दू तख्त प्रमुख वीरेश शांडिल्य से मिलने पहुंचे। इस दौरान वीरेश शांडिल्य व उनके साथियों ने बड़ौली का गर्मजोशी से स्वागत किया तथा उन्हें भगवान परशुराम की प्रतिमा और पारंपरिक पगड़ी भेंट कर सम्मानित किया।

वीरेश शांडिल्य ने कहा कि पंडित मोहन लाल बड़ौली उनके रिश्ते में भांजे लगते हैं क्योंकि बड़ौली की माता शांडिल्य परिवार से संबंध रखती हैं, जिसके चलते वह उन्हें अपना भांजा मानते हैं। शांडिल्य ने कहा कि पंडित मोहन लाल बड़ौली हरियाणा का गर्व हैं और उन्होंने अपने सरल स्वभाव, संगठन क्षमता तथा जनसेवा के माध्यम से प्रदेश में अलग पहचान बनाई है।

शांडिल्य ने कहा कि ब्राह्मण महापंचायत सदैव मोहन लाल बड़ौली के साथ खड़ी है तथा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की राष्ट्रवादी सोच और विकासवादी विचारधारा पर पहरा देती रहेगी। उन्होंने कहा कि देशहित, सनातन संस्कृति और राष्ट्र की सुरक्षा के मुद्दों पर समाज को एकजुट होकर कार्य करना चाहिए।

सीएम नायब सिंह सैनी और भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मोहन लाल बड़ौली की जोड़ी की भी सराहना की। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सैनी और मोहन लाल बड़ौली हमेशा लोगों से आत्मीयता से मिलते हैं तथा उनकी कार्यशैली प्रदेश को मजबूती प्रदान कर रही है। शांडिल्य ने कहा कि दोनों नेता जमीन से जुड़े हुए हैं और आम जनता के बीच सहज रूप से पहुंच बनाकर हरियाणा के विकास को नई दिशा दे रहे हैं।

मुलाकात के दौरान राष्ट्रीय सुरक्षा, आतंकवाद के खिलाफ जारी मुहिम, सनातन धर्म को मजबूत करने, सामाजिक समरसता, हिंदू-सिख भाईचारे तथा युवाओं को राष्ट्रहित के प्रति जागरूक करने जैसे कई अहम विषयों पर विस्तार से चर्चा हुई। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मोहन लाल बड़ौली ने वीरेश शांडिल्य द्वारा वर्षों से आतंकवाद और राष्ट्रविरोधी ताकतों के खिलाफ चलाई जा रही मुहिम की सराहना करते हुए कहा कि वीरेश शांडिल्य लगातार शहीदों की सोच और राष्ट्रभक्ति की भावना को मजबूत करने का कार्य कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि राष्ट्रहित और सनातन संस्कृति की रक्षा के लिए समाज को एकजुट होकर आगे बढ़ना चाहिए।

इस अवसर पर विभिन्न सामाजिक, धार्मिक और राजनीतिक क्षेत्रों से जुड़े कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित लोगों ने दोनों नेताओं की मुलाकात को सामाजिक सौहार्द, राष्ट्रवाद और प्रदेशहित के लिए सकारात्मक संदेश बताया।

चीन ने अमेरिका को दिखाए तेवर

बैन के बावजूद ड्रैगन ने खोजा ऐसा जुगाड़ कि 5 साल में पलटेगा चिप का खेल

नई दिल्ली, 25 मई (एजेंसियां)। अमेरिकी प्रतिबंधों को धता बताते हुए चीनी की टेक दिग्गज हुवावे ने सेमीकंडक्टर की दुनिया में एक बड़ा एलान किया है। कंपनी अगले 5 साल में उसके हाई-एंड चिप्स 1.4-नैनोमीटर प्रोसेस के बराबर ट्रांजिस्टर डेंसिटी हासिल कर लेंगे। यह घोषणा इस बात का पुख्ता प्रमाण है कि चीन उन्नत चिप्स बनाने के लिए अमेरिकी पाबंदियों की काट ढूंढ चुका है।

क्या है 1.4-नैनोमीटर चिप का लक्ष्य और यह इतना अहम क्यों है?

न्यूज एजेंसी रॉयटर्स की रिपोर्ट के मुताबिक चीन के शहर शंघाई में एक सेमीकंडक्टर संगोष्ठी में रखे गए इस टारगेट के मायने बहुत बड़े हैं। इस दशक के अंत तक 1.4 एनएम चिप तकनीक को दुनिया की सबसे आधुनिक चिप-मेकिंग सीमा माना जा रहा है। वर्तमान में, दुनिया की सबसे बड़ी चिप निर्माता कंपनी ताइवान की टीएसएमसी 2-एनएम तकनीक का उपयोग कर रही है और 2028 तक 1.4-एनएम के बड़े पैमाने पर उत्पादन की योजना बना रही है। अमेरिका के आधुनिक लिथोग्राफी टूल तक चीन की पहुंच रोकने के बाद, यह माना जा रहा था कि चीन पारंपरिक मैन्युफैक्चरिंग तरीकों से इस स्तर तक कभी नहीं पहुंच पाएगा।

आखिर क्या है चीन की कंपनी का नया 'जुगाड़'?

चीन की कंपनी हुवावे ने चिप्स को बेहतर बनाने के लिए एक नया सिद्धांत पेश किया है, जिसे 'ताऊ स्केलिंग लॉ' नाम दिया गया है। कंपनी का मानना है कि इंडस्ट्री अब सिर्फ ट्रांजिस्टर को छोटा करने पर निर्भर नहीं रह सकती। हुवावे पिछले 6 सालों में इसी सिद्धांत के आधार पर स्मार्टफोन और एआई कंप्यूटिंग के लिए 381 चिप्स डिजाइन और बड़े पैमाने पर उत्पादित कर चुकी है।

अमेरिकी बैन से कैसे बची चीन की कंपनी हुवावे?

साल 2019 में अमेरिका ने हुवावे को ट्रेड ब्लैकलिस्ट में डाल दिया था, जिससे उसे अमेरिकी तकनीक, सॉफ्टवेयर और ग्लोबल चिपमेकर्स से काट दिया गया। इसके बाद कंपनी 'एक्सट्रीम सर्वाइवल मोड' में चली गई। कंपनी के अस्तित्व को बचाने के लिए हुवावे के सेमीकंडक्टर बिजनेस की अध्यक्ष हे टिंगबो के नेतृत्व में एक सीक्रेट बैकअप चिप प्रोजेक्ट शुरू हुआ। नतीजतन, 2023 में हुवावे ने अपने 5G-सक्षम साथी 60 सीरीज स्मार्टफोन के साथ एक चौंकाने वाली वापसी की।

इसमें चीन की सबसे बड़ी चिप निर्माता सेमीकंडक्टर मैन्युफैक्चरिंग इंटरनेशनल कॉर्प के 7-एनएम तकनीक से बनी चिप का इस्तेमाल हुआ था। हुवावे के हालिया 'लॉजिकफोल्डिंग' घोषणा के बाद सोमवार को एसएमआईसी के शेयरों में भी 7.6% का उछाल देखा गया।

फ्रंटियर टेक्नोलॉजी अब चीन के आर्थिक विकास और जियोपॉलिटिकल ताकत का एक महत्वपूर्ण स्तंभ बन गई है। हुवावे की एस्केंड चिप सीरीज चीनी एआई मॉडल्स को पावर देने का मुख्य जरिया बन गई है। हाल ही में तहलका मचाने वाले डीपसीक के फ्लैगशिप मॉडल वी4 में भी इन्हीं चिप्स का इस्तेमाल किया गया है। चीन में एस्केंड चिप्स की मांग इस साल काफी बढ़ी है क्योंकि घरेलू टेक कंपनियां अमेरिकी कंपनी एनवीडिया का विकल्प तलाश रही हैं, जिसके उन्नत एआई प्रोसेसर चीन में बेचे जाने पर बैन है। हालात यह हैं कि एनवीडिया के सीईओ जेन्सेन हुआंग को इसी महीने यह स्वीकार करना पड़ा कि उन्होंने चीन का एआई चिप मार्केट काफी हद तक हुवावे के हाथों गंवा दिया है। चीन जैसे-जैसे अपने चिप मार्केट को स्वदेशी बना रहा है और अमेरिकी कंपनियों जैसे एनवीडिया का चीन से पत्ता कट सकता है, इसका सीधा फायदा भारत को मिल सकता है। अमेरिकी और ग्लोबल टेक कंपनियां अब अपने बिजनेस को सुरक्षित रखने के लिए चीन के विकल्प के तौर पर भारत का रुख कर रही हैं। आने वाले समय में ये कंपनियां भारत को एक विशाल उपभोक्ता बाजार के साथ-साथ 'रिसर्च एंड डेवलपमेंट हब' के रूप में अधिक तरजीह दे सकती हैं।

10-15 रुपये सस्ता हो पेट्रोल-डीजल

बढ़ती कीमतों के बीच सीटीआई की सरकार से बड़ी मांग

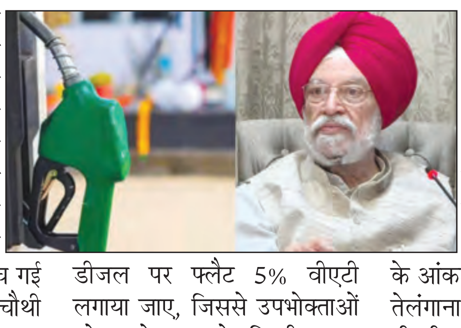

नई दिल्ली, 25 मई (एजेंसियां)। पश्चिम एशिया के तनाव के बीच पेट्रोल और डीजल की कीमतों में आज एक बार फिर बढ़ोतरी हो गई है. दिल्ली में पेट्रोल की कीमत अब 102.12 रुपये प्रति लीटर और डीजल की कीमत 95.20 रुपये प्रति लीटर पहुंच गई है. पिछले 10 दिनों में यह चौथी बार है जब दोनों ईंधनों के दाम तेजी से ऊपर गए हैं, जिससे आम उपभोक्ता और व्यापारियों की परेशानी बढ़ गई है.

सीटीआई चेयरमेन की सरकार से अपील

चैंबर ऑफ ट्रेड एंड इंडस्ट्री (सीटीआई) ने इस लगातार बढ़ रही महंगाई को देखते हुए तुरंत राहत देने की मांग की है. सीटीआई चेयरमैन बृजेश गोयल ने केंद्रीय पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी को पत्र लिखकर सभी राज्यों के वित्त मंत्रियों की इमरजेंसी बैठक बुलाने की अपील की है. गोयल ने प्रस्ताव दिया है कि अगले तीन महीनों तक पूरे देश में पेट्रोल और डीजल पर फ्लैट 5% वीएटी लगाया जाए, जिससे उपभोक्ताओं को 10 से 15 रुपये प्रति लीटर तक की राहत मिल सके.

राज्यों ने वीएटी पर वाट लगाकर खुद को विलेन बना लिया

बृजेश गोयल ने अपने पत्र में कहा, "पेट्रोल-डीजल पर एक्साइज ड्यूटी केंद्र सरकार की जिम्मेदारी है, लेकिन वीएटी राज्यों का विषय है इसलिए इस संकट की घड़ी में राहत देने की जिम्मेदारी अकेले केंद्र की नहीं, राज्यों को भी आगे आना होगा. 21 राज्यों में भाजपा या एनडीए की सरकारें हैं, ऐसे में पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी आसानी से सभी राज्यों को निर्देश जारी कर सकते हैं."

उन्होंने यह भी साफ किया कि अगर तीन महीने में अंतरराष्ट्रीय बाजार में स्थिति सामान्य हुई तो राज्य अपनी वीएटी दरों की फिर से समीक्षा कर सकते हैं.

राज्यों में आसमानी फर्क

सीटीआई ने विभिन्न राज्यों के आंकड़े भी साझा किए

तेलंगाना- पेट्रोल पर 35.20% वीएटी

आंध्र प्रदेश- 31% वीएटी + अतिरिक्त टैक्स

दिल्ली- 19.40% वीएटी

वहीं अंडमान-निकोबार में सिर्फ 1% वीएटी होने के कारण पेट्रोल सस्ता है और डीजल की स्थिति भी लगभग ऐसी ही है.

सीटीआई के अनुसार दिल्ली में दो दिन पहले पेट्रोल की बेस प्राइस 66.29 रुपये और डीजल की 67.36 रुपये प्रति लीटर थी, लेकिन टैक्स जोड़ने के बाद कीमतें काफी ऊंची हो जाती हैं. पेट्रोल पर कुल टैक्स 40-50% तक और डीजल पर 30-35% तक पहुंच रहा है.

रेलवे खरीदेगा 10लाख वैगन्स, इन कंपनियों के शेयर उछलने लगे

मुंबई, 25 मई (एजेंसियां)। भारतीय रेलवे की तरफ से एक बड़ी खबर आई है। खबर है कि वह अगले तीन से चार वर्षों के दौरान मालगाड़ी के एक लाख डिब्बे खरीदने वाला है। इस प्रोक्युरमेंट से मालगाड़ी बनाने वाली कंपनियों को करीब 40,000 करोड़ रुपये का बिजनेस मिलेगा। इस खबर के आने के बाद ज्यूपीटर वैगन्स , टीटागढ़ रेल सिस्टम्स और टैक्समेको रेल एंड इंजीनियरिंग के शेयर आज 10 फीसदी तक चढ़ गए।

क्या आई है खबर

बिजनेस अखबार मिंट में एक खबर आई है कि इस साल रेलवे ने मालगाड़ी के डिब्बों के प्रोक्यूरमेंट की बड़ी योजना बनाई है। रेलवे की योजना है कि वह अगले दो से तीन साल में करीब एक लाख वैगन खरीदेगी। मतलब कि हर साल 35 से 40 हजार वैगन्स की खरीद की जाएगी। इससे पहले साल 2022 में बड़ी संख्या में वैगन खरीदने के ऑर्डर दिए गए थे। लेकिन तब भी एक लाख वैगन के ऑर्डर नहीं आए थे।

उछल गए शेयर

इस खबर के बाद रेलवे वैगन बनाने वाली लिस्टेड कंपनियों के शेयर सोमवार यानी 25 मई 2026 को उछल गए। ज्यूपीटर वैगन्स के शेयर सुबह ही 10 फीसदी उछल गए। इस शेयर ने बीएसई में 304 रुपये का उच्चतम स्तर छुआ। इसी तरह टीटागढ़ रेल सिस्टम्स भी 9 फीसदी चढ़ कर 827.50 रुपये पर चले गए। टैक्समेको रेल के शेयर भी छह फीसदी चढ़ कर 115 रुपये पर ट्रेड हो रहे थे।

जेफरीज ने कहा था खरीदो

ब्रोकरेज फर्म जेफरीज ने पिछले महीने टीटागढ़ रेल सिस्टम्स पर बॉय या 'खरीदें' का कॉल दिया था। इसने कहा था कि शेयर का टार्गेट प्राइस 810 रुपये है। इसका यह टार्गेट ऑलरेडी क्रास हो चुका है। उसी रिपोर्ट में, ब्रोकरेज ने ज्यूपिटर वैगन्स पर 'अंडरपरफॉर्म' रेटिंग और 200 रुपये के लक्ष्य मूल्य के साथ कवरेज शुरू किया, जो 277 रुपये से 28% की संभावित गिरावट का संकेत देता है। टीटागढ़ पर जेफरीज ने कहा कि कंपनी पैसेंजर और मेट्रो कोच मैन्यूफैक्चरिंग की ओर ध्यान दे रही है। इस बदलाव से कंपनी को काफी फायदा होगा। उसने कहा था हम मानते हैं कि टीटागढ़ रेल सिस्टम्स पैसेंजर्स और मेट्रो कोच की बढ़ती मांग का मुख्य लाभार्थी होगा।

अडानी की झोली में गिर सकती है बिजली के स्मार्ट मीटर लगाने वाली कंपनी, 3770 करोड़ में सौदा होने की उम्मीद

नई दिल्ली, 25 मई (एजेंसियां)। भारत की अग्रणी स्मार्ट मीटर कंपनी इंटेलीस्मार्ट इंफ्रास्ट्रक्चर की बिक्री प्रक्रिया अपने अंतिम चरण में पहुंच गई है। इस रेस में अडानी ग्रुप की कंपनी सहित चार बोलीदाताओं को बातचीत के अगले दौर के लिए शॉर्टलिस्ट किया गया है।

इस प्रस्तावित सौदे में इंटेलीस्मार्ट का इक्विटी वैल्यूएशन लगभग 400 मिलियन डॉलर (करीब 3770 करोड़ रुपये) होने की उम्मीद है।

ये 4 पहुंचे अगले दौर में

इंटेलीस्मार्ट के साथ सौदे के लिए दूसरे दौर की बातचीत में अडानी ग्रुप की कंपनी समेत कुल चार ने जगह बनाई है। चार शॉर्टलिस्टेड **बोलीदाता इस प्रकार हैं:**

1. अडानी एनर्जी सॉल्यूशंस
2. जीएमआर स्मार्ट इलेक्ट्रिसिटी डिस्ट्रीब्यूशन
3. जीआईसी समर्थित जीनस पावर इंफ्रास्ट्रक्चर
4. स्विस फंड पार्टनर्स ग्रुप

अगले महीने होगी अंतिम बोली

सूत्रों के मुताबिक, इन शॉर्टलिस्टेड कंपनियों ने ड्यू डिलिजेंस (कंपनी की वित्तीय और कानूनी जांच-परख) शुरू कर दी है। मध्य-जून तक इन कंपनियों की ओर से आखिरी और बाध्यकारी बोलियां जमा किए जाने की संभावना है।

इंटेलीस्मार्ट को खरीदने के लिए शुरुआती दौर में लगभग 10 कंपनियों ने दिलचस्पी दिखाई थी। इनमें से गहन जांच-परख के लिए केवल 4 या 5 संभावित खरीदारों को ही शॉर्टलिस्ट किया जाना था।

कर्ज में है कंपनी

इंटेलीस्मार्ट वर्तमान में नेशनल इन्वेस्टमेंट एंड इंफ्रास्ट्रक्चर फंड और वित्तीय संकट से जूझ रही एनर्जी एफिशिएंसी सर्विसेज लिमिटेड का एक जॉइंट वेंचर है। इसमें एनआईआईएफ की 51% और ईईएसएल की 49% हिस्सेदारी है। ईईएसएल दरअसल एनटीपीसी , पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन , रूरल इलेक्ट्रीफिकेशन कॉर्पोरेशन और पावर ग्रिड कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया का एक जॉइंट वेंचर है।

31 मार्च 2025 तक ईईएसएल पर 6,045 करोड़ रुपये का दीर्घकालिक कर्ज बकाया था। माना जा रहा है कि इसी कर्ज के बोझ को कम करने के लिए इंटेलीस्मार्ट में हिस्सेदारी बेची जा रही है।

क्या करती है इंटेलीस्मार्ट?

साल 2019 में स्थापित हुई इंटेलीस्मार्ट को देश भर के विभिन्न राज्यों की बिजली वितरण कंपनियों से लगभग 2.2 करोड़ स्मार्ट मीटर लगाने के ऑर्डर मिल चुके हैं। कंपनी अब तक असम में लगभग 6,00,000 और उत्तर प्रदेश में करीब 5,00,000 स्मार्ट मीटर इंस्टॉल कर चुकी है।

चांदी 3,754 बढ़कर 2.70 लाख किलो हुई

इस साल 39 हजार महंगी हो चुकी; सोना 505 बढ़ा, 10 ग्राम की कीमत 1.59 लाख

नई दिल्ली, 25 मई (एजेंसियां)। सोने-चांदी के दाम में आज यानी 25 मई को बढ़त है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के अनुसार 10 ग्राम 24 कैरेट सोने के दाम 505 रुपए बढ़कर 1.59 लाख रुपए हो गया है। वहीं, 1 किलो चांदी की कीमत 3,754 रुपए बढ़कर 2.70 लाख रुपए पर पहुंच गई है।

सोना इस साल 25 हजार और चांदी 39 हजार महंगी

इस साल सोने-चांदी की कीमत में तेजी रही है। सोना 2026 में अब तक 25 हजार रुपए और चांदी 39 हजार रुपए महंगी हुई है। 31 दिसंबर 2025 को 10g सोना 1.33 लाख रुपए पर था, जो अब 1.59 लाख रुपए पर पहुंच गया है।

वहीं, चांदी 2.30 लाख रुपए किलो थी, जो अब 2.69 लाख रुपए पर पहुंच गई है। इस दौरान 29 जनवरी को सोने ने 1.76 लाख रुपए और चांदी ने 3.86 लाख रुपए का ऑलटाइम हाई भी बनाया था।

'14 हजार की टिकट ली है, रिफ्रेशमेंट खरीदकर नहीं दे सकते?'

स्पाइसजेट की फ्लाइट लेट होने पर यात्रियों का फूटा गुस्सा

नई दिल्ली, 25 मई (एजेंसियां)। लेह के कुशोक बकुला रिम्पोची एयरपोर्ट पर सोमवार को उस समय तनावपूर्ण स्थिति पैदा हो गई, जब स्पाइसजेट की एक फ्लाइट के दो घंटे से अधिक लेट होने पर यात्रियों और एयरलाइन स्टाफ के बीच तीखी बहस हो गई। इस पूरी घटना का वीडियो सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर हार्दिक जैन नाम के एक यूजर ने शेयर किया है। वीडियो में दिखाई दे रहा है कि यात्री नागरिक उड्डयन नियमों के तहत अपने हक के जलपान (रिफ्रेशमेंट) के लिए स्टाफ से सीधे सवाल पूछ रहे हैं। प्राप्त जानकारी के अनुसार, स्पाइसजेट की फ्लाइट एसजी126 को सोमवार सुबह 10:50 बजे लेह से दिल्ली के लिए रवाना होना था। यह विमान पहले दिल्ली से लेह आने वाला था और फिर यहीं से वापस दिल्ली के लिए उड़ान भरने वाला था। हालांकि, दिल्ली से ही समय पर टेकऑफ न कर पाने के कारण यह फ्लाइट लेह नहीं पहुंच सकी, जिसके चलते लेह एयरपोर्ट पर दिल्ली जाने वाले यात्री घंटों फंसे रहे। फ्लाइट में दो घंटे से अधिक की देरी होने के बाद यात्रियों ने एयरलाइन के ग्राउंड स्टाफ से नियमानुसार रिफ्रेशमेंट (जलपान) की मांग की। वायरल वीडियो के अनुसार, दोनों पक्षों के बीच जलपान को लेकर तीखी बहस हुई: शुरुआत में स्टाफ मेंबर ने तर्क दिया कि शुरुआती अनुमानों में फ्लाइट दो घंटे से ज्यादा लेट नहीं हो रही थी, इसलिए जलपान की व्यवस्था नहीं की गई थी। इस पर यात्रियों ने तुरंत सवाल उठाया कि अब तो फ्लाइट दो घंटे से ज्यादा लेट हो चुकी है, तो क्या अब आप हमें जलपान देंगे या नहीं?

बाद में स्टाफ ने कहा कि फिलहाल एयरपोर्ट पर उनके पास रिफ्रेशमेंट का स्टॉक उपलब्ध नहीं है और इसे बाहर मार्केट से मंगवाना होगा। जैसे ही सामान आएगा यात्रियों को प्रोवाइड करा दिया जाएगा। एयरलाइन के इस रवैये से यात्रियों का गुस्सा और भड़क गया। यात्रियों ने मांग की कि अगर बाहर से सामान आने में समय लग रहा है, तो एयरलाइन स्टाफ तुरंत एयरपोर्ट के भीतर ही मौजूद आउटलेट्स से रिफ्रेशमेंट खरीदकर यात्रियों को क्यों नहीं दे देता?यात्रियों ने नाराजगी जाहिर करते हुए कहा कि उन्होंने 13 से 14 हजार रुपये खर्च करके इस फ्लाइट की टिकट खरीदी है। ऐसी स्थिति में क्या एयरलाइंस इतनी सक्षम भी नहीं है कि वह यात्रियों को एयरपोर्ट से ही तुरंत रिफ्रेशमेंट खरीदकर दे सके?

बजट बिगाड़ रही महंगाई, 11000 की अरहर तो 9000 की उड़द

जानें आपके शहर में कितने की मिलेगी 1 किलो दाल?

नई दिल्ली, 25 मई (एजेंसियां)। देशभर के लोग महंगाई से परेशान हैं. किसी को गैस सिलेंडर नहीं मिल रही है तो किसी के लिए अपनी स्कूटी- कार को सड़क पर निकालना सपना सा लगने लगा है. पेट्रोल- डीजल, सोना- चांदी तक की कीमत में आग लगी हुआ है. इसके अलावा एलपीजी, दूध, ब्रेड तक की कीमतें बढ़ गई हैं और अब बारी आई है दाल की. दाल की कीमतों ने काफी ऊंची छलांक मारी है. पहले और अब के भाव में काफी ज्यादा अंतर आया है. वैसे तो हमारे देश में दाल ज्यादातर आयात नहीं होते हैं, बावजूद इसके दालों की कीमत आखिर क्यों इतनी तेजी से भाग रही है ये भी आप यहां से समझ सकते हैं. यहां अलग-अलग दाल की कीमत भी बताई गई है.

दाल के नाम	पुरानी कीमत (प्रति क्विंटल)	नए दाम (प्रति क्विंटल)
अरहर दाल	9000	11800
उड़द दाल	7500	9000
मसूर दाल	5600	7500
मूंग दाल	9500	11000
चना दाल	7500	8500

क्या है खुदरा भाव?

अरहर / तूर दाल: 115 से 150 प्रति किलो

उड़द दाल (धुली/काली): 110 से 140 प्रति किलो

मूंग दाल (धुली/छिलका): 95 से 130 प्रति किलो

चना दाल: 80 से 95 प्रति किलो

मसूर दाल: 85 से 110 प्रति किलो

क्यों बढ़ रहे हैं दाल के दाम?

दालों के दाम बढ़ने के पीछे कुछ खास वजह हैं. जैसे कि अगर ध्यान दें तो घरेलू उत्पादन में कमी, मौसम में उतार-चढ़ाव और जमाखोरी से दाल की कीमत ज्यादा बढ़ती है. इसके अलावा, आयात की लागत में बढ़ोतरी और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर ईंधन की कीमतों में उछाल के कारण माल ढुलाई महंगी होना भी इसका बड़ा कारण है. वैसे तो दाल ज्यादा आयात नहीं होता लेकिन बाजार में बढ़ रहे तनाव की वजह से इनकी कीमतों पर भी गहरा प्रभाव पड़ा है.

बैंकिंग शेयरों में तेजी से बाजार में सुकून

सेंसेक्स 1073 अंक चढ़ा, निफ्टी 24000 पार

मुंबई, 25 मई (एजेंसियां)। भारतीय शेयर बाजार में सोमवार को जोरदार उछाल दर्ज किया गया। कच्चे तेल की कीमतों में तेज गिरावट इसका मुख्य कारण रही। अमेरिकी-ईरान वार्ता से जुड़े सकारात्मक माहौल ने भी बाजार को मजबूत सहारा दिया। बेंचमार्क सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी एक फीसदी से अधिक की बढ़त के साथ बंद हुए। 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 1,073.61 अंक या 1.42 फीसदी बढ़कर 76,488.96 पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान यह 1,143.72 अंक तक उछलकर 76,559.07 के उच्च स्तर पर पहुंच गया था। 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 312.40 अंक या 1.32 फीसदी की बढ़त के साथ 24,031.70 पर समाप्त हुआ। रुपया डॉलर के मुकाबले 35 पैसे बढ़कर 95.25 पर बंद हुआ। सेंसेक्स की 30 कंपनियों में बजाज फाइनेंस, लार्सन एंड टुब्रो, एचडीएफसी बैंक, इटरनल, बजाज फिनसर्व और कोटक महिंद्रा बैंक प्रमुख लाभ में रहे। इसके विपरीत, इंफोसिस, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, सन फार्मा और हिंदुस्तान यूनिलीवर नुकसान में रहे। वैश्विक तेल बेंचमार्क ब्रेंट क्रूड 5.52 फीसदी गिरकर 97.82 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल पर आ गया। अमेरिका ने ईरान के साथ होर्मुज जलडमरूमध्य को फिर से खोलने के लिए बातचीत में महत्वपूर्ण प्रगति की है। हालांकि, राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इस पर सतर्क रुख बनाए रखा है और किसी खराब समझौते को स्वीकार नहीं करेंगे। बाजार में आई इस जोरदार रिकवरी का नेतृत्व बैंकिंग और वित्तीय सेक्टर के शेयरों ने किया, जिनमें बजाज फाइनेंस और एचडीएफसी बैंक ने सबसे शानदार प्रदर्शन करते हुए तीन-तीन प्रतिशत का उछाल दर्ज किया। विनोद नायर, शोध प्रमुख, जियोजित इन्वेस्टमेंट्स लिमिटेड ने बाजार की मजबूत सकारात्मक गति पर टिप्पणी की। उन्होंने बताया कि यह कच्चे तेल की कीमतों में सुधार से प्रेरित थी। अमेरिका-ईरान के बीच संभावित समझौते की बढ़ती उम्मीदें भी एक बड़ा कारक रहीं। होर्मुज जलडमरूमध्य को फिर से खोलने की दिशा में प्रगति की रिपोर्टों से वैश्विक भावना में सुधार हुआ। हालांकि, घटनाक्रम में लगातार बदलावों को देखते हुए इसकी विश्वसनीयता अभी भी अनिश्चित बनी हुई है। निवेशकों ने इन सकारात्मक संकेतों पर भरोसा जताया और जमकर खरीदारी की। एशियाई बाजारों में भी सोमवार को सकारात्मक रुझान देखने को मिला। जापान का निक्केई 225 सूचकांक और शंघाई का एसएसई कंपोजिट सूचकांक बढ़त के साथ बंद हुए। दक्षिण कोरिया और हांगकांग में बाजार छुट्टियों के कारण बंद रहे, जिससे वहां कारोबार नहीं हुआ।

दैनिक पंचांग

गृह गोचर

गृह स्थिति		
सुर्य	वृष	मे
चंद्र	कन्या	मे
मंगल	मेष	मे
बुध	वृष	मे
गुरु	मिथुन	मे
शुक्र	मिथुन	मे
शनि	मीन	मे
राहु	कुंभ	मे
केतु	सिंह	मे

लग्नारंभ समय	
वृष----	05-05 बजे
मिथुन--	07-05 बजे
कर्क---	09-18 बजे
सिंह---	11-30 बजे
कन्या---	13-36 बजे
तुला----	15-41 बजे
वृश्चिक--	17-52 बजे
धनु----	20-06 बजे
मकर--	22-11 बजे
कुंभ---	00-01 बजे
मीन---	01-40 बजे
मेष----	03-16 बजे

श्री रौद्र /श्री दुर्मती नामके संवत्सरे-विक्रम संवत्- **2083**

शक संवत् **-1948,** सूर्य उत्तरायणे /उत्तर , ऋतु- ग्रीष्म

महावीर निर्वाण संवत् **-2551** , राजा गुरु, मन्त्री भौम

कलियुग अवधि - **432000**

भोग्य कलि वर्ष. - **426873**

कलियुग संवत् - **5127** वर्ष,

कल्पारंभ संवत् - **1972949127**

सृष्टि ग्रहारंभ संवत् - **1955885127**

दिशाशूल - उत्तर - गुड खाकर घर से निकले

मास - अधिक ज्येष्ठ शुक्ल पक्ष मंगलवार **26 May 2026**

तिथि - एकादशी अहोरात्र तक

नक्षत्र - हस्त **05-56** अहोरात्र तक

योग - सिद्धि **03-10** तक रात्रि उप व्यतिपात

करण - वणिज **17-43** तक उप विष्टी (भद्रा)

विशेष: भद्राकाल **17-43** से

विशेष:- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका हमें दिखावे व पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति व दशान्तर्दशा को विशेष प्रभावित समझना चाहिए ।

राहुकाल 15-29 से 17-06 तक

पं.महेशचन्द्र शर्मा 9247132654 9167555710

दिन का चौघड़िया

रोग	05-46 - 07-21	अशुभ
उत्पात	07-21 - 08-58	अशुभ
चंचल	08-58 - 10-36	शुभ
लाभ	10-36 - 12-13	शुभ
अमृत	12-13 - 13-51	शुभ
काल	13-51 - 15-29	अशुभ
शुभ	15-29 - 17-06	शुभ
रोग	17-06 - 18-38	अशुभ

रात का चौघड़िया

काल	18-38 - 20-06	अशुभ
लाभ	20-06 - 21-28	शुभ
उत्पात	21-28 - 22-51	अशुभ
शुभ	22-51 - 00-13	शुभ
अमृत	00-13 - 01-36	शुभ
चंचल	01-36 - 02-58	शुभ
रोग	02-58 - 04-20	अशुभ
काल	04-20 - 05-46	अशुभ

आपका राशिफल

मेष (चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,)
काम के प्रयोजन के लिए आप यात्रा कर सकते है । विदेश यात्रा का भी योग है। आपकी कंपनी आपको दूसरे देश में भेज सकती हैं , या कार्य प्रयोजनों के लिए आपके वीजा को मंजूरी आज मिल सकती है। हालांकि अगर आप पहले से ही अपने कैरियर के लिए एक विदेशी देश में तैनात हैं , तो निकट भविष्य में अपने गृहनगर या देश में लौटने की उम्मीद कम है।

वृष (ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,)
कार्यस्थल पर प्रभावी ढंग से संवाद करने की क्षमता आप के खिलाफ की गई कुछ कार्रवाई करने के कारण प्रभावित हो रही है! आप पर संगठन का विश्वास और गोपनीयता के उल्लंघन का आरोप लगाया जा सकता है। अपने आप को शांत बनाए रखे और अन्य लोगों की जरूरतों पर विचार करें। यह जल्द ही अपने पक्ष में होगा ।

मिथुन (का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,)
आज आपका ध्यान कही भटक सकता है , और आपको लगेगा की आप अपने कार्यों को समय पर पूरा नहीं कर पाएंगे । परिणाम स्वरुप आप अपने कार्यो में पीछे रह सकते है । इसका सबसे अच्छा समाधान है की आप कार्य से एक दिन अवकाश ले और बाहरी गतिविधियों में एक दिन बिताए । यह आपको ऊर्जा से भरेगा और आप नए उत्साह के साथ अपने लंबित कार्यों को निपटने में सक्षम हो जायेंगे ।

कर्क (ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,)
हालाँकि आप अपने कार्य क्षेत्र से संतुष्ट है और आगे की तरफ जा रहे है लेकिन ये समय अपना हुनर , रचनात्मकता एवं प्रतिबद्धता को दिखाने का है और हो सकता है की आपको अपनी परिवार की प्रतिबद्धता को पीछे छोड़ना पड़े लेकिन ये आपके करियर को आगे ले जाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है ।

सिंह (मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,)
आपकी लंबित कई प्रतिबद्धताएं है जिन्हे आपको आज आसानी से पूरा करने के लिए समय मिलेगा , हालांकि आप अपने आप को बेचैन , असावधान और सुस्त महसूस करेंगे । परिणाम के रूप में, आपका कार्य लंबित होता जाएगा , क्योंकि आपका ध्यान केंद्रित नहीं है, इसलिए एक दिन की छुट्टी ले और आराम करे ।

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)
काम करते हुए आप एक विस्तृत दृष्टिकोण को अपनाते है । यह आपका सकारात्मक पहलू है और इस सप्ताह के अंत में आपका दृष्टिकोण मौद्रिक लाभ में बदलेगा । जोड़-तोड़ से बचें और जो भी करे ईमानदारी से करे । आपके काम की गुणवत्ता आपके काम की मात्रा के बजाय ज्यादा महत्व रखेगी । वफ़ादारी स्वागतयोगनीय होगी जो किसी भी मुश्किल स्थिति से आपको बाहर निकल देगी ।

तुला (रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,)
एक उत्कृष्ट अवसर आपके लंबित कार्यो को खत्म करने के लिए आपके रास्ते में आ सकता है । इस खाली समय का पूरा उपयोग करें , हालांकि आप जिस तरीके से अपने कार्य अभी तक करते थे , उन्हें आपको छोड़ना होगा ! यह अपनी पसंद के घर के स्वामित्व को पाने के लिए सही समय है।

वृश्चिक (तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,)
आपको इस बात का आभास नहीं है की आपके सहकर्मियों को कितनी चिन्ताओ और तनाव से गुजरना पड़ रहा है । अपने समय को बचाने की बजाय उनकी चिंता को समझना आपके लिए आज ज्यादा जरुरी होगा । अगर आप फिर भी बिना सोचे समझे आगे बढ़ते जायेंगे तो आपको कड़ाई से सबक मिल सकता है । आपको एक नए घर का स्वामित्व मिल सकता है ।

धनु (ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे)
बड़े रोजगार के अवसर आप का इंतजार कर रहे हैं! ध्यान से इस बारे में सोचे और आपके पूर्ण संतुष्ट होने पर अपने करियर की दिशा परिवर्तित करे । आपका सहकर्मी नौकरी को त्याग सकता है और उसकी जगह आप किसी जरूरतमंद को अपने यहाँ काम पर लगवा सकते है । हालाँकि आप अवगत नहीं है , लेकिन आपके मूल्य काफी उच्च स्तर के है ।

मकर (भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी)
आप कुछ समय से एक बदलाव पर विचार कर रहे है। आज आप एक ऐसे अवसर को देखेंगे जो आपको आकर्षित करेगा । सक्रिय रहे और निर्णय ले । आपको एक साक्षात्कार कॉल भी मिल सकती है। आपके आत्मविश्वास और विषय ज्ञान के साथ, एक साक्षात्कार को उतीर्ण करना आपके लिए कभी समस्या नहीं रही है। तो, पहला कदम उठाइए और निर्णय ले ।

कुंभ (गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,)
आज आपको अपनी आय और व्यय का संतुलन करना मुश्किल होगा । आज अपनी आय की वृद्धि के लिए एक दूसरी नौकरी की तलाश शुरू करने के लिए भी ये सबसे अच्छा दिन है। आपको अपनी पसंद के हिसाब से कुछ कार्य मिल सकता है और यह अगले कुछ वर्षों में आपके प्राथमिक कार्य बनने की क्षमता रखता है ।

मीन (दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची)
आज आपका भाग्य सट्टा उद्यम एवं उससे जुडी चीज़ो में आपका साथ देगा । अगर आप किसी दुविधा में हैं तो आज का दिन आपको तर्कशक्ति प्रदान करेगा जिससे आप उचित निर्णय ले पाओगे । ये निर्णय आपकी वित्तीय जरुरतो पर भी आगे जाकर अछा प्रभाव डालेगा । आज का दिन भूमि निवेश के लिए भी फायदेमंद रहेगा ।

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र

'आत्मदाह' की कोशिश और 'खून से खत' का असर

सरकार ने शिव विधानसभा क्षेत्र के लिए 4 नए ट्यूबवेल मंजूर किए

जयपुर, 25 मई (एजेंसियां)। सरहदी सियासत और रेगिस्तान की तपती रेत के बीच अधिकारों की लड़ाई लड़ रहे शिव विधायक रविंद्र सिंह भाटी और सूबे की भजनलाल शर्मा सरकार के बीच चल रही शह-मात के खेल में आज एक बेहद नया और चौंकाने वाला टर्निंग पॉइंट सामने आया है। बाड़मेर जिले के गिरल लिग्नाइट माइंस क्षेत्र में मजदूरों और ट्रक ऑपरेटरों की जायज मांगों को लेकर पिछले डेढ़ महीने से अधिक समय से धरना स्थल पर डटे निर्दलीय विधायक रविंद्र सिंह भाटी के कड़े तेवरों के आगे आखिरकार प्रशासनिक मशीनरी को हरकत में आना ही पड़ा।

एक तरफ जहां गिरल माइंस के मजदूरों के शोषण के खिलाफ चल रहे इस ऐतिहासिक आंदोलन का आज 47वां दिन है, वहीं दूसरी तरफ जयपुर के जल भवन (पीएचईडी मुख्यालय) से एक ऐसा सरकारी आदेश जारी हुआ है जिसने इस पूरे आंदोलन की दिशा और दशा को एक नया राजनीतिक मोड़ दे दिया है। सरकार ने शिव विधानसभा क्षेत्र के ग्रामीण इलाकों में पानी की भारी किल्लत को दूर करने के लिए करीब 78.48 लाख की लागत से बनने वाले 4 नए ट्यूबवेल को हरी झंडी दे दी है।

शिव विधानसभा क्षेत्र के गिरल लिग्नाइट माइंस क्षेत्र में चल रहा यह धरना प्रदर्शन जारी है। स्थानीय श्रमिकों और ट्रक ऑपरेटरों की समस्याओं को लेकर खुद विधायक रविंद्र सिंह भाटी धरना स्थल पर हैं और धूप-छांव की परवाह किए बिना डटे हुए हैं। पेट्रोल छिड़ककर आत्मदाह का प्रयासः आंदोलन के शुरुआती हफ्तों में जब प्रशासन ने मांगों पर ध्यान नहीं दिया, तो बेहद गुस्से और हताशा में आकर युवा विधायक रविंद्र सिंह भाटी ने खुद पर पेट्रोल छिड़ककर आत्मदाह करने तक का खौफनाक प्रयास कर डाला था, जिससे पूरे सूबे की कानून व्यवस्था हिल गई थी।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को खून से पत्रः आंदोलन के 46वें दिन जब देश के गृह मंत्री अमित शाह बीकानेर और राजस्थान के दौरे पर आ रहे थे, तब विधायक भाटी और प्रदर्शनकारी श्रमिकों ने अपने खून से पत्र लिखा। इस पत्र में गिरल माइंस क्षेत्र के मजदूरों को मिल रहे 12 घंटे के अमानवीय कामकाजी शिफ्ट और दमनकारी नीतियों के खिलाफ सीधे देश के गृह मंत्री से न्याय की गुहार लगाई गई थी। जैसे ही खून से लिखी चिट्ठी का मामला दिल्ली और जयपुर के गलियारों में गूंजा, वैसे ही सोमवार सुबह जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग, मुख्य अभियंता (ग्रामीण) कार्यालय, 2-सिविल लाइंस जयपुर से एक महत्वपूर्ण पत्र जारी किया गया। यह पत्र अतिरिक्त मुख्य अभियंता, पिएचईडी रीजन जोधपुर द्वितीय को संबोधित करते हुए भेजा गया है।

बाड़मेर के गिरल लिग्नाइट माइंस क्षेत्र में चल रहा यह विवाद बहुत पुराना और गहरा है। स्थानीय श्रमिकों का आरोप है कि माइंस प्रबंधन और ठेका कंपनियां श्रम कानूनों की खुलेआम धज्जियां उड़ा रही हैं।

कार्य के घंटों का शोषणः देश के श्रम कानून के मुताबिक किसी भी खदान या माइंस में 8 घंटे से अधिक की शिफ्ट नहीं हो सकती, लेकिन गिरल माइंस के श्रमिकों से जबरन 12-12 घंटे तक कड़ा और जानलेवा कार्य कराया जा रहा है, वह भी बिना किसी अतिरिक्त ओवरटाइम भुगतान के। कठिन परिस्थितियां और बुनियादी सुविधाओं का अभावः खदान क्षेत्र में काम करने वाले इन मजदूरों को न तो शुद्ध पीने का पानी मिल रहा है और ना ही सुरक्षा के आधुनिक उपकरण। राजनीतिक विश्लेषकों की मानें तो आंदोलन के ४७वें दिन शिव क्षेत्र के लिए अचानक 78.48 लाख का बजट जारी होना महज एक प्रशासनिक संयोग नहीं हो सकता। इसके पीछे गहरी राजनीतिक बिसात और रणनीतिक चालें साफ दिखाई दे रही हैं। रविंद्र भाटी का बढ़ता कदः विंद्र सिंह भाटी मारवाड़ और पूरे राजस्थान के युवाओं के बीच एक बेहद लोकप्रिय और फायरब्रांड नेता के रूप में उभरे हैं। गिरल माइंस में उनके धरने ने राज्य सरकार की साख और कानून व्यवस्था पर लगातार सवालिया निशान खड़े किए हैं।

डैमेज कंट्रोल का प्रयासः अमित शाह को खून से पत्र लिखे जाने के बाद यह मामला राष्ट्रीय स्तर पर तूल पकड़ सकता था। ऐसे में सरकार ने शिव विधायक द्वारा पूर्व में भेजे गए मांग पत्रों पर त्वरित कार्रवाई करते हुए 4 ट्यूबवेल स्वीकृत कर दिए। इसके जरिए सरकार यह संदेश देना चाहती है कि वह शिव क्षेत्र के विकास और वहां के लोगों की मूलभूत सुविधाओं (पीने के पानी) के लिए पूरी तरह गंभीर है, ताकि आंदोलन की धार को थोड़ा कम किया जा सके।

पेयजल संकट को लेकर कांग्रेस का जल भवन घेराव

सड़क पर लेटकर किया प्रदर्शन, पूर्व मंत्री खाचरियावास ने भाजपा सरकार को घेरा

जयपुर, 25 मई (एजेंसियां)। राजधानी में पेयजल संकट और गंदे पानी की सप्लाई को लेकर कांग्रेस की ओर से विरोध प्रदर्शन किया जा रहा है। कांग्रेस कार्यकर्ताओं से सिविल लाइंस से जल भवन तक पैदल पानी यात्रा निकाली जा रही है। प्रदर्शन के दौरान कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने भीषण गर्मी के बीच सड़क पर लेटकर विरोध जताया और सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। प्रदर्शन के दौरान कांग्रेस कार्यकर्ता हसनपुरा चौराहे पर करीब 10 मिनट तक गर्म सड़क पर लेट गए। इससे कुछ समय के लिए यातायात बाधित हो गया। प्रदर्शनकारियों ने हाथों में मटके और तख्तियां लेकर सरकार के खिलाफ नारे लगाए। कांग्रेस नेताओं का कहना था कि राजधानी में लोगों को साफ पानी तक नहीं मिल रहा और कई इलाकों में गंदे पानी की सप्लाई हो रही है। कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने जल संकट को लेकर मटका फोड़ प्रदर्शन भी किया। प्रदर्शन में शामिल लोगों ने "स्वच्छ और पूरा पानी दो, वरना कुर्सी छोड़ दो" जैसे नारे लगाए। कार्यकर्ताओं का कहना था कि भीषण गर्मी में लोग पानी के लिए परेशान हैं, लेकिन सरकार की ओर से कोई ठोस व्यवस्था नहीं की गई। प्रदर्शन के दौरान पुलिस बल भी मौके पर तैनात है।

पूर्व मंत्री प्रताप सिंह खाचरियावास ने कहा कि जयपुर में गंदे पानी की सप्लाई से लोगों का जीवन प्रभावित हो रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि गर्मी शुरू होने से पहले सरकार ने कोई कंटिंजेंसी प्लान नहीं बनाया। उन्होंने कहा कि लोग मजबूरी में 50 रुपए तक के पानी के कैम्पर खरीद रहे हैं, जबकि टैंकर माफिया 500 रुपए तक वसूल रहे हैं। सरकार की ओर से मुफ्त पानी के टैंकर भी उपलब्ध नहीं कराए जा रहे हैं।

प्रदर्शन में बड़ी संख्या में महिलाएं भी शामिल हुईं। महिलाओं ने आरोप लगाया कि गंदे पानी की वजह से बच्चे बीमार हो रहे हैं और कई इलाकों में लोगों को पीने के लिए साफ पानी नहीं मिल पा रहा। उन्होंने सरकार से जल्द समस्या का समाधान करने की मांग की। कांग्रेस नेताओं ने चेतावनी दी कि यदि जल्द पेयजल संकट दूर नहीं किया गया तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा।

पूरे राजस्थान में सीएम भजनलाल का जिला सबसे आखिरी पायदान पर आ गया है

ऐसा क्यों बोले अशोक गहलोत?

जयपुर, 25 मई (एजेंसियां)। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा है मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा कई महीनों बाद अपने गृह जिले भरतपुर के दौरे पर हैं, लेकिन अच्छा होता कि वे जयपुर से निकलने से पहले पूरे राजस्थान में दम तोड़ती अपनी फ्लैगशिप 'मुख्यमंत्री नारी शक्ति उद्यम प्रोत्साहन योजना' की जमीनी हकीकत की भी सुध ले लेते। उन्होंने कहा कि पूरे राजस्थान में महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने की यह योजना प्रशासनिक शिथिलता और बैंकों की मनमानी की भेंट चढ़ चुकी है, जहां महिला अधिकारिता विभाग की ओर से भेजे गए आवेदनों में से 2,546 से अधिक फाइलें बैंकों में धूल फांक रही हैं और प्रदेश के 10 बड़े बैंकों ने तो एक भी महिला को ऋण देने की जहमत नहीं उठाई।

उन्होंने कहा कि एक करोड़ रुपए तक के ऋण के बड़े-बड़े दावों के विपरीत आज महिलाओं को औसतन केवल 10.62 लाख रुपए का ऋण देकर टरकाया जा

रहा है, जिससे प्रदेश के 41 में से 23 जिलों में तय लक्ष्य तक पूरा नहीं हो सका।

गहलोत ने कहा कि विडंबना देखिए कि इस बदहाली में खुद मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का गृह जिला भरतपुर पूरे प्रदेश में सबसे आखिरी पायदान पर आ गया है। सरकार केवल कागजी विज्ञापनों और दौरों से बाहर निकलकर तुरंत बैंकों की जवाबदेही तय करे, ताकि स्वरोजगार की राह देख रही प्रदेश की हजारों बेटियों और महिलाओं का भरोसा इस सिस्टम से न उठे।

राजस्थान सरकार महिलाओं और स्वयं सहायता समूहों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के लिए मुख्यमंत्री नारी शक्ति उद्यम प्रोत्साहन योजना संचालित कर रही है। इस योजना के तहत महिला उद्यमियों और समूहों को व्यवसाय शुरू करने एवं विस्तार के लिए ऋण और अनुदान की सुविधा दी जा रही है।

पत्नी संग अमेरिकी विदेश मंत्री रुबियो ने निहारा आमेर महल का शाही वैभव

घूमर-कालबेलिया डांस ने मोहा मन

जयपुर, 25 मई (एजेंसियां)। अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रुबियो सोमवार को पत्नी जेनेट डी. रूबियो के साथ जयपुर पहुंचे और ऐतिहासिक आमेर किले का भ्रमण किया। आमेर महल के जलेब चौक में उनका पारंपरिक

राजस्थानी शैली में स्वागत किया गया। इस दौरान लोक कलाकारों ने घूमर, कालबेलिया और कच्छी घोड़ी नृत्य की रंगारंग प्रस्तुतियां दीं। आमेर भ्रमण के दौरान गाइड महेश शर्मा ने उन्हें शीश महल, गणेश पोल, दीवान-ए-आम, दीवान-ए-खास, सुख निवास और मावठा झील के इतिहास और स्थापत्य की जानकारी दी। महल भ्रमण के बाद मार्को रूबियो पत्नी के साथ रामबाग पैलेस पहुंचे।

इससे पहले वे दोपहर करीब डेढ़ बजे आगरा से विशेष विमान के जरिए जयपुर एयरपोर्ट पहुंचे। विमान से उतरते ही उन्होंने मुस्कुराते हुए 'हैव फन' कहा। उनके साथ अमेरिका के राजदूत सर्जियो गोर भी मौजूद रहे।

उनकी यात्रा को देखते हुए सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए गए। आमेर महल को दोपहर 1 बजे से शाम 5 बजे तक पर्यटकों के लिए बंद रखा गया। वहीं एयरपोर्ट से आमेर तक करीब 19 किलोमीटर के मार्ग पर कुछ समय के लिए ट्रैफिक भी रोका गया। उनका हाथी गांव जाने का कार्यक्रम भी प्रस्तावित था, जिसे

शिक्षक आंदोलन के बाद बड़ा एक्शन, मदन दिलावर के खिलाफ मार्च निकालने वालों पर केस दर्ज

कोटा, 25 मई (एजेंसियां)। राजस्थान में शिक्षकों के आंदोलन के बाद बड़ा विवाद खड़ा हो गया है। ग्रीष्मावकाश में कटौती के विरोध में शिक्षा मंत्री मदन दिलावर के विधानसभा क्षेत्र में निकाले गए विरोध मार्च के बाद कई शिक्षक नेताओं और पदाधिकारियों पर एफआईआर दर्ज की गई है। राजस्थान शिक्षक संघ (सियाराम) ने प्रदर्शन और रैली निकालने पर शिक्षकों के खिलाफ मामला दर्ज करवाने का विरोध किया है। साथ ही इस कार्रवाई से शिक्षकों में भी आक्रोश व्याप्त है। संगठन ने शिक्षा मंत्री मदन दिलावर पर आरोप लगाया है कि रैली से नाराज होने पर उन्होंने संगठन के पदाधिकारियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज करवाई है। संगठन अध्यक्ष सियाराम ने बताया कि ग्रीष्मावकाश में कटौती और शिक्षकों की विभिन्न मांगों को लेकर शिक्षा मंत्री के विधानसभा क्षेत्र में शिक्षक रैली निकाली गई। रैली में तीन हजार से अधिक शिक्षक शामिल हुए थे और कार्यक्रम शांतिपूर्ण तरीके से पुलिस प्रशासन के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया था।

संगठन का आरोप है कि रैली की सफलता के बाद भाजपा की एक महिला कार्यकर्ता के माध्यम से

रामगंजमंडी थाने में मुख्य संरक्षक सियाराम शर्मा, प्रदेश अध्यक्ष वीरेन्द्र शर्मा, प्रदेश महामंत्री रामदयाल मीणा और कोषाध्यक्ष हेमंत कुमार जांगिड़ सहित अन्य पदाधिकारियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज करवाई गई। इधर, कोटा में आयोजित 58वें प्रांतीय महासमिति के दो दिवसीय अधिवेशन में विभिन्न आंदोलनों के दौरान दर्ज मुकदमों के विरोध, पेट्रोल-डीजल व गैस की बढ़ती महंगाई तथा सांप्रदायिकता के खिलाफ प्रस्ताव प्रस्तुत किए गए, जिन्हें सर्वसम्मति से पारित किया गया। अधिवेशन में सार्वजनिक शिक्षा बचाने, शिक्षक हितों की रक्षा करने तथा लोकतांत्रिक व संवैधानिक मूल्यों की मजबूती के लिए संघर्ष को और तेज करने का संकल्प लिया गया।

राजस्थान शिक्षक संघ (सियाराम) के आह्वान पर 18 मई को प्रदेशभर से शिक्षक शिक्षा मंत्री मदन दिलावर के विधानसभा क्षेत्र रामगंजमंडी पहुंचे थे। शिक्षकों ने शिक्षा विभाग की आर से जारी शिविरा पंचांग सत्र 2026-27 में विद्यालयी अवकाशों में कटौती का विरोध किया और रैली निकालकर नाराजगी जताई।

एसीबी की बड़ी कार्रवाई, एसआई 20 हजार की रिश्वत लेते गिरफ्तार

श्रीगंगानगर, 25 मई (एजेंसियां)। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो की टीम ने बड़ी कार्रवाई करते हुए पुलिस थाना नई मंडी घड़साना में तैनात उप निरीक्षक रामेश्वरलाल को 20 हजार रुपए की रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। कार्रवाई एसीबी चौकी बीकानेर द्वारा मुख्यालय के निर्देश पर सोमवार को अंजाम दी गई। एसीबी के महानिदेशक गोविन्द गुप्ता ने बताया कि ब्यूरो को एक परिवादी की ओर से शिकायत मिली थी। शिकायत में बताया गया कि उसके प्रकरण में एफआर लगाने के एवज में उप निरीक्षक रामेश्वरलाल ने 50 हजार रुपए की रिश्वत मांगी थी। परिवादी द्वारा रकम अधिक होने की बात कहकर कम करने का आग्रह करने पर आरोपी 20 हजार रुपए लेने पर राजी हो गया। शिकायत की पुष्टि के बाद एसीबी ने ट्रैप की योजना बनाई। उप महानिरीक्षक पुलिस नारायण टोगस के सुपरवीजन में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक विनोद कुमार के नेतृत्व में टीम गठित कर कार्रवाई की गई। योजना के तहत परिवादी को आरोपी के पास भेजा गया, जहां उसने जैसे ही 20 हजार रुपए की रिश्वत राशि आरोपी को दी, टीम ने तुरंत दबिश देकर उसे रंगे हाथों पकड़ लिया। एसीबी टीम ने आरोपी के कब्जे से पूरी रिश्वत राशि बरामद कर ली है। कार्रवाई के दौरान आवश्यक साक्ष्य भी जुटाए गए हैं, ताकि मामले को मजबूत बनाया जा सके। इस कार्रवाई के बाद पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया है। एडिशनल एसपी विनोद कुमार ने बताया कि घड़साना पुलिस थाने में 2025 में जमीनी विवाद को लेकर मामला दर्ज था। इस मामले की जांच एसआई रामेश्वर कर रहे थे। उन्होंने बताया कि परिवादी ने एसीबी को शिकायत की थी कि इस मामले में कोर्ट का स्टे होने के बावजूद भी एसआई रामेश्वर लाल परिवादी को तंग और परेशान कर रहा था।

पेट्रोल-डीजल के बढ़ते दामों पर भड़के टीकाराम जूली

सरकार पर साधा निशाना, पीएम को बताया 'महंगाई मैन'

जयपुर, 25 मई (एजेंसियां)। विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने पेट्रोल-डीजल की बढ़ी कीमतों को लेकर केंद्र और राज्य सरकार पर तीखा हमला बोला है। सोशल मीडिया के जरिए भाजपा और केंद्र सरकार को घेरते हुए जूली ने कहा कि पांच राज्यों के चुनाव खत्म होते ही जनता पर महंगाई का बोझ डाल दिया गया। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार आम लोगों की समस्याओं से ध्यान हटाकर सिर्फ राजनीतिक बयानबाजी में व्यस्त है।

जूली ने कहा कि भाजपा नेता लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के बयानों पर प्रतिक्रिया देने में लगे रहते हैं लेकिन प्रदेश में बिगड़ती कानून-व्यवस्था, नीट पेपर लीक और बढ़ती महंगाई जैसे मुद्दों पर पूरी तरह मौन हैं।

उन्होंने कहा कि पेट्रोल के दाम में 2.82 रुपये और डीजल में 2.73 रुपये प्रति लीटर की बढ़ोतरी कर आम आदमी की जेब पर सीधा बोझ डाला गया है। उनके मुताबिक लगातार बढ़ती ईंधन कीमतों का असर अब परिवहन से लेकर खाद्य पदार्थों और रोजमर्रा की जरूरत की चीजों पर भी दिखाई देने लगा है। टीकाराम जूली ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को "महंगाई मैन" बताते हुए आरोप लगाया कि सरकार केवल पूंजीपतियों के हितों की चिंता कर रही है, जबकि आम जनता महंगाई और बेरोजगारी से परेशान है।

महिलाओं की सुरक्षा को लेकर भी जूली ने भाजपा सरकार को घेरा। उन्होंने एनसीआरबी रिपोर्ट का हवाला देते हुए कहा कि दुष्कर्म के मामलों में राजस्थान देश में शीर्ष पर पहुंच चुका है। उनके अनुसार महिलाओं और बच्चियों को प्रदेश में असुरक्षा का माहौल झेलना पड़ रहा है।

नीट पेपर लीक मामले को लेकर भी उन्होंने सरकार पर गंभीर आरोप लगाए। जूली ने कहा कि बार-बार पेपर लीक होने के बावजूद कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई। उन्होंने सीकर निवासी दिवंगत छात्र प्रदीप मेघवाल का जिक्र करते हुए कहा कि परीक्षा घोटालों और मानसिक तनाव के कारण एक होनहार छात्र ने जान गंवा दी लेकिन सरकार की ओर से संवेदना तक व्यक्त नहीं की गई। जूली ने कहा कि भाजपा नेताओं को दूसरों पर आरोप लगाने के बजाय जनता से जुड़े असली मुद्दों पर ध्यान देना चाहिए। उन्होंने दावा किया कि प्रदेश और देश की जनता अब सरकार की नीतियों से परेशान हो चुकी है और खुद को ठगा हुआ महसूस कर रही है।

भारतमाला एक्सप्रेस-वे पर कोयले से भरे ट्रेलर में भीषण आग लगने से हड़कंप

चालक ने कूदकर बचाई जान

बालोतरा, 25 मई (एजेंसियां)। जिले में भारतमाला एक्सप्रेस-वे पर देर रात एक बड़ा हादसा होते-होते टल गया, जब भाटा सरहद के पास कोयले से भरे एक ट्रेलर में अचानक भीषण आग भड़क उठी। देखते ही देखते आग ने पूरे ट्रेलर को अपनी चपेट में ले लिया और आसमान में धुएं का काला गुबार फैल गया। घटना के दौरान एक्सप्रेस-वे पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया और रेस्ट एरिया में मौजूद लोग दहशत में आ गए। जानकारी के अनुसार गुजरात से कोयला भरकर आ रहा ट्रेलर भारतमाला एक्सप्रेस-वे से होकर गुजर रहा था। देर रात चालक वाहन को भाटा सरहद के पास बने रेस्ट एरिया में खड़ा करने की तैयारी कर रहा था। इसी दौरान अचानक ट्रेलर के पिछले हिस्से से चिंगारियां उठने लगीं। शुरुआत में चालक को मामूली तकनीकी खराबी का अंदेशा हुआ लेकिन कुछ ही सेकंड में आग ने विकराल रूप धारण कर लिया। ट्रेलर से ऊंची-ऊंची लपटें उठने लगीं और आग तेजी से पूरे वाहन में फैल गई। स्थिति को गंभीर होता देख चालक ने बिना देर किए चलती गाड़ी से कूदकर अपनी जान बचाई। चालक की सूझबूझ के कारण बड़ा हादसा टल गया, क्योंकि यदि कुछ सेकंड की भी देरी होती तो वह आग की चपेट में आ सकता था। घटना के बाद रेस्ट एरिया में खड़े अन्य वाहन चालक और यात्री भी घबरा गए। कई लोग अपने वाहन दूर ले जाते नजर आए, वहीं कुछ लोगों ने तुरंत पुलिस और प्रशासन को सूचना दी। सूचना मिलते ही सिणधरी थानाधिकारी विशाल कुमार और एएसआई हरिशंकर पुलिस जाब्ते के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने स्थानीय लोगों और मौजूद वाहन चालकों की मदद से शुरुआती स्तर पर आग बुझाने का प्रयास किया लेकिन कोयले से भरे ट्रेलर में लगी आग लगातार भड़कती चली गई।

नकली घी और तेल के बड़े धंधे का खुलासा

जैसलमेर, 25 मई (एजेंसियां)। कहीं आपकी दाल-बाटी में नकली घी तो नहीं है? जैसलमेर के पोकरण में नकली घी और तेल की बड़ी खेप जब्त की गई है। राज्य सरकार के शुद्ध आहार मिलावट पर वार अभियान के तहत परमाणु नगरी पोकरण शहर में नकली घी और तेल के अवैध कारोबार पर जयपुर से आई खाद्य सुरक्षा टीम ने दबिश दे कर पोकरण की अब तक की सबसे बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया है। इस टीम को देख कालाबाजारी दुकानें बंद कर भागते दिखे।

खाद्य सुरक्षा विभाग की विशेष केंद्रीय टीम ने पोकरण की लोढ़ा कॉलोनी स्थित एक रहवासी मकान पर छापा मारा। इस दौरान आरोपी फरार हो गया। मौके पर पकड़े गए दोनों कर्मचारियों से पूछताछ कर मुख्य सरगना के पूरे सिंडिकेट का पता लगाया जा रहा है। टीम को अंदेशा है कि पोकरण और आसपास के ग्रामीण इलाकों में इस काले कारोबार से जुड़े कुछ अन्य बड़े गोदाम भी हो सकते हैं।

ऐसे में सवालिया निशान यह खड़ा होता है कि 700 किलोमीटर का सफर तय कर जयपुर से आई स्वास्थ्य विभाग की टीम परमाणु नगरी पोकरण मे दबिश देती है। इतनी बड़ी कार्रवाई को अंजाम देती है, तो जैसलमेर का स्वास्थ्य महकमा आखिर क्या कर रहा है? ब्रांडेड घी का खाली टिन 130 रुपये में बिक रहा है। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार जैसलमेर व पोकरण में स्वास्थ्य विभाग के कुछ एजेंट हर महीने दुकानदारों से एक मोटी रकम फिक्स कर चुके हैं।

पोकरण में खाद्य सुरक्षा एवं औषधि नियंत्रण विभाग जयपुर की टीम ने बड़ी कार्रवाई करते हुए कथित नकली घी कारोबार का खुलासा किया है। विभाग की टीम ने एडिशनल कमिश्नर भगवत सिंह के नेतृत्व में एक फैक्ट्री पर छापेमारी कर विभिन्न ब्रांडों के नाम से तैयार किया जा रहा संदिग्ध घी बड़ी मात्रा में बरामद किया।

'ऑयल मिल' में भीषण आग, सब जल गया- करोड़ों का नुक्सान

भरतपुर, 25 मई (एजेंसियां)। राजस्थान के लिए आज 25 मई 2026 का दिन आर्थिक झटकों वाले दिनों में शुमार हो गया है। राज्य के नागरिक अभी सुबह-सुबह पेट्रोल और डीजल की कीमतों में हुई रिकॉर्ड-तोड़ और कमरतोड़ बढ़ोतरी से संभल भी नहीं पाए थे कि भरतपुर जिले के नदबई से आई एक आगज़नी की खबर ने सभी को चिंता में डाल दिया है। जानकारी के मुताबिक़ नदबई स्थित 'ऑयल मिल' में तड़के सुबह अचानक आग का तांडव शुरू हुआ। मिल में शॉर्ट सर्किट होने के कारण ऐसी आग भड़की, जिसने देखते ही देखते पूरी मिल को अपनी चपेट में ले लिया और वहां रखे डेढ़ करोड़ रुपये से अधिक के सरसों बीज, तैयार सरसों तेल और भारी-भरकम कीमती उपकरणों को पूरी तरह से जलाकर राख के ढेर में तब्दील कर दिया।

भरतपुर जिले के नदबई में डेहरा रोड स्थित श्री शांति ऑयल मिल में रोज की तरह रात की शिफ्ट का काम खत्म होने वाला था और सुबह की तैयारियां चल रही थीं। तभी अचानक सुबह के करीब 4 बजे मिल के ऑयल फिल्टर सेक्शन में आग लगी, जिसने कुछ ही देर में विकराल रूप धारण कर लिया। आग की चपेट में दो बड़े ऑयल फिल्टर पूरी तरह जलकर खाक हो गए, वहीं नीचे रखे तेल के टैंकों में भी आग फैल गई, जिससे नुकसान और बढ़ गया। घटना के दौरान आसमान में दूर-दूर तक धुएं का गुबार दिखाई देता रहा। सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची और दमकल कर्मियों ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। समय रहते आग को प्लांट के अन्य हिस्सों में फैलने से रोक लिया गया, जिससे बड़ा हादसा टल गया। मिल प्रबंधन के अनुसार घटना में किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई है, लेकिन मशीनरी एवं अन्य सामग्री को भारी नुकसान पहुंचा है। नुकसान का आकलन किया जा रहा है। आग लगने के कारणों का फिलहाल पता नहीं चल पाया है।

महिला सशक्तिकरण को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रही सरकार : भट्टी विक्रमार्क

राज्यभर में 8,000 स्वयं सहायता समूह भवनों के निर्माण का शुभारंभ

हैदराबाद, 25 मई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क ने कहा कि जन सरकार राज्य की महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। सोमवार को मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी के साथ उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क ने सचिवालय से राज्यभर में 8,000 स्वयं सहायता समूह भवनों के निर्माण कार्य के शिलान्यास कार्यक्रम में वर्चुअल माध्यम से भाग लिया। इस अवसर पर उन्होंने महिला सशक्तिकरण के लिए सरकार द्वारा उठाए जा रहे ऐतिहासिक कदमों की जानकारी दी। भट्टी विक्रमार्क ने कहा कि पूर्व में महिला समूहों को गांवों में अपने कार्यालय भवन नहीं होने के कारण अनेक कठिनाइयों का सामना करना पड़ता था। बैठकों का आयोजन पंचायत कार्यालयों, सदस्यों के घरों अथवा पेड़ों के नीचे करना पड़ता था। उन्होंने कहा कि इस स्थिति को बदलने के लिए सरकार ने महिला समूहों के लिए स्थायी और सम्मानजनक भवनों के निर्माण का निर्णय लिया है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि ये 8,000 भवन पूरे देश के लिए आदर्श बनेंगे।

उपमुख्यमंत्री ने बीआरएस नेताओं की आलोचना करते हुए कहा कि जब मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने सत्ता में आने के बाद एक करोड़ महिलाओं को लखपति बनाने का लक्ष्य घोषित किया था, तब विपक्षी नेताओं ने उसका उपहास उड़ाया था। उन्होंने कहा कि सरकार ने पांच वर्षों में प्रतिवर्ष 20 हजार करोड़ रुपये की दर से एक लाख करोड़ रुपये के ऋण उपलब्ध कराने की घोषणा की थी, जिसका भी विरोधियों ने मजाक बनाया। उन्होंने कहा, यह केवल बातें करने वाली सरकार नहीं, बल्कि कार्य करके दिखाने वाली सरकार है। हमने अपने कार्यों से अपनी प्रतिबद्धता सिद्ध की है। मात्र ढाई वर्षों में बैंक लिंकेज योजनाओं के माध्यम से महिलाओं को 60 हजार करोड़ रुपये उपलब्ध कराकर ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की गई है। आगामी ढाई वर्षों में इस राशि को एक लाख करोड़ रुपये ही नहीं, बल्कि एक लाख 25 हजार करोड़ रुपये से अधिक तक पहुंचाने की योजना बनाई जा रही है। यह उपलब्धि हमारी आलोचना करने वालों के लिए करारा जवाब है।

भट्टी विक्रमार्क ने कहा कि सरकार ने महिला समूहों के लिए ब्याज मुक्त ऋण की सीमा बढ़ाने संबंधी शासनादेश जारी किया है। पहले यह सीमा पांच लाख रुपये थी, जिसे मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी तथा पंचायत राज एवं ग्रामीण विकास मंत्री दानसरी अनसूया सीतक्का की पहल पर बढ़ाकर 10 लाख रुपये कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि इस निर्णय का राज्यभर की महिलाओं ने जोरदार स्वागत किया है। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि एक करोड़ महिलाओं को लखपति बनाने का लक्ष्य केवल कागजों तक सीमित नहीं है, बल्कि मुख्यमंत्री ने इसके प्रभावी क्रियान्वयन के लिए अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए हैं। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को योजना के लिए निश्चित लक्ष्य तय करने तथा स्पष्ट समय-सीमा निर्धारित करने का निर्देश दिया है। भट्टी विक्रमार्क ने इसे सरकार की गंभीरता और दृढ़ संकल्प का प्रमाण बताया। उन्होंने आशा व्यक्त की कि स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी महिलाएं इन अवसरों का भरपूर लाभ उठाकर आर्थिक रूप से और अधिक सशक्त बनेंगी तथा पूरे देश के लिए प्रेरणा का स्रोत बनेंगी।

'मी सुरक्षा' अभियान में 18 हजार से अधिक घरेलू कामगार पंजीकृत

हैदराबाद, 25 मई (स्वतंत्र वार्ता)। मलकाजगिरि पुलिस कमिश्नरेट द्वारा शुरू किए गए 'मी सुरक्षा' सत्यापन अभियान को लोगों का अच्छा सहयोग मिल रहा है। अभियान के तहत अब तक 18 हजार से अधिक घरेलू कामगारों और घरों में कार्य करने वाले कर्मचारियों का पंजीकरण किया जा चुका है। 17 मई से शुरू किए गए इस अभियान का उद्देश्य घरेलू सहायकों, ड्राइवरों, केयरटेकरों, माली और निजी सुरक्षा कर्मियों का सत्यापित डाटाबेस तैयार कर आवासीय क्षेत्रों में सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करना है। पुलिस यह अभियान अपार्टमेंट एसोसिएशनों, गेटेड कम्युनिटी और कॉलोनी कल्याण समितियों के सहयोग से चला रही है।

पुलिस के अनुसार, कमिश्नरेट के तीनों जोन में कुल 18,413 पंजीकरण दर्ज किए गए हैं। इनमें मलकाजगिरि जोन में सबसे अधिक 8,771 पंजीकरण हुए, जबकि उप्पल जोन में 4,837 और एलबी नगर जोन में 4,805 पंजीकरण दर्ज किए गए। थाना स्तर पर शमीरपेट पुलिस स्टेशन में सबसे अधिक 1,643 पंजीकरण हुए। इसके बाद उप्पल पुलिस स्टेशन में 1,280 और मलकाजगिरि पुलिस स्टेशन में 1,040 घरेलू कामगारों का पंजीकरण किया गया। पुलिस आंकड़ों के अनुसार, अधिकांश पंजीकृत कामगार भारतीय नागरिक हैं।

24 घंटे पेयजल आपूर्ति देने का केटीआर का वादा

सत्ता में लौटने पर हर घर तक पहुंचेगा सुरक्षित पेयजल

हैदराबाद, 25 मई (स्वतंत्र वार्ता)। भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के कार्यकारी अध्यक्ष के.टी. रामाराव ने घोषणा की है कि उनकी पार्टी दोबारा सत्ता में आने पर हैदराबाद शहर के प्रत्येक घर को 24 घंटे सुरक्षित पेयजल उपलब्ध कराया जाएगा। सोमवार को कुकटपल्ली में पार्टी कार्यकर्ताओं की बैठक को संबोधित करते हुए के.टी. रामाराव ने कहा कि बीआरएस सरकार ने पहले तेलंगाना को भीषण विद्युत संकट वाले राज्य से 24 घंटे निर्बाध बिजली आपूर्ति वाले राज्य में परिवर्तित किया था और अब इसी प्रकार हैदराबाद में चौबीसों घंटे पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित की जाएगी।

उन्होंने तेलंगाना राज्य गठन से पूर्व की परिस्थितियों का उल्लेख करते हुए कहा कि कांग्रेस शासन के दौरान लोगों को लंबे समय तक बिजली कटौती और पेयजल संकट का सामना करना पड़ता था। उन्होंने कहा कि संयुक्त आंध्र प्रदेश के समय बिजली और पानी की समस्या को लेकर लगातार आंदोलन और प्रदर्शन होते थे।

के.टी. रामाराव ने कहा कि तेलंगाना गठन के बाद मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव के नेतृत्व में राज्य सरकार ने 24 घंटे निर्बाध बिजली आपूर्ति लागू की और मिशन भागीरथ योजना के माध्यम से राज्यभर के घरों तक पाइपलाइन से पेयजल पहुंचाने का कार्य किया। उन्होंने कहा कि जिस दृढ़ संकल्प के साथ के. चंद्रशेखर राव ने निर्बाध बिजली आपूर्ति सुनिश्चित की थी, उसी संकल्प के साथ अब हैदराबाद में 24 घंटे पेयजल आपूर्ति उपलब्ध कराई जाएगी। उन्होंने कहा, तेलंगाना को 24 घंटे बिजली देने वाले के. चंद्रशेखर राव ही हैं और हैदराबाद को 24 घंटे पेयजल देने वाले भी वही होंगे। के.टी. रामाराव ने कहा कि बीआरएस के दोबारा सत्ता में आने के बाद वह स्वयं इस योजना के सफल क्रियान्वयन की जिम्मेदारी संभालेंगे।

उन्होंने कांग्रेस सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए आरोप लगाया कि विधानसभा चुनावों के दौरान कांग्रेस ने अव्यावहारिक वादे कर समाज के हर वर्ग को धोखा दिया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस वृद्धावस्था पेंशन बढ़ाने से लेकर महिलाओं को मासिक आर्थिक सहायता देने तक अपने वादे पूरे करने में विफल रही है।

के.टी. रामाराव ने मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी पर आरोप लगाया कि वह बीआरएस शासनकाल में निर्मित फ्लाईओवर, अस्पतालों और अन्य बुनियादी परियोजनाओं का उद्घाटन कर झूठा श्रेय लेने का प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस नेता केवल फीता काटकर इन परियोजनाओं को अपनी उपलब्धि के रूप में प्रस्तुत कर रहे हैं।

उन्होंने दावा किया कि हैदराबाद की जनता कांग्रेस शासन को भलीभांति जानती है और इसी कारण शहर में पार्टी को एक भी सीट नहीं मिली। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस की नीतियों के कारण हैदराबाद का रियल एस्टेट क्षेत्र गंभीर रूप से प्रभावित हुआ है, जिससे निर्माण कार्यों में भारी मंदी आई है और लाखों निर्माण मजदूरों तथा सेंटरिंग श्रमिकों के रोजगार पर असर पड़ा है।

ग्रीष्मकालीन शिविरों में पुस्तकों और रचनात्मकता की चमक

बच्चों की कलात्मक प्रदर्शनी ने आकर्षित किया लोगों का ध्यान

हैदराबाद, 25 मई (स्वतंत्र वार्ता)। लिटिल होप ट्रस्ट द्वारा आदर्श ट्यूशन केंद्रों में स्टोरीबुक्स समर कैंप तथा बाल रचनात्मक प्रदर्शनी का सफल शुभारंभ किया गया। आयोजकों ने बताया कि इस पहल का उद्देश्य बच्चों में पठन-पाठन की आदत विकसित करना तथा पुस्तकों और शैक्षिक गतिविधियों के माध्यम से उनकी कल्पनाशक्ति, रचनात्मकता और आत्मविश्वास को बढ़ावा देना है। कार्यक्रम में बच्चों द्वारा तैयार की गई मिट्टी की कलाकृतियां, नक्शे, चित्रकारी तथा हस्तनिर्मित कलात्मक वस्तुओं की प्रदर्शनी लगाई गई, जिसे उपस्थित लोगों ने खूब सराहा।

लिटिल होप ट्रस्ट ने इस पहल के अंतर्गत आंध्र प्रदेश और तेलंगाना में 44 पुस्तकालय स्थापित किए हैं, ताकि बच्चों को अच्छी और प्रेरणादायक पुस्तकों तक पहुंच उपलब्ध हो सके। आयोजक मणिकोंडा जोन्स ने कहा, बच्चे के हाथ में एक अच्छी पुस्तक उसके सोचने का तरीका बदल सकती है। सकारात्मक विचार बेहतर भविष्य का निर्माण करते हैं, क्योंकि हमारे विचार ही हमारे जीवन को आकार देते हैं। ट्रस्ट ने श्री राम सुदाना, डॉ. शिवा जस्ती तथा डॉ.सी.वी. प्रसाद द्वारा दिए गए आर्थिक सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया। साथ ही 'ब्लूम विद बुक्स' और 'लर्न एंड हेल्प' संस्थाओं के सहयोग और प्रोत्साहन के लिए विशेष धन्यवाद दिया गया।

कार्यक्रम में 'मंची पुस्तकम' की शिक्षिका एवं स्वयंसेविका पवित्रा वीएस मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं। उन्होंने बच्चों को पुस्तकें और स्टेशनरी वितरित की तथा विद्यार्थियों को समर्पण और आत्मविश्वास के साथ शिक्षा जारी रखने के लिए प्रेरित किया। इस कार्यक्रम का आयोजन लिटिल होप ट्रस्ट की तेलंगाना समन्वयक सुजाता के नेतृत्व में किया गया। ग्रीष्मकालीन शिविरों के दौरान कराटे प्रशिक्षण, खेलकूद, कहानी वाचन, पठन गतिविधियां, रचनात्मक कार्यशालाएं तथा व्यक्तित्व विकास कार्यक्रम आयोजित किए गए। कार्यक्रम के दौरान डोंडापाटी सैमुअल प्रदीप और उनके बच्चों ने 50 बच्चों को स्टेशनरी किट वितरित की। आयोजकों ने बच्चों के कल्याण के लिए उनके योगदान की सराहना की। कार्यक्रम का समापन इस प्रेरणादायक संदेश के साथ हुआ- आइए, पुस्तकों के माध्यम से बच्चों का भविष्य उज्ज्वल बनाएं।

आरटी-पीसीआर अत्याधुनिक प्रयोगशाला का शुभारंभ

दुर्लभ बीमारियों के निदान में मिलेगी बड़ी मदद

हैदराबाद, 25 मई (स्वतंत्र वार्ता)। जीनोम फाउंडेशन ने सोमवार को हैदराबाद में अत्याधुनिक आरटी-पीसीआर (रिवर्स ट्रांसक्रिप्शन पॉलिमरेज चेन रिएक्शन) सुविधा का शुभारंभ किया। यह कदम दुर्लभ बीमारियों के निदान और जीनोमिक अनुसंधान के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि माना जा रहा है। इस उन्नत प्रयोगशाला का उद्घाटन जीनोम फाउंडेशन के प्रबंध निदेशक डॉ.के.पी.सी. गांधी ने किया। उन्होंने कहा कि यह नई सुविधा संस्था की दुर्लभ बीमारियों से पीड़ित मरीजों की सहायता क्षमता को और मजबूत करेगी तथा युवा शोधकर्ताओं और चिकित्सकों के लिए प्रशिक्षण के अवसर भी बढ़ाएगी।

डॉ. गांधी ने कहा कि अब आरटी-पीसीआर परीक्षण संस्था के भीतर ही किए जा सकेंगे, जिससे महत्वपूर्ण आनुवंशिक परीक्षणों की रिपोर्ट आने में लगने वाला समय कम होगा और मरीजों को तेजी से परिणाम उपलब्ध हो सकेंगे। आरटी-पीसीआर एक अत्यंत संवेदनशील आणविक निदान तकनीक है, जिसका उपयोग आनुवंशिक सामग्री का पता लगाने और विश्लेषण करने के लिए किया जाता है। यह तकनीक चिकित्सा निदान, जैविक अनुसंधान और फॉरेंसिक विज्ञान में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

अवैध पशु तस्करी पर की सख्त कार्रवाई की मांग

बकरीद से पहले निगरानी बढ़ाने का आग्रह

हैदराबाद, 25 मई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना गौशाला फेडरेशन ने राज्य सरकार से बकरीद से पहले अवैध पशु परिवहन, तस्करी और अनधिकृत वध गतिविधियों पर सख्त कार्रवाई करने की मांग की है। हैदराबाद के हैदरगुड़ा स्थित एनएसएस में आयोजित प्रेस वार्ता में फेडरेशन के अध्यक्ष महेश अग्रवाल, 'लव फॉर काउ' के अध्यक्ष जस्मत पटेल और ट्रस्टी ऋतेश जगीरदार ने आरोप लगाया कि त्योहार के समय का लाभ उठाकर असामाजिक तत्व बड़े पैमाने पर गोवंशीय पशुओं के वध और अवैध परिवहन में संलिप्त हैं।

उन्होंने कहा कि कानून के तहत गाय, बछड़े और भैंस के बछड़ों का वध प्रतिबंधित है तथा जहां अनुमति प्राप्त वध होता है, वहां भी सख्त प्रमाणन और निर्धारित वध क्षेत्र आवश्यक हैं। इसके बावजूद पड़ोसी जिलों और राज्यों से अवैध पशु बाजारों और अनधिकृत परिवहन नेटवर्क के सक्रिय होने की आशंका जताई गई। फेडरेशन ने संविधान के अनुच्छेद 48 का उल्लेख करते हुए कहा कि पशुधन संरक्षण राज्य का दायित्व है। उन्होंने दावा किया कि पुलिस निगरानी और चेक पोस्ट के बावजूद जमीनी स्तर पर अवैध पशु तस्करी जारी है।

उन्होंने मांग की कि अनधिकृत वधशालाओं को तुरंत बंद किया जाए, राष्ट्रीय राजमार्गों पर जांच बढ़ाई जाए, पशु परिवहन मार्गों पर चौबीसों घंटे पुलिस निगरानी रखी जाए तथा उल्लंघन करने वालों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की जाए। साथ ही पशुपालन विभाग के साथ समन्वय कर पशुओं के स्वास्थ्य प्रमाणपत्रों की जांच की भी मांग की गई।

फेडरेशन ने चेतावनी दी कि यदि सरकार ने प्रभावी कदम नहीं उठाए तो वे शांतिपूर्ण आंदोलन और कानूनी कार्रवाई को आगे बढ़ाएंगे। उन्होंने कहा कि तेलंगाना की सभी गौशालाएं और 'लव फॉर काउ' पहल बचाए गए पशुओं के संरक्षण और पुनर्वास में सहयोग के लिए तैयार हैं। कार्यक्रम में स्वामी कमलेश महाराज, जसवंत सुरानी सहित अन्य लोग भी उपस्थित रहे।

गांधी अस्पताल में पीजी डॉक्टर पर हमला

जूनियर डॉक्टरों का विरोध प्रदर्शन

हैदराबाद, 25 मई (स्वतंत्र वार्ता)। गांधी अस्पताल में एक मरीज के परिजनों द्वारा पोस्ट ग्रेजुएट (पीजी) डॉक्टर पर कथित हमले के बाद सोमवार को जूनियर डॉक्टरों ने विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया। इस घटना के चलते अस्पताल की सामान्य चिकित्सा सेवाएं प्रभावित होने की आशंका पैदा हो गई है। जानकारी के अनुसार, रविवार रात गांधी अस्पताल के आईएमसी जनरल वार्ड की तीसरी मंजिल पर मरीज की देखभाल को लेकर विवाद हुआ, जिसके बाद कुछ परिजनों ने पीजी डॉक्टरों पर हमला कर दिया। घटना के बाद पीड़ित डॉक्टरों ने चिलकलगुडा पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई।

घटना के विरोध में तेलंगाना जूनियर डॉक्टर्स एसोसिएशन (टीजेडीयूडीए) की गांधी इकाई से जुड़े जूनियर डॉक्टरों ने अस्पताल परिसर में प्रदर्शन किया। इस घटना की तेलंगाना गवर्नमेंट डॉक्टर्स एसोसिएशन और हेल्थकेयर रिफॉर्म्स डॉक्टर्स एसोसिएशन समेत कई संगठनों ने निंदा की है। डॉक्टरों ने स्वास्थ्यकर्मियों की सुरक्षा के लिए 'तेलंगाना चिकित्सा पेशेवर संरक्षण, सुरक्षा और कल्याण अधिनियम' को तुरंत लागू करने की मांग उठाई है। उनका कहना है कि स्वास्थ्यकर्मियों पर हमला करने वालों के खिलाफ सख्त और गैर-जमानती कार्रवाई का प्रावधान होना चाहिए। डॉक्टरों ने अस्पतालों में सीसीटीवी कैमरे, त्वरित पुलिस सहायता प्रणाली और भीड़ नियंत्रण व्यवस्था लागू करने की भी मांग की है। सोमवार को जूनियर और वरिष्ठ डॉक्टरों ने चिकित्सा शिक्षा निदेशक डॉ. ए. नरेंद्र कुमार तथा गांधी अस्पताल की अधीक्षक डॉ. वानी से मुलाकात कर ज्ञापन सौंपा। उन्होंने आरोपियों के खिलाफ त्वरित कार्रवाई और भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए प्रभावी कदम उठाने की मांग की।

बड़े भाई की चाकू मारकर हत्या

हैदराबाद, 25 मई (स्वतंत्र वार्ता)। रीन बाजार इलाके में रविवार रात पारिवारिक विवाद के दौरान छोटे भाई ने अपने बड़े भाई की चाकू मारकर हत्या कर दी। घटना के बाद इलाके में सनसनी फैल गई। पुलिस के अनुसार, अमननगर निवासी मोहम्मद रजाक और आशा बेगम के दो बेटे मोहम्मद हबीब पाशा उर्फ समीर (25) और मोहम्मद फारूक पाशा उर्फ छोटूबाबा (22) एक बेकरी में काम करते थे। परिवार वालों ने बताया कि हबीब पाशा अक्सर शराब पीकर घर आता था और मां व बहन के साथ दुर्व्यवहार करता था। इसी बात को लेकर दोनों भाइयों के बीच लंबे समय से तनाव चल रहा था। फारूक पाशा कई बार अपने बड़े भाई को समझा चुका था, लेकिन विवाद बढ़ता जा रहा था।

रविवार रात फिर घर में कहासुनी शुरू हो गई। आरोप है कि नशे में हबीब पाशा परिवार के लोगों को गाली देने लगा। इसी दौरान गुस्से में आकर छोटे भाई फारूक पाशा ने चाकू से हमला कर दिया। गंभीर चोट लगने से हबीब पाशा की मौके पर ही मौत हो गई। सूचना मिलने पर रेन बाजार पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी। पुलिस ने अभी तक आरोपी की गिरफ्तारी की पुष्टि नहीं की है।

'चिराग' उत्कृष्टता केंद्र का शुभारंभ

मानव संसाधन प्रशिक्षण, अनुसंधान और डिजिटल परिवर्तन के लिए आधुनिक केंद्र का शिलान्यास

सिकंदराबाद, 25 मई (स्वतंत्र वार्ता)। भारतीय रेलवे में मानव संसाधन प्रबंधन को अधिक सशक्त, आधुनिक और डेटा-आधारित बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए 'चिराग' नामक उत्कृष्टता केंद्र का आज शिलान्यास एवं शुभारंभ किया गया।

यह केंद्र सिकंदराबाद के मौला-अली स्थित जोनल रेलवे प्रशिक्षण संस्थान (जेडआरटीआई) के निकट एससीआर ग्राउंड में स्थापित किया जा रहा है। यह केंद्र भारतीय रेलवे वित्तीय प्रबंधन संस्थान (आईआरआईएफएम) के अंतर्गत कार्य करेगा, जो भारतीय रेलवे कार्मिक सेवा (आईआरपीएस) कैडर के लिए केंद्रीयकृत प्रशिक्षण संस्थान है।

इस परियोजना का उद्घाटन रेलवे बोर्ड की अतिरिक्त सदस्य (मानव संसाधन) वी.जी. भूमा ने किया तथा प्रस्तावित भवन का शिलान्यास भी संपन्न किया। इस अवसर पर रेलवे बोर्ड की पूर्व वित्त सदस्य एवं आईआरआईएफएम की महानिदेशक अपर्णा गर्ग तथा दक्षिण मध्य रेलवे के महाप्रबंधक संजय कुमार श्रीवास्तव उपस्थित रहे। कार्यक्रम में प्रधान मुख्य कार्मिक अधिकारी सिद्धार्थ काटी, आईआरआईएफएम के अतिरिक्त महानिदेशक सिर्रा शांति राजू, आईआरआईएसईटी के डीन लोकेश बिश्नोई, सिकंदराबाद मंडल रेल प्रबंधक डॉ.आर. गोपालकृष्णन सहित वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। रेलवे बोर्ड की महानिदेशक (मानव संसाधन) अरुणा नायर इस कार्यक्रम में वर्चुअल रूप से शामिल हुईं और उन्होंने इस पहल को रेलवे के भविष्य के लिए डेटा-आधारित मानव संसाधन प्रणाली की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया।

अपर्णा गर्ग ने कहा कि 'चिराग' भविष्य में मानव संसाधन प्रबंधन के क्षेत्र में अनुसंधान एवं नवाचार का प्रमुख केंद्र बनेगा। उन्होंने इस परियोजना को गति देने में रेलवे बोर्ड के मानव संसाधन विभाग और आईआरआईएफएम के नेतृत्व की सराहना की।

साथ ही दक्षिण मध्य रेलवे और आईआरआईएफएम की टीम के सहयोग को भी महत्वपूर्ण बताया। यह परियोजना मई 2028 तक पूर्ण किए जाने का लक्ष्य रखा गया है।

महाप्रबंधक संजय कुमार श्रीवास्तव ने कहा कि 'चिराग' भारतीय रेलवे की मानव संसाधन प्रबंधन प्रणाली (एचआरएमएस) क्षमताओं को मजबूत करेगा और रेलवे को डिजिटल मानव संसाधन प्रशासन में अग्रणी बनाएगा। कार्यक्रम में बताया गया कि यह केंद्र 'मिशन कर्मयोगी' तथा राष्ट्रीय क्षमता निर्माण आयोग के ढांचे के अनुरूप कार्य करेगा।

बिजली समझौता विवाद पर कांग्रेस का बीआरएस पर पलटवार

हैदराबाद, 25 मई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना प्रदेश कांग्रेस कमेटी के आधिकारिक प्रवक्ता बंडी सुदर्शन गौड़ ने सोमवार को बिजली समझौते को लेकर विपक्षी भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) पर तीखा पलटवार किया। उन्होंने आरोप लगाया कि बीआरएस इस मुद्दे पर दोहरे मानदंड अपना रही है और जनता को गुमराह कर रही है। मीडिया से बातचीत करते हुए सुदर्शन गौड़ ने कहा कि वर्ष 2017 में 4 जनवरी को तत्कालीन बीआरएस सरकार ने ही केंद्र सरकार के साथ एकीकृत बिजली आपूर्ति योजना को लेकर समझौता किया था। उन्होंने कहा कि उस समय केंद्र और तेलंगाना डिस्कॉम के वरिष्ठ अधिकारियों ने इस समझौते पर हस्ताक्षर किए थे, जिसे अब बीआरएस नकार नहीं सकती। उन्होंने आरोप लगाया कि सत्ता से बाहर होने के बाद बीआरएस नेतृत्व अनावश्यक भय और भ्रम फैलाकर राजनीतिक लाभ लेने की कोशिश कर रहा है।

कांग्रेस नेता ने दावा किया कि अविभाजित आंध्र प्रदेश में किसानों को मुफ्त बिजली देने की शुरूआत कांग्रेस पार्टी ने की थी और वर्तमान में मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी के नेतृत्व वाली सरकार राज्य में लगभग 50 लाख परिवारों को 200 यूनिट तक मुफ्त बिजली उपलब्ध करा रही है। मीटर लगाए जाने को लेकर विपक्ष की आलोचना पर सवाल उठाते हुए उन्होंने कहा, जब बिजली मुफ्त दी जा रही है, तो लोगों पर बोझ डालने का सवाल ही नहीं उठता। सुदर्शन गौड़ ने बीआरएस नेताओं पर झूठ फैलाने का आरोप लगाते हुए जनता से अपील की कि वे राजनीतिक रूप से प्रेरित प्रचार पर विश्वास न करें। उन्होंने मुख्यमंत्री से आग्रह किया कि तथ्यों को तोड़-मरोड़ कर पेश करने वाले नेताओं के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 212 के तहत कानूनी कार्रवाई पर विचार किया जाए।

सीएम को सीपीआई प्रतिनिधिमंडल ने न्यूनतम मजदूरी वृद्धि पर दिया धन्यवाद

धान खरीद व किसानों के मुद्दों पर भी हुई चर्चा

हैदराबाद, 25 मई (स्वतंत्र वार्ता)। भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (सीपीआई) के एक प्रतिनिधिमंडल ने विधायक कुनामनेनी संबाशिव राव के नेतृत्व में सोमवार को डॉ.बी.आर. अंबेडकर राज्य सचिवालय में मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी से मुलाकात की और राज्य सरकार द्वारा श्रमिकों के न्यूनतम मजदूरी में वृद्धि के निर्णय के लिए उनका आभार व्यक्त किया। बैठक के दौरान प्रतिनिधिमंडल ने किसानों और धान खरीद से जुड़े मुद्दों पर भी चर्चा की। मुख्यमंत्री ने कहा कि केंद्र सरकार से पर्याप्त सहयोग न मिलने के बावजूद तेलंगाना सरकार किसानों को संकट से बचाने के लिए खाद्यान्न की खरीद कर रही है।

उन्होंने बताया कि इस मौसम में राज्य में मक्का का उत्पादन काफी अधिक हुआ है, लेकिन केंद्र सरकार द्वारा मक्का की खरीद नहीं की जा रही है। उन्होंने कहा कि किसानों को नुकसान से बचाने के लिए राज्य सरकार वित्तीय हानि उठाकर भी मक्का की खरीद कर रही है। बैठक में सीपीआई एमएलसी सत्यं, पार्टी नेता पाश्या पद्मा, ई. नरसिम्हा, चाडा वेंकट रेड्डी, बागम हेमंत राव, शंकर, बाला नरसिम्हा, वी.एस. बोस तथा राज्यसभा सदस्य वेम नरेंद्र रेड्डी सहित अन्य नेता उपस्थित रहे।

प्रथम पृष्ठ का शेष भाग

धर्मेंद्र को मरणोपरांत ...

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने राष्ट्रपति भवन में अभिनेता धर्मेंद्र को मरणोपरांत पद्म विभूषण से सम्मानित किया। उनकी पत्नी हेमा मालिनी ने यह पुरस्कार ग्रहण किया। पुरस्कार के लिए चुने जाने पर बिहार के पद्मश्री पुरस्कार विजेता विश्व बंधु (मरणोपरांत) की पत्नी इंदु देवी ने कहा कि सरकार का तहे दिल से शुक्रिया कि उन्होंने इसे मान्यता दी और उन्हें पद्मश्री से सम्मानित किया। हम सभी बहुत गर्व महसूस कर रहे हैं। हम भावुक भी हैं, हमारी आंखों में खुशी के आंसू आ रहे हैं। पूरा परिवार बहुत खुश है, गर्व महसूस कर रहा है और हम सरकार के आभारी हैं। कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह समेत कई बड़े नेता मौजूद रहे।

यूएई की अदालत ...

प्रसाद की ओर से कोर्ट को बताया गया कि उन्होंने पहले ही 125 करोड़ रुपये सुरक्षा राशि के रूप में जमा कर दिए हैं। साथ ही तेलंगाना में 37 एकड़ जमीन के असली कागजात भी अदालत को सौंप दिए गए हैं।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि जुलाई के दूसरे हफ्ते में इस मामले की रोजाना सुनवाई होगी। फिलहाल अदालत किसी अंतरिम आवेदन पर सुनवाई नहीं करेगी। कोर्ट ने पहले यह भी कहा था कि प्रसाद अपनी कंपनियों के रोजमर्रा के खर्च, जैसे कर्मचारियों का वेतन देने के लिए पैसा इस्तेमाल कर सकते हैं, लेकिन कोर्ट की अनुमति के बिना कोई जमीन या दूसरी अचल संपत्ति नहीं बेच सकते।

एआईएडीएमके के तीन ...

बागी नेता वेलुमणि ने पार्टी तोड़ने की मंशा से इनकार करते हुए कहा था कि विधायकों ने जनादेश के अनुसार टीवीके को समर्थन दिया है। उन्होंने कहा था कि एआईएडीएमके को तमिलनाडु विधानसभा के चुनाव में अपनी हार स्वीकार करनी चाहिए और पूर्व मुख्यमंत्री जे. जयललिता से जुड़े 'अम्मा शासन' को बहाल करने की दिशा में काम करना चाहिए। वेलुमणि ने कहा कि न तो उन्होंने और न ही षणमुगम ने नवगठित सरकार में पद की इच्छा व्यक्त की। उन्होंने दावा किया कि मुख्यमंत्री जब षणमुगम के आवास पर आए तो उन्हें एक ज्ञापन सौंपा गया जिसमें सरकार से अन्नाद्रमुक शासन की कल्याणकारी योजनाओं को जारी रखने का आग्रह किया गया, जिसमें अम्मा कैंटीन और नवविवाहिता के लिए स्वर्ण सहायता योजना शामिल है।

कांग्रेस ने डीएमके की पीठ में

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

आईपीएल प्लेऑफ की 4 टीमों के 4 कॉमन फैक्टर

सभी के टॉप-3 बल्लेबाजों ने मिलकर 1300+ रन बनाए, लगातार तीन से ज्यादा हार नहीं

मुंबई, 25 मई (एजेंसियां)। आईपीएल 2026 का प्लेऑफ लाइनअप तय हो चुका है। 26 मई को बेंगलुरु और गुजरात के बीच क्वालिफायर-1 खेला जाएगा, जबकि 27 मई को हैदराबाद और राजस्थान एलिमिनेटर में भिड़ेंगे।

प्लेऑफ की चारों टीमों का सफर अलग-अलग दिखा, लेकिन आंकड़ों में कुछ ऐसे कॉमन पैटर्न सामने आए, जिन्होंने इनके सफल सीजन की नींव रखी। ये चार फैक्टर्स हैं- मजबूत टॉप ऑर्डर, टॉप तीन गेंदबाजों का प्रदर्शन, 200+ के ज्यादा स्कोर और कंसिस्टेंसी।

तीन बल्लेबाज हिट तो टीम टॉप-4 में

इस सीजन 5 टीमें ऐसी रहीं, जिनकी ओर से सबसे ज्यादा रन बनाने वाले 3 बल्लेबाजों ने मिलकर 1300 से ज्यादा रन बना दिए। इनमें से चार टीमों ने प्लेऑफ में जगह बना ली। सिर्फ पंजाब की टीम ऐसी रही, जिसके तीन बल्लेबाजों ने मिलकर 1300 रनों का आंकड़ा पार किया। लेकिन, उसे प्लेऑफ में जगह नहीं मिल पाई। बाकी की पांच टीमों के तीन बेस्ट रन-स्कोरर मिलकर 1200 रन भी नहीं बना सके।

IPL-2026 प्लेऑफ का शेड्यूल

मैच	टीमें	तारीख	वेन्यू
क्वालिफायर-1	बेंगलुरु Vs गुजरात	26 मई	धर्मशाला
एलिमिनेटर	राजस्थान Vs हैदराबाद	27 मई	न्यू चंडीगढ़
क्वालिफायर-2	टीमें तय नहीं	29 मई	न्यू चंडीगढ़
फाइनल	टीमें तय नहीं	31 मई	अहमदाबाद

(सभी मैच शाम 7:30 बजे शुरू होंगे।)

तीन गेंदबाजों ने मिलकर 45 या ज्यादा विकेट लिए

पूरे सीजन में 5 टीमें ही ऐसी रहीं, जिनके बेस्ट परफॉर्मिंग 3 गेंदबाजों ने मिलकर 45 या इससे ज्यादा विकेट लिए। इनमें से चार प्लेऑफ में पहुंची है। सिर्फ चेन्नई ऐसी टीम रही, जिनके टॉप-3 गेंदबाजों ने मिलकर 48 विकेट लिए फिर भी वह टॉप-4 में नहीं आ पाई। बाकी पांच टीमों में से चार दिल्ली, लखनऊ, मुंबई और पंजाब के बेस्ट तीन बॉलर्स मिलकर 40 विकेट भी नहीं लिए। कोलकाता ने बेस्ट तीन गेंदबाजों ने 44 विकेट लिए।

कम से कम 6 बार 200 या इससे ज्यादा का स्कोर

इस बार पांच टीमों ने कम से कम 6 बार 200 या इससे ज्यादा का स्कोर बनाया है। इनमें से 4 टीमें प्लेऑफ में पहुंची है। पंजाब ही इकलौती ऐसी टीम है, जो 9 बार 200+ बनाने के बावजूद टॉप-4 में नहीं फिनिश कर पाई। प्लेऑफ में पहुंचने वाली टीमों में से हैदराबाद ने 9 बार, बेंगलुरु ने 8 बार, राजस्थान ने 7 बार और गुजरात ने 6 बार 200+ का स्कोर बनाया। बाकी पांच टीमों ने पांच या इससे कम बार ही 200 का स्कोर बनाया।

लंबी विनिंग स्ट्रीक और छोटी लूजिंग स्ट्रीक

आईपीएल जैसी लीग में प्लेऑफ में जगह जीत या हार के मोमेंटम पर निर्भर करती है। जिन चार टीमों ने प्लेऑफ में जगह बनाई है, उनमें से तीन बेंगलुरु, गुजरात और हैदराबाद पूरे सीजन में कभी भी लगातार 2 से ज्यादा मैच नहीं हारी। सिर्फ राजस्थान ने एक बार लगातार 3 मैच गंवाए।

सबसे लंबी विनिंग स्ट्रीक गुजरात और हैदराबाद ने बनाई। इन टीमों ने एक-एक बार लगातार 5-5 मैच जीते। पंजाब ने अपने शुरुआती 7 में से 6 मैच जीते थे। उसका तीसरा मैच बारिश में धुल गया था। पंजाब को इस विनिंग स्ट्रीक का फायदा इसलिए नहीं मिल पाया। क्योंकि, वह इसके बाद लगातार 6 मैच हार गई।

राहुल ने रोहित की बराबरी की

आईपीएल में 51वीं बार फिफ्टी+ स्कोर बनाया

कोलकाता, 25 मई (एजेंसियां)। दिल्ली कैपिटल्स ने आईपीएल 2026 के आखिरी लीग मुकाबले में कोलकाता नाइट राइडर्स को 40 रन से हरा दिया। ईडन गार्डन्स में दिल्ली के केएल राहुल ने आईपीएल में सबसे ज्यादा फिफ्टी लगाने के मामले में रोहित शर्मा की बराबरी कर ली। उन्होंने 51वीं बार पचास या उससे ज्यादा का स्कोर बनाया। कुलदीप यादव की हैट्रिक बॉल पर विकेटकीपर अभिषेक पोरेल ने कैच छोड़ दिया। वहीं कोलकाता के मनीष पांडे आईपीएल में 4 हजार रन बनाने वाले तीसरे सबसे धीमें प्लेयर बने। कोलकाता के खिलाफ केएल राहुल ने 60 रन की पारी खेली।

यह आईपीएल में उनकी 51वीं फिफ्टी रही। इसके साथ ही वह लीग में सबसे ज्यादा 50+ स्कोर करने वाले संयुक्त रुप से चौथे खिलाड़ी बन गए हैं। उन्होंने रोहित शर्मा की बराबरी की। इस लिस्ट में विराट कोहली पहले नंबर पर हैं, जिन्होंने 76 बार यह स्कोर बनाया है। रनचेज के सातवें ओवर में मनीष ने चौका लगाकर आईपीएल में अपने 4 हजार रन पूरे किए। उन्होंने इसके लिए 164 पारी खेली। वे आईपीएल में सबसे धीमे 4 हजार रन बनाने वाले तीसरे खिलाड़ी बन गए हैं। इस लिस्ट में दिनेश कार्तिक नंबर-1 पर हैं, जिन्होंने 188 पारी खेली थी। राहुल ने बतौर विकेटकीपर आईपीएल के एक सीजन में सबसे ज्यादा 50+ स्कोर बनाने के रिकॉर्ड की बराबरी की है। उन्होंने कोलकाता के खिलाफ फिफ्टी के साथ इस सीजन 6 फिफ्टी या उससे ज्यादा स्कोर बनाए। इससे पहले वे 2018 में भी 6 बार बतौर विकेटकीपर 6 बार यह कारनामा कर चुके हैं। उनके अलावा ऋषभ पंत (2018) और प्रभसिमरन सिंह (2026) इस आंकड़े तक पहुंच चुके हैं। दिल्ली ने कोलकाता के खिलाफ 203 रन का स्कोर बनाया। यह बिना किसी अर्धशतकीय साझेदारी के आईपीएल का चौथा सबसे बड़ा टीम टोटल है। इस लिस्ट में चेन्नई सुपर किंग्स नंबर-1 पर है, जिन्होंने 2026 में मुंबई के खिलाफ वानखेड़े स्टेडियम पर 207/6 का स्कोर बनाया था।

अजिंक्य रहाणे ने दिल्ली के खिलाफ 63 रन की पारी खेली। उनका आईपीएल में दिल्ली के खिलाफ यह आठवां 50+ स्कोर है। दिल्ली के खिलाफ सबसे ज्यादा बार 50+ स्कोर करने वाले दूसरे खिलाड़ी हैं। इस लिस्ट में विराट कोहली नंबर-1 पर है, जिन्होंने दिल्ली के खिलाफ 11 बार यह कारनामा किया है।

वैभव सूर्यवंशी का टी20 में दोहरा शतक लगाने का ऐलान

अपना अगला टारगेट क्रिस गेल के 175 रन का रिकॉर्ड

मुंबई, 25 मई (एजेंसियां)। वैभव सूर्यवंशी ने टी20 में अपना अगला टारगेट बता दिया है और जो उन्होंने कहा है, यकीन मानिए उसे सुनकर आप रोमांचित हो उठेंगे. उन्होंने उस मैच के बारे में बता दिया, जिसमें गेल का रिकॉर्ड तोड़ेंगे.

वैभव सूर्यवंशी जिस मिजाज में खेलते हैं उसके बाद हर कोई इसी इंतजार में है कि कब T20 में बनाया क्रिस गेल के 175 रन का रिकॉर्ड टूटेगा? गेल ने T20 का वो सबसे बड़ा स्कोर आईपीएल की पिच पर ही बनाया था. अब वैभव सूर्यवंशी ने खुद गेल के 175 रन के रिकॉर्ड के टूटने के इंतजार में बैठे अपने फैंस के लिए उसका जवाब दे दिया है. उन्होंने वो मैच बता दिया है, जिसमें वो ना सिर्फ क्रिस गेल के 175 रन का

रिकॉर्ड तोड़ेंगे बल्कि दोहरा शतक भी लगाएंगे. वैभव ने पूरे कॉन्फिडेंस को साथ ये दोनों ऐलान केविन पीटरसन के यू-ट्यूब चैनल दी स्विच में किया है.

दी स्विच के नए एपिसोड में वैभव सूर्यवंशी मेहमान बनकर पहुंचे थे. जहां उन्होंने अपने बल्ले का तो जौहर दिखाया ही, साथ ही खुद भी केविन पीटरसन के पूछे कई सवालों के जवाब दिए. इसी दौरान वैभव सूर्यवंशी ने उस सवाल का भी जवाब दिया, जिसका इंतजार सबको था. शो में दिए वैभव सूर्यवंशी के विस्फोटक बयान के बाद अब सबको इंतजार है उस मुकाबले का, जिसकी उन्होंने बात की है.

केविन पीटरसन के साथ बातचीत में वैभव सूर्यवंशी ने टी20 में अपने अगले टारगेट के बारे में बताया. उन्होंने कहा कि वो टी20 में क्रिस गेल के 175 रन का रिकॉर्ड तोड़ना चाहते हैं और ऐसा करते हुए दोहरा शतक लगाना चाहते हैं. उन्होंने बताया कि टी20 में उनकी तमन्ना 200 रन की पारी खेलने की है. अब सवाल है कि ऐसा होगा किस मैच में? इस पर वैभव ने बताया कि जिस मैच में वो पूरे 20 ओवर खेल लेंगे, उसमें गेल का रिकॉर्ड भी टूटेगा और वो दोहरा शतक भी ठोक देंगे.

अपने शो में केविन पीटरसन ने वैभव सूर्यवंशी के सामने 50 गेंदों में 100 रन बनाने का चैलेंज रखा था, जिसे उन्होंने 25 गेंदों में ही पूरा कर लिया.

युवराज सिंह ने आईपीएल के 3 खिलाड़ियों को सिर पर चप्पल मारने को कहा, टीम हुई प्लेऑफ से बाहर

खेल डेस्क, 25 मई (एजेंसियां)। आईपीएल 2026 के प्लेऑफ की लाइन-अप तो तय हो गई मगर इस बीच युवराज सिंह अलग ही मूड में नजर आए. वो आईपीएल के 3 खिलाड़ियों पर भड़कते दिखे. उन्हें चप्पल से मारने की बात करते दिखे. बड़ी बात ये है कि युवराज ने उन खिलाड़ियों को चप्पल से मारने की बात सरेआम सोशल मीडिया पर की है. युवराज सिंह जिन 3 खिलाड़ियों पर रौब दिखा रहे हैं, उनकी टीम प्लेऑफ से बाहर हो चुकी है. उनमें से एक उनका चेला है तो बाकी दो ने ट्रेनिंग बेशक ना ली हो पर उनका युवराज सिंह से पंजाब वाला कनेक्शन जरूर है. युवराज सिंह ने प्रियांश आर्या, अर्शदीप सिंह और हरप्रीत ब्रार को चप्पल मारने की बात कही है. प्रियांश आर्या, अर्शदीप सिंह और हरप्रीत ब्रार... ये तीनों खिलाड़ी आईपीएल 2026 में पंजाब किंग्स का हिस्सा थे, जिसे एक बार फिर से ग्रुप स्टेज से बाहर होना पड़ा है.

अब सवाल है कि युवराज सिंह ने तीनों खिलाड़ियों को चप्पल से मारने की बात की कब? ऐसा तब हुआ जब हरप्रीत ब्रार ने फोटो शेयर की जिसमें प्रियांश आर्या और अर्शदीप सिंह भी थे. हरप्रीत ने फोटो में प्रियांश को स्लॉगर और अर्शदीप को ब्लॉगर बताया. युवराज सिंह ने उनकी उसी तस्वीर पर कमेंट करते हुए लिखा कि- तुम सबको चप्पल मारने का टाइम आ गया है.

आईपीएल 2026 के प्लेऑफ में तो इन खिलाड़ियों की टीम नहीं पहुंच सकी. लेकिन उनके प्रदर्शन की बात करें तो सिर्फ प्रियांश आर्या का ही थोड़ा ठीक-ठाक लगता है. प्रियांश आर्या ने आईपीएल 2026 के 13 मैचों में 364 रन 211 से ज्यादा की स्ट्राइक रेट से बनाए हैं. अर्शदीप सिंह ने 14 मैचों में 38.64 की औसत और 10.20 की इकॉनमी से 541 रन खर्च कर सिर्फ 14 विकेट लिए हैं. जबकि हरप्रीत ब्रार को 2 मैच खेलने का मौका मिला, जिसमें उन्होंने 2 विकेट झटके हैं.

म्यूनिख निशानेबाजी विश्व कप के लिए तीन वर्ग में हिस्सा लेंगी मनु भाकर

नई दिल्ली, 25 मई (एजेंसियां)। आईएसएसएफ वर्ल्ड कप म्यूनिख के लिए नेशनल राइफल एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एनआरएआई) की चयन समिति ने 22-सदस्यीय भारतीय टीम घोषित कर दी है। इस टीम में ओलंपिक में दो मेडल अपने नाम कर चुकीं मनु भाकर और उनकी साथी ओलंपियन और विश्व चैंपियनशिप पदक विजेता ईशा सिंह ही ऐसी सदस्य हैं, जो दो व्यक्तिगत पिस्टल इवेंट्स में हिस्सा लेंगी। मनु मिक्स्ड टीम पिस्टल इवेंट में भी प्रतिस्पर्धा करेंगी।

आईएसएसएफ राइफल/पिस्टल वर्ल्ड कप 26 से 31 मई के बीच जर्मनी के म्यूनिख में आयोजित किया जाएगा। खेल जगत में इसे पारंपरिक रूप से एक अत्यंत प्रतिष्ठित वार्षिक आयोजन माना जाता है। जर्मनी की राजधानी में स्थित प्रतिष्ठित 'ओलंपियाशीबानलागे' में मंगलवार को 25 मीटर पिस्टल विमेंस प्रेसिजन स्टेज इवेंट से होगी। इसके साथ ही, 10 मीटर एयर पिस्टल पुरुष वर्ग का क्वालिफिकेशन राउंड और महिलाओं की 50 मीटर राइफल 3 पोजीशन्स का एलिमिनेशन राउंड भी शुरू होगा, जिसके बाद 10 मीटर एयर राइफल मेंस इवेंट के लिए क्वालिफिकेशन राउंड होगा। पहले दिन दो फाइनल मुकाबले होंगे। इन इवेंट्स में 10 मीटर एयर पिस्टल मेंस और 10 मीटर एयर राइफल मेंस शामिल हैं। इस विश्व कप के लिए 80 देशों के कुल 696 एथलीट्स ने दावेदारी पेश की है। इनमें कई ओलंपिक और वर्ल्ड चैंपियन भी शामिल हैं, जो इस साल के अंत में होने वाले प्रमुख मल्टी-स्पोर्ट्स इवेंट और शूटिंग वर्ल्ड चैंपियनशिप से पहले अपनी तैयारी को दुनिया के सर्वश्रेष्ठ निशानेबाजों के सामने परखने के लिए तैयार हैं।

पिता से उसेन बोल्ट के किस्से सुनकर धावक बने गुरिंदरवीर

स्मार्ट फोन से दूरी बनाई, ऊबड़-खाबड़ रास्तों पर दौड़ते थे

नई दिल्ली, 25 मई (एजेंसियां)। 25 साल के गुरिंदरवीर सिंह ने शनिवार को एथलेटिक्स फेडरेशन कप की 100 मीटर दौड़ 10.09 सेकेंड में पूरी कर भारत के सबसे तेज धावक बनने का रिकॉर्ड बनाया।

साल 2008 में मशहूर धावक उसैन बोल्ट ने ओलिंपिक में गोल्ड मेडल जीता था। तब 7 साल के गुरिंदरवीर सिंह टीवी पर यह देख रहे थे।

बोल्ट को रिकॉर्ड बनाते देख वे प्रेरित हुए और तभी ठान लिया कि एक दिन भारत के सबसे तेज धावक बनकर देश का नाम रोशन करेंगे। कांस्टेबल पिता कमलजीत उन्हें अक्सर बोल्ट के किस्से सुनाते थे।

लॉकडाउन में किराए पर होटल लेकर ट्रेनिंग की

कोविड में ट्रैक और जिम बंद होने पर जालंधर में गुरिंदरवीर, कोच सरबजीत सिंह हैप्पी के साथ चोरी-छिपे स्थानीय पार्कों के ऊबड़-खाबड़ रास्तों पर दौड़ते थे। वे सुबह सुरक्षाकर्मियों की नजरों से बचकर ट्रैक पर पहुंचते,

रनिंग ड्रिल पूरी कर लौट आते। कई बार ट्रेनिंग जारी रखने के लिए पटियाला में कुछ दिनों के लिए होटल किराए पर लेना पड़ता था।

रूममेट बोला- 'फाइनल भी पूरा नहीं कर पाओगे', गोल्ड जीतकर जवाब दिया

2017 की एशियन यूथ चैम्पियनशिप से पहले गुरिंदरवीर ने 6 महीने तक स्मार्टफोन से दूरी बना ली थी। उनकी दुनिया सिर्फ अभ्यास और ट्रैक तक सीमित थी। लेकिन बैंकॉक में 100 मीटर हीट में वे आखिरी रहे तो ताने मिलने लगे।

रूममेट तक कहने लगे कि फाइनल भी पूरा नहीं कर पाओगे। गुरिंदरवीर ने पिता कमलजीत सिंह को फोन कर कहा कि दूसरा-तीसरा रैंक शायद मिल जाए। यह सुन पिता बोले 'अगर सोच ही वही है, तो पहला कभी नहीं आएगा।' पिता की यही डांट प्रेरणा बनी और अगले दिन गुरिंदरवीर ने पहला रैंक हासिल कर गोल्ड जीत लिया।

पूर्व रणजी क्रिकेटर को मैच के दौरान अटैक आया, मौत

एसएल अक्षय ने 2014-15 में कर्नाटक के लिए रणजी ट्रॉफी जीती

बेंगलुरु, 25 मई (ए जें सि यां) । कर्नाटक के पूर्व तेज गेंदबाज एसएल अक्षय दिल का दौरा पड़ने से निधन हो गया। वे 39 वर्ष के थे। वे 2014-15 के सीजन में रणजी ट्रॉफी जीतने वाली कर्नाटक टीम का हिस्सा थे।

अक्षय बेंगलुरु में केएससीए के थर्ड डिवीजन मैच में सैफायर सीसी की ओर से खेल रहे थे। चार ओवर गेंदबाजी करने के बाद उन्होंने असहज महसूस होने की शिकायत की और मैदान से बाहर चले गए।

उन्हें तुरंत नजदीकी अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। शुरुआती जानकारी के अनुसार उनकी मौत दिल का दौरा पड़ने से हुई।

कर्नाटक राज्य क्रिकेट संघ ने बयान जारी कर अक्षय के निधन पर शोक जताया। संघ ने कहा, 'अक्षय ने प्रथम श्रेणी क्रिकेट में कर्नाटक का शानदार प्रतिनिधित्व किया। खेल करियर खत्म होने के बाद भी उन्होंने पूरे समर्पण और जुनून के साथ क्रिकेट की सेवा जारी रखी।'

पूर्व क्रिकेटर डोडा गणेश ने भी उनके निधन पर दुख जताया। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा- 'क्रिकेट जगत के लिए यह दुखद खबर है। मेरे पास अपने दुख को व्यक्त करने के लिए शब्द नहीं हैं।' डोडा गणेश ने आगे लिखा कि शांत स्वभाव के अक्षय ने 2011-12 में कर्नाटक के लिए खेलते हुए अच्छी सफलता हासिल की थी।

क्रिकेट से संन्यास के बाद अक्षय कोचिंग से जुड़ गए थे। वे कर्नाटक की अंडर-19 टीम के साथ काम कर रहे थे। उन्होंने 2011 से 2013 के बीच कर्नाटक के लिए 6 फर्स्ट क्लास, तीन लिस्ट-ए और नौ टी-20 मैच खेले थे। तेज गेंदबाज के तौर पर उन्होंने घरेलू क्रिकेट में पहचान बनाई थी।

क्या फीफा वर्ल्ड कप में नहीं खेलेंगे मेसी?

पैर में लगी चोट, लंगड़ाते हुए मैदान से गए बाहर; फैंस की बढ़ी टेंशन

मियामी, 25 मई (एजेंसियां)। फीफा वर्ल्ड कप 2026 के शुरू होने में अब दो सप्ताह (लगभग 18 दिन) से भी कम समय बचा है और ऐसे में अर्जेंटीना के सुपरस्टार लियोनल मेसी की फिटनेस ने पूरी दुनिया का ध्यान अपनी ओर खींच लिया है। इंटर मियामी के कप्तान मेसी शनिवार रात फिलाडेल्फिया यूनियन के खिलाफ मुकाबले के दौरान अचानक मैदान से बाहर चले गए, जिसके बाद अर्जेंटीना के प्रशंसकों की धड़कनें बढ़ गईं। इंटर मियामी ने फिलाडेल्फिया यूनियन के खिलाफ रोमांचक मुकाबले में 6-4 से जीत दर्ज की, लेकिन मैच का सबसे बड़ा चर्चा का विषय मेसी का मैदान छोड़ना रहा। मैच के 73वें मिनट में मेसी ने खुद बेंच की ओर इशारा किया और उन्हें तुरंत बाहर बुला लिया गया। इसके बाद उन्हें मातेओ सिल्वेट्टी की जगह मैदान से बाहर जाते देखा गया। मेसी सीधे ड्रेसिंग रूम की ओर चले गए, जिससे संभावित मांसपेशियों की चोट की अटकलें तेज हो गईं। 38 वर्षीय मेसी अर्जेंटीना टीम के सबसे अहम खिलाड़ी हैं और वर्ल्ड कप से ठीक पहले उनकी फिटनेस को लेकर किसी भी तरह की चिंता पूरे देश के लिए बड़ा झटका साबित हो सकती है। हालांकि मैच के बाद इंटर मियामी के कोच गुलेरमो होयोस ने स्थिति को ज्यादा गंभीर नहीं बताया। उन्होंने कहा, 'जहां तक मुझे जानकारी है, अभी तक कोई मेडिकल रिपोर्ट नहीं आई है, लेकिन वह काफी थके हुए थे। यह सिर्फ थकान थी।' उन्होंने आगे कहा, 'हां, यह थकान थी। मैदान भारी था और वह थक गए थे। ऐसे समय में जोखिम लेने से बचना बेहतर होता है।' कोच ने यह भी स्वीकार किया कि मैच खत्म होने के बाद उनकी मेसी से बात नहीं हो पाई थी।

फ्रेंच ओपन 2026 : बेंजामिन बोंजी को हराकर दूसरे दौर में पहुंचे अलेक्जेंडर ज्वेरेव, टॉमस माचाक से होगी भिड़ंत

पेरिस, 25 मई (एजेंसियां)। अलेक्जेंडर ज्वेरेव ने शानदार प्रदर्शन करते हुए फ्रेंच ओपन 2026 के दूसरे दौर में जगह बना ली है। खेले गए मुकाबले में जर्मन स्टार ने फ्रांस के बेंजामिन बोंजी को सीधे सेटों में 6-3, 6-4, 6-2 से हराया। यह मुकाबला दो घंटे आठ मिनट तक चला।

अलेक्जेंडर ज्वेरेव ने पूरे मैच के दौरान बेसलाइन से खेल पर नियंत्रण बनाए रखा। उन्होंने अपनी मजबूत सर्विस और लगातार सटीक ग्राउंडस्ट्रोक्स के जरिए बोंजी पर लगातार दबाव बनाया। ज्वेरेव ने मैच में मिले 10 ब्रेक प्वाइंट मौकों में से 5 को भुनाया, जबकि उन्हें खुद केवल दो ब्रेक प्वाइंट्स का सामना करना पड़ा। पेरिस के क्ले कोर्ट पर ज्वेरेव का प्रदर्शन लगातार प्रभावशाली रहा है। पिछले पांच फ्रेंच ओपन अभियानों में वह एक बार फाइनल, तीन बार सेमीफाइनल और एक बार क्वार्टर फाइनल तक पहुंचे हैं। साल 2017 के बाद से वह कभी भी रोलां गैरो में चौथे दौर से पहले बाहर नहीं हुए हैं।

29 वर्षीय जर्मन खिलाड़ी ने इस क्ले-कोर्ट सीजन में भी शानदार निरंतरता दिखाई है। वह मैड्रिड ओपन के फाइनल तक पहुंचे, जबकि मोंटे-कार्लो और म्यूनिख टूर्नामेंट में सेमीफाइनल खेले। इसके अलावा इंडियन वेल्स और मियामी जैसे हार्ड कोर्ट एटीपी मास्टर्स 1000 टूर्नामेंट्स में भी उन्होंने सेमीफाइनल तक का सफर तय किया। अब दूसरे दौर में अलेक्जेंडर ज्वेरेव का सामना चेक गणराज्य के टॉमस माचाक से होगा। माचाक ने अपने पहले दौर के मुकाबले में बेल्जियम के जिजू बर्ग्स को 6-4, 6-4, 6-3 से हराया। दोनों खिलाड़ियों के बीच पिछली भिड़ंत पेरिस ओलंपिक में हुई थी, जहां ज्वेरेव ने जीत हासिल की थी।

21वीं वरीयता प्राप्त एलेजांद्रो डेविडोविच फोकिना ने दमदार वापसी करते हुए दामिर जुमहर को पांच सेटों में 6-7(3), 6-3, 2-6, 7-5, 6-3 से हराया। अब उनका मुकाबला अर्जेंटीना के थियागो अगस्टिन तिरान्ते से होगा। 13वीं सीड कैरेन खाचानोव ने फ्रांस के वाइल्ड कार्ड खिलाड़ी आर्थर गेया को 6-3, 7-6(3), 6-0 से मात दी। अब खाचानोव का सामना अर्जेंटीना के मार्को ट्रुंगेल्लिति से होगा।

अमेरिकन तेलुगु एसोसिएशन के प्रतिनिधियों ने मुख्यमंत्री से की मुलाकात

हैदराबाद, 25 मई (स्वतंत्र वार्ता)। अमेरिकन तेलुगु एसोसिएशन के प्रतिनिधिमंडल ने सचिवालय में तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी से मुलाकात की। इस दौरान प्रतिनिधियों ने मुख्यमंत्री को आगामी 19वें अमेरिकन तेलुगु एसोसिएशन तेलुगु महासम्मेलन में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया। यह महासम्मेलन 31 जुलाई 2026 से 2 अगस्त 2026 तक अमेरिका के मेरीलैंड में आयोजित किया जाएगा। प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री से कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होकर प्रवासी तेलुगु समुदाय को संबोधित करने का आग्रह किया।मुख्यमंत्री से मुलाकात करने वालों में अमेरिकन तेलुगु एसोसिएशन के अध्यक्ष जयंत चला, नेशनल कोऑर्डिनेटर शरथ वेमुला, कॉन्फ्रेंस रीजनल कोऑर्डिनेटर तिरुमला रेड्डी, ईश्वर बंडा और प्रवीन पाल रेड्डी शामिल थे।

ओआरआर पर भीषण सड़क हादसा, एक की मौत

हैदराबाद, 25 मई (स्वतंत्र वार्ता)। शमीरपेट के पास आउटर रिंग रोड (ओआरआर) पर सोमवार को हुए भीषण सड़क हादसे में एक व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि दूसरा गंभीर रूप से घायल हो गया। पुलिस के अनुसार, दुर्घटना उस समय हुई जब कीसारा से मेडचल की ओर जा रहा एक डीसीएम वाहन सड़क किनारे खड़े कंटेनर ट्रक से पीछे से जा टकराया। टक्कर इतनी जोरदार थी कि डीसीएम वाहन का केबिन बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया।

हादसे में एक व्यक्ति केबिन के अंदर फंस गया, जिसे बाहर निकालने के लिए बचाव अभियान चलाना पड़ा। सूचना मिलने पर शमीरपेट पुलिस मौके पर पहुंची और राहत कार्य शुरू कराया। घायल व्यक्ति को उपचार के लिए पास के अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

स्वयं सहायता समूहों के लाभों के बारे में विस्तार से दी जानकारी

'प्रजा पालन-प्रगति प्रणाली कार्यक्रम का 21वें दिन में प्रवेश

हैदराबाद, 25 मई (स्वतंत्र वार्ता)। ग्रेटर हैदराबाद नगर निगम के अंतर्गत संचालित प्रजा पालन-प्रगति प्रणाली कार्यक्रम ने आज अपने बारहवें सप्ताह और इक्यासीवें दिन में प्रवेश किया। आज के विशेष अभियान का मुख्य विषय नए स्वयं सहायता समूहों के गठन हेतु झुग्गी बस्तियों में बैठकें आयोजित करना रहा। इस अभियान का उद्देश्य महिलाओं तथा आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों को सामुदायिक भागीदारी के माध्यम से सशक्त बनाना और स्वयं सहायता समूहों के गठन द्वारा वित्तीय समावेशन को बढ़ावा देना था। विशेष अभियान के अंतर्गत नगर निगम सीमा क्षेत्र में कुल 105 झुग्गी बस्ती स्तरीय बैठकों का आयोजन किया गया। मेट्टुगुडा और राजेंद्रनगर क्षेत्रों में उप आयुक्तों तथा क्षेत्रीय कर्मियों ने स्थानीय निवासियों, सामुदायिक नेताओं, अधिकारियों एवं महिला समूहों की सहभागिता से सक्रिय रूप से बैठकें आयोजित कीं। इन बैठकों में स्वयं सहायता समूहों के महत्व पर जागरूकता फैलाते हुए आजीविका सुधार, बचत की आदतों को बढ़ावा, लघु उद्यमों को प्रोत्साहन तथा सामाजिक एवं आर्थिक सशक्तिकरण जैसे विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई। नगर निगम आयुक्त ने क्षेत्रीय अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे लोगों को स्वयं सहायता समूहों के लाभों के बारे में विस्तार से जानकारी दें। इनमें बैंकों से ऋण सुविधा, सरकारी जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ, कौशल विकास प्रशिक्षण तथा आय बढ़ाने के अवसर शामिल हैं। बैठकों में शामिल लोगों और स्थानीय निवासियों ने सकारात्मक प्रतिक्रिया देते हुए नए समूहों के गठन में गहरी रुचि दिखाई। इस पहल में विभिन्न क्षेत्रों से उत्साहपूर्ण भागीदारी देखने को मिली, जो प्रजा पालन - प्रगति प्रणाली कार्यक्रम के अंतर्गत समावेशी विकास, महिला सशक्तिकरण तथा सतत सामुदायिक विकास के प्रति नगर निगम की निरंतर प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

फुटपाथ विक्रेताओं पर कोर्ट का जुर्माना व सामाजिक सेवा की सजा

हैदराबाद, 25 मई (स्वतंत्र वार्ता)। चारमीनार पुलिस ने ऐतिहासिक चारमीनार और मक्का मस्जिद जाने वाले मुख्य पैदल मार्ग पर पर्यटकों की आवाजाही में बाधा उत्पन्न करने वाली पांच महिला फुटपाथ विक्रेताओं के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की है। गुलजार हाउस से चारमीनार और मक्का मस्जिद तक जाने वाला मुख्य मार्ग पर्यटकों के लिए विशेष रूप से पैदल आवागमन हेतु निर्धारित किया गया है। इसके बावजूद कुछ महिला विक्रेता, जो मूल रूप से अलवर (राजस्थान) की निवासी हैं और वर्तमान में नंदना वनम (टीकेआर कमान के पास), मीरपेट, हैदराबाद में रह रही हैं, इस मार्ग पर कृत्रिम फूलों की बिक्री कर रही थीं। पुलिस द्वारा कई बार समझाने और रास्ता खाली करने की चेतावनी देने के बावजूद उन्होंने निर्देशों की अनदेखी की। इसके चलते 23 मई को चारमीनार पुलिस ने उनके खिलाफ सीपी एक्ट की धारा 66-सी और बीएनएस की धारा 292 के तहत मामला दर्ज किया। आज सभी पांच महिलाओं को माननीय प्रथम विशेष न्यायिक मजिस्ट्रेट (एसजेएम) कोर्ट में पेश किया गया। मामले की सुनवाई के बाद अदालत ने सभी आरोपियों को दोषी ठहराते हुए प्रत्येक पर 200 रुपये का जुर्माना लगाया। इसके अतिरिक्त अदालत ने उन्हें आज शाम 5 बजे तक चारमीनार पुलिस स्टेशन में सामाजिक सेवा करने का भी आदेश दिया। महिला आरोपियों में अंजू सिंह (19 वर्ष), साबी देवी (38 वर्ष), मनु देवी (43 वर्ष), मनीषा (20 वर्ष), शकुंतला (36 वर्ष) शामिल रहा। चारमीनार पुलिस स्टेशन के स्टेशन हाउस ऑफिसर ने चेतावनी दी है कि पैदल मार्गों और सड़कों पर अतिक्रमण करने वालों के खिलाफ आगे भी सख्त कानूनी कार्रवाई जारी रहेगी, ताकि पर्यटकों और स्थानीय लोगों की सुविधा एवं सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके।

हैदराबाद में पारा 43 डिग्री तक पहुंचने की संभावना

हैदराबाद, 25 मई (स्वतंत्र वार्ता)। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने सोमवार को चेतावनी जारी करते हुए कहा कि हैदराबाद में अधिकतम तापमान 43 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच सकता है। मौसम विभाग के इस पूर्वानुमान के बाद लोगों को सतर्क रहने की सलाह दी गई है। आईएमडी के अनुसार, इस गर्मी में शहर का तापमान सामान्य रूप से 40 से 41 डिग्री सेल्सियस के बीच बना हुआ था, लेकिन सोमवार को तापमान में और बढ़ोतरी दर्ज होने की संभावना है।

पिछले कई दिनों से हैदराबाद और तेलंगाना के विभिन्न हिस्से भीषण गर्मी और लू की चपेट में हैं। स्वास्थ्य विभाग ने लोगों से दोपहर 12 बजे से शाम 4 बजे तक धूप में बाहर निकलने से बचने की अपील की है। साथ ही अधिक मात्रा में पानी पीने और शरीर को हाइड्रेट रखने की सलाह दी गई है। जन स्वास्थ्य निदेशक की ओर से जारी सलाह में कहा गया है कि बुजुर्ग, बच्चे और बीमार व्यक्ति विशेष सावधानी बरतें। अत्यधिक गर्मी के कारण लोगों को स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है।

सीवी आनंद ने डीजीपी कार्यालय का किया निरीक्षण

हैदराबाद, 25 मई (स्वतंत्र वार्ता)। पुलिस महानिदेशक सीवी आनंद ने सोमवार को डीजीपी कार्यालय की विभिन्न मंजिलों और सभी विभागों का निरीक्षण किया। करीब तीन घंटे तक चले इस निरीक्षण के दौरान उन्होंने अधिकारियों और कर्मचारियों को कार्यालय में स्वच्छता और सुव्यवस्था बनाए रखने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान डीजीपी ने भवन के अलग-अलग हिस्सों का दौरा किया और सभी शाखाओं के सुचारू संचालन की समीक्षा की। उन्होंने दीवारों, अलमारियों और मेजों को दोबारा रंगने के निर्देश दिए, ताकि कार्यालय परिसर साफ-सुथरा और व्यवस्थित दिखाई दे।

उन्होंने यह भी निर्देश दिया कि इधर-उधर रखी पुरानी फाइलों को अभिलेख कक्ष में भेजा जाए। इसके अलावा सम्मेलन कक्ष, प्रशिक्षण कक्ष और अन्य कमरों को अधिक सुविधाजनक एवं विशाल बनाने के लिए उनके पुनर्निर्माण पर भी चर्चा की गई। निरीक्षण के दौरान महानिदेशक (कानून एवं व्यवस्था) महेश एम. भागवत, महानिदेशक (संगठन एवं होमगार्ड) स्वाति लकरा, महानिदेशक (तकनीकी सेवाएं) वीवी श्रीनिवास राव, महानिदेशक (सीआईडी) एमएस चारू सिन्हा सहित कई वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।

युवक की संदिग्ध मौत पर परिजनों का प्रदर्शन

करीमनगर, 25 मई (स्वतंत्र वार्ता)। संदिग्ध परिस्थितियों में युवक की मौत के मामले में परिजनों और ग्रामीणों ने सोमवार को अल्गुनूर चौक पर विरोध प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने पुलिस से मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की। प्रदर्शन के दौरान लोगों ने सड़क पर बैठकर नारेबाजी की, जिससे हैदराबाद और वारंगल मार्ग पर यातायात कुछ समय के लिए पूरी तरह बाधित हो गया। परिजनों का आरोप था कि युवक की मौत के पीछे सच्चाई छिपाई जा रही है और जिम्मेदार लोगों की पहचान कर उन्हें सजा दी जानी चाहिए।

सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और प्रदर्शनकारियों को समझाकर शांत कराया। पुलिस अधिकारियों ने मामले की गंभीरता से जांच करने और दोषियों के खिलाफ कार्रवाई का आश्वासन दिया, जिसके बाद लोगों ने प्रदर्शन समाप्त कर दिया। पुलिस के अनुसार, मनकोंडूर मंडल के सदाशिवपल्ली निवासी जस्थी श्रीनिध (22) रविवार को थिम्मापुर मंडल की रामकृष्ण कॉलोनी के पास संदिग्ध परिस्थितियों में फांसी पर लटका मिला था। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

शव वाहन नहीं मिलना सरकार की विफलता : केटीआर

हैदराबाद, 25 मई (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामाराव ने तेलंगाना में आपातकालीन और मानवीय सेवाओं की बदहाल स्थिति को लेकर कांग्रेस सरकार पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि शव वाहन नहीं मिलने के कारण परिवार को शव कंधे पर ले जाने की घटना राज्य में सुशासन और मानवीय संवेदनाओं के पतन को दर्शाती है। केटीआर ने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव के नेतृत्व वाली बीआरएस सरकार के दौरान गरीब परिवारों को सम्मानजनक अंतिम संस्कार के लिए विशेष शव वाहन उपलब्ध कराए जाते थे। उन्होंने कहा कि उस समय सरकार मानवता और करुणा की भावना से काम करती थी।

उन्होंने आरोप लगाया कि वर्तमान कांग्रेस सरकार जनता की मूलभूत जरूरतों की अनदेखी कर रही है। सरकार प्रचार, राजनीतिक सभाओं, हेलीकॉप्टर यात्राओं और चुनावी कार्यक्रमों पर करोड़ों रुपये खर्च कर रही है, जबकि गरीबों को बुनियादी आपातकालीन सेवाएं भी नहीं मिल पा रही हैं। केटी रामाराव ने कहा कि सत्तारूढ़ दल राजनीतिक प्रतिशोध और चुनावी राजनीति में व्यस्त है तथा आम लोगों की समस्याओं पर ध्यान नहीं दे रहा। उन्होंने कहा कि किसी गरीब परिवार को सम्मानपूर्वक अंतिम संस्कार तक की सुविधा न मिल पाना राज्य प्रशासन के लिए शर्मनाक है। उन्होंने इस घटना को केवल एक परिवार की पीड़ा नहीं, बल्कि पूरे समाज को झकझोर देने वाली त्रासदी बताया। केटीआर ने आरोप लगाया कि कांग्रेस सरकार लोगों की गरिमा और कल्याण की रक्षा करने में पूरी तरह विफल रही है।

लापता बुजुर्ग को पुलिस ने परिवार से मिलाया

हैदराबाद, 25 मई (स्वतंत्र वार्ता)। सिकंदराबाद में नमाज के लिए घर से निकले एक लापता बुजुर्ग को शहर पुलिस ने खोजकर सुरक्षित उनके परिवार से मिला दिया। पुलिस की इस त्वरित कार्रवाई की लोगों ने सराहना की है। पुलिस के अनुसार, अंबरपेट निवासी 85 वर्षीय शेख इस्माइल 22 मई को शाम की नमाज पढ़ने के लिए घर से निकले थे, लेकिन वापस नहीं लौटे। बाद में वह चिलकलगुडा इलाके में भटकते हुए मिले। चिलकलगुडा पुलिस ने बुजुर्ग को अपनी सुरक्षा में लिया। शुरुआत में वह अपना पूरा पता नहीं बता पा रहे थे, जिसके बाद पुलिस ने लगातार पूछताछ कर उनकी पहचान करने का प्रयास किया।

बाद में पुलिस उन्हें मौला अली क्षेत्र में ले गई, जहां स्थानीय ऑटो चालकों ने उनकी पहचान करने और उनके बेटों से संपर्क कराने में मदद की। इसके बाद पुलिस स्टेशन में बुजुर्ग का परिवार से पुनर्मिलन कराया गया। वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों ने इस कार्य में शामिल पुलिसकर्मियों की त्वरित कार्रवाई और संवेदनशीलता की सराहना की।

आपातकालीन स्वास्थ्य सेवाएं पूरी तरह ध्वस्त : हरीश राव

हैदराबाद, 25 मई (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस विधायक दल के उपनेता टी. हरीश राव ने तेलंगाना में आपातकालीन स्वास्थ्य सेवाओं की बदहाल स्थिति के लिए कांग्रेस सरकार को जिम्मेदार ठहराया है। उन्होंने कहा कि राज्य में 108 एम्बुलेंस और शव वाहन सेवाएं पूरी तरह चरमरा गई हैं, जिससे आम लोगों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। सोमवार को मीडिया में प्रकाशित दो घटनाओं का जिक्र करते हुए हरीश राव ने कहा कि सार्वजनिक स्वास्थ्य व्यवस्था की स्थिति बेहद चिंताजनक हो गई है। उन्होंने आरोप लगाया कि तांदूर में एक गर्भवती महिला को रेलवे प्लेटफॉर्म पर ही बच्चे को जन्म देना पड़ा, क्योंकि कई बार फोन करने के बावजूद 108 एम्बुलेंस समय पर नहीं पहुंची।

उन्होंने भद्राचलम की एक घटना का भी उल्लेख किया, जहां एक गरीब परिवार को अपने मृत परिजन का शव कंधे पर उठाकर ले जाना पड़ा, क्योंकि अस्पताल की ओर से शव वाहन उपलब्ध नहीं कराया गया। हरीश राव ने कहा कि वर्तमान स्थिति में न तो लोगों की जान बचाने के लिए पर्याप्त एम्बुलेंस हैं और न ही शवों को सम्मानपूर्वक ले जाने के लिए वाहन। उन्होंने कांग्रेस सरकार पर स्वास्थ्य सेवाओं की अनदेखी करने का आरोप लगाया। पूर्व मंत्री ने कहा कि बीआरएस सरकार के दौरान शुरू की गई 108 एम्बुलेंस और शव वाहन सेवाएं गरीब और जरूरतमंद परिवारों के लिए जीवन रेखा साबित हुई थीं। उन्होंने कहा कि मौजूदा घटनाएं केवल प्रशासनिक विफलता नहीं, बल्कि गरीबों की पीड़ा को दर्शाती हैं।

धान खरीद में देरी पर घिरी सरकार, 10 दिन का विशेष अभियान शुरू

हैदराबाद, 25 मई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना में धान खरीद में देरी को लेकर कांग्रेस सरकार एक बार फिर विपक्ष और किसानों के निशाने पर आ गई है। धान की कटाई शुरू होने के लगभग 50 दिन बाद सरकार ने खरीद प्रक्रिया तेज करने के लिए 10 दिवसीय विशेष अभियान शुरू किया है। किसानों का आरोप है कि खरीद में देरी, बोरियों की कमी, परिवहन वाहनों की अनुपलब्धता और भुगतान लंबित रहने के कारण उन्हें भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। विपक्ष ने भी सरकार पर खरीद प्रक्रिया को जानबूझकर धीमा रखने का आरोप लगाया है। सरकारी आंकड़ों के अनुसार, अब तक लगभग 58.79 लाख मीट्रिक टन धान खरीद केंद्रों पर पहुंचा है, लेकिन केवल 50.01 लाख मीट्रिक टन की ही खरीद हो सकी है। करीब 8.78 लाख मीट्रिक टन धान अभी भी लंबित है, जबकि आने वाले दिनों में 16 लाख मीट्रिक टन अतिरिक्त धान पहुंचने की संभावना है।

इस महीने की शुरुआत में सरकार ने 90 लाख मीट्रिक टन धान खरीदने का लक्ष्य तय किया था। इसके लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य भुगतान हेतु 21,501 करोड़ रुपये आवंटित करने की घोषणा की गई थी। साथ ही हजारों खरीद केंद्र, बोरियां, वाहन और तिरपाल उपलब्ध कराने का दावा किया गया था। हालांकि, हाल ही में हुई समीक्षा बैठक के बाद सरकार ने खरीद लक्ष्य घटाकर 70 से 75 लाख मीट्रिक टन कर दिया है। सरकार ने यह भी स्वीकार किया कि अब तक किसानों को एमएसपी भुगतान के रूप में केवल 8,750 करोड़ रुपये ही जारी किए गए हैं। बीआरएस नेताओं ने आरोप लगाया है कि सरकार किसानों को मजबूरी में कम कीमत पर फसल बेचने के लिए खरीद प्रक्रिया में देरी कर रही है, ताकि बोनस और एमएसपी भुगतान का बोझ कम किया जा सके। अधिकारियों के अनुसार, 10 दिन की विशेष समय सीमा पूरी होने तक कुल 60 से 65 लाख मीट्रिक टन धान खरीद होने की संभावना है। सरकार ने आश्वासन दिया है कि लंबित भुगतान जल्द जारी किए जाएंगे और आगामी खरीद का भुगतान जून मध्य तक कर दिया जाएगा।

फसल की खेती के लिए धन जुटाने में जूझ रहे किसान

संगारेड्डी, 25 मई (स्वतंत्र वार्ता)। दक्षिण-पश्चिम मानसून के तेजी से आने के बीच राज्य भर के किसान वनकलम सीजन की खेती के लिए धन की भारी कमी से जूझ रहे हैं। किसानों का कहना है कि सरकार की ओर से सहायता राशि और ऋण माफी में देरी के कारण उनकी परेशानियां लगातार बढ़ती जा रही हैं। पिछले यशंगी सीजन में कांग्रेस सरकार द्वारा ऋतु भरोसा योजना लागू नहीं किए जाने और सहायता राशि को केवल दो एकड़ तक सीमित कर देने से किसान निराश हैं। वहीं सत्ता में आने के बाद दो लाख रुपये तक के कृषि ऋण माफ करने का वादा करने वाली सरकार अब तक पूरी ऋण माफी नहीं कर सकी है। इसके चलते आधे से अधिक किसान नए फसल ऋण लेने से वंचित रह गए हैं और केवल पुराने ऋणों का नवीनीकरण ही हो पाया है।

इधर, सरकार द्वारा धान, सूरजमुखी, मक्का और ज्वार की खरीद प्रक्रिया में देरी किए जाने से किसानों की मुश्किलें और बढ़ गई हैं। बेमौसम बारिश के कारण पहले ही किसानों की पैदावार प्रभावित हुई थी। अब अनाज खरीद के बाद भुगतान में देरी होने से किसानों के पास वनकलम सीजन की तैयारी के लिए पर्याप्त धन नहीं बचा है। मार्कफेड ने संगारेड्डी जिले में करीब एक हजार किसानों से 22 हजार क्विंटल मक्का खरीदा, लेकिन अब तक किसानों को भुगतान नहीं किया गया है। किसानों का कहना है कि वनकलम सीजन में प्रति एकड़ 20 हजार से 40 हजार रुपये तक खर्च आता है। धन की कमी के कारण किसान बीज और खाद नहीं खरीद पा रहे हैं और खेतों की जुताई भी प्रभावित हो रही है। जिले में इस बार करीब 17 लाख एकड़ भूमि पर विभिन्न फसलों की खेती होने की संभावना है। किसानों की चिंता इसलिए भी बढ़ गई है क्योंकि सरकार ने अब तक वनकलम रैतु भरोसा योजना को लेकर कोई घोषणा नहीं की है, जबकि मानसून एक जून से शुरू होने वाला है। अंडोले के किसान के. सत्यम ने सरकार से मांग की कि पिछले यशंगी सीजन की लंबित सहायता राशि और वनकलम की किस्त जल्द जारी की जाए।

धान के डंठल जलाने से बढ़ीं आग की घटनाएं

करीमनगर, 25 मई (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्व करीमनगर जिले में पिछले कुछ दिनों के दौरान आग लगने की घटनाओं में अचानक बढ़ोतरी हुई है। गर्मी के मौसम में आग की घटनाएं आम मानी जाती हैं, लेकिन इस बार हालात अधिक गंभीर बने हुए हैं। अधिकारियों के अनुसार, धान की कटाई के बाद खेतों में बचे डंठलों को जलाना आग लगने की प्रमुख वजह बन रहा है। तेज हवाओं और भीषण गर्मी के कारण आग आसपास के खेतों, आम के बागों, खजूर के पेड़ों और भूसे के ढेरों तक फैल रही है, जिससे भारी नुकसान हो रहा है। कृषि और अग्निशमन विभाग लगातार किसानों को डंठल नहीं जलाने की सलाह दे रहे हैं, लेकिन इसके बावजूद कई किसान इस प्रथा को जारी रखे हुए हैं। पहले हाथ से कटाई होने पर छोटे डंठल खेतों में ही मिल जाते थे और बाद में प्राकृतिक खाद बन जाते थे, लेकिन अब मशीनों से कटाई होने के कारण बड़े-बड़े अवशेष बच जाते हैं, जिन्हें किसान आग लगाकर नष्ट कर रहे हैं।

कृषि वैज्ञानिकों ने चेतावनी दी है कि डंठल जलाने से मिट्टी की उर्वरता कम होती है, लाभकारी सूक्ष्मजीव नष्ट हो जाते हैं और भूमि की गुणवत्ता पर दीर्घकालिक असर पड़ता है। इससे फसल उत्पादन भी प्रभावित हो सकता है। रविवार को मनकोंदूर मंडल के मुंजमपल्ली गांव में खेतों में लगाई गई आग पास की गौशाला तक पहुंच गई, जिससे दो मवेशी जिंदा जल गए और एक अन्य गंभीर रूप से घायल हो गया। वहीं शनिवार को चिक्कुडुवानीपल्ली में आम के बाग में आग लग गई। शुक्रवार को ओडेला मंडल के इंदुर्थी गांव में 15 क्विंटल बीज धान जलकर राख हो गई। जगतियाल जिले के कई गांवों में भी खजूर और ताड़ के बागों में आग लगने की घटनाएं सामने आई हैं। किसान संगठनों ने प्रशासन से मांग की है कि किसानों के बीच बड़े स्तर पर जागरूकता अभियान चलाकर डंठल जलाने की प्रथा को रोका जाए।

मक्का और धान खरीद की मांग को लेकर किसानों का सड़क जाम

आदिलाबाद/मंचेरियल, 25 मई (स्वतंत्र वार्ता)। मक्का की उपज की तत्काल खरीद की मांग को लेकर किसानों ने सोमवार को बिरसाईपेट गांव में आदिलाबाद-मंचेरियल मार्ग पर सड़क जाम कर प्रदर्शन किया। किसानों ने सरकार पर खरीद प्रक्रिया में देरी का आरोप लगाते हुए नाराजगी जताई। प्रदर्शनकारी किसानों का कहना था कि खरीद में अत्यधिक देरी के कारण उन्हें भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। भंडारण की पर्याप्त व्यवस्था नहीं होने से वे अपनी उपज सुरक्षित नहीं रख पा रहे हैं। मजबूरी में कई किसानों को निजी व्यापारियों को कम कीमत पर मक्का बेचना पड़ रहा है। सड़क जाम के कारण मार्ग पर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं और यातायात पूरी तरह बाधित हो गया। वाहन चालकों ने पुलिस और प्रशासन पर समय रहते स्थिति नियंत्रित नहीं करने का आरोप लगाया। बाद में अधिकारियों ने जल्द खरीद शुरू कराने का आश्वासन दिया, जिसके बाद किसानों ने प्रदर्शन समाप्त कर दिया।

इधर, बीआरएस कार्यकर्ताओं ने भी चेन्नूर मंडल के किश्तमपेट गांव और भीमराम मंडल मुख्यालय में धान खरीद की मांग को लेकर धरना प्रदर्शन किया। इस दौरान पुलिस द्वारा सड़क जाम रोकने के प्रयास पर प्रदर्शनकारियों की पुलिस से बहस भी हुई।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.